THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 327 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **माघ शु.5 2080 बुधवार, 14 फरवरी-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

'ऐसा लगता है अपने ही घर में आया हूं...'

> यूएई पहुंचने पर पीएम मोदी का जबर्दस्त स्वागत

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने कहा कि मैं गर्मजोशी से किए गए इस स्वागत का आभारी हूं। जब भी मैं यहां आपसे मिलने आता हूं, मुझे हमेशा लगता है कि मैं अपने परिवार से मिलने आया हूं। हम बीते सात महीनों में पांच बार मिल चुके हैं। इससे हमारे करीबी संबंधों का पता चलता है।

पीएम मोदी ने अबू धाबी पहुंचे से पहले कहा था कि मैं इस यात्रा के दौरान अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का भी उद्घाटन करूंगा। बीएपीएस मंदिर सद्भाव शांति और सहिष्णुता के मूल्यों के लिए एक स्थायी श्रद्धांजलि होगी, जो भारत और संयुक्त अरब अमीरात दोनों साझा करते हैं।

मोदी के दो दिवसीय दौरे का शेड्यूल :

प्रधानमंत्री मोदी यूएई के दो दिनों के दौरे के दौरान भारतीय समुदाय को संबोधित करने और हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने के अलावा कई अहम समझौते भी करेंगे। मोदी का 2015 के बाद से यूएई का ये सातवां दौरा है। पीएम मोदी को यूएई पहुंचते ही गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि बीते नौ सालों में ट्रेड से लेकर निवेश और सुरक्षा तक यूएई के साथ हमारा सहयोग कई क्षेत्रों में सहयोग है। दोनों देशों का सांस्कृतिक संबंध पहले से अधिक मजबूत हुआ है।

'पीएम की अध्यक्षता वाला पैनल ही करेगा चुनाव आयुक्त की नियुक्ति'

विरोध में दायर की गई याचिका पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नए कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक पैनल द्वारा करने का प्रावधान है। इस पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने एक गैर सरकारी संगठन, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दायर याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया और मामले को अप्रैल में सुनवाई के लिए इस मुद्दे पर अन्य लंबित याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध किया। याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। एनजीओ की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि कानून शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के फैसले के विपरीत है जिसने निर्देश दिया था कि सीजेआई उस पैनल में होंगे जो सीईसी और ईसी की नियुक्ति करेगा। उन्होंने कहा कि दो चुनाव आयुक्त सेवानिवृत्त होने वाले हैं और यदि कानून के क्रियान्वयन पर रोक नहीं लगाई गई तो याचिका निरर्थक हो जाएगी। >14

राहुल गांधी का वादा : हम देंगे एमएसपी की कानूनी गारंटी

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, किसान भाइयों आज ऐतिहासिक दिन है। कांग्रेस ने हर किसान को फसल पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का फैसला लिया है। यह कदम 15 करोड़ किसान परिवारों की समृद्धि सुनिश्चित कर उनका जीवन बदल देगा। न्याय के पथ पर यह कांग्रेस की पहली गारंटी है।

इसके अलावा छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, कांग्रेस ने ऐतिहासिक प्रण लिया है। हम स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, किसानों को एमएसपी कानून बनाकर उचित मूल्य की गारंटी देंगे। इससे 15 करोड़ किसान परिवारों को फायदा पहुंचेगा। >14

आप का कांग्रेस को 1 लोकसभा सीट का प्रपोजल

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने गोवा और गुजरात के अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। मंगलवार (13 फरवरी) को आप सांसद संदीप पाठक ने पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक के बाद इंडिया ब्लॉक के साथ सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा की।

संदीप ने कहा कि योग्यता के आधार पर कांग्रेस पार्टी दिल्ली में एक भी सीट की हकदार नहीं है। हम गठबंधन धर्म को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव दे रहे हैं कि दिल्ली में कांग्रेस एक सीट और आप 6 सीटों पर लड़े। संदीप ने यह भी कहा कि सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस पार्टी के साथ दो बैठकें हुईं, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इसके अलावा, पिछले 1 महीने में कोई बैठक नहीं हुई है। हम अगली मीटिंग का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं को भी अगली बैठक की जानकारी नहीं है। आज, मैं भारी मन से यहां बैठा हूं। हमने असम से तीन उम्मीदवारों की घोषणा की और मुझे उम्मीद है कि इंडिया गठबंधन उन्हें स्वीकार करेगा।

संदीप ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली में 2019 लोकसभा चुनाव में जीरो सीट, विधानसभा में जीरो सीट, एमसीडी चुनावों में 250 में से सिर्फ 9 सीटें जीती हैं। उधर, आप ने गुजरात में पिछले स्टेट इलेक्शन में वोट शेयर के अनुपात में 26 में से 8 लोकसभा सीटों की मांग की है। आप ने पिछले महीने 24 जनवरी को ही ऐलान कर दिया था कि वह पंजाब की सभी 13 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। इसके लिए अंदरूनी तौर पर आप ने पूरी तैयारी कर ली है। 13 लोकसभा सीटों पर 40 नामों की लिस्ट भी तैयार कर ली गई है।

शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने रबर की गोलियां चलाई

अंबाला, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब से दिल्ली जा रहे किसानों ने आज का प्रदर्शन खत्म कर दिया है। किसान नेता जगजीत डल्लेवाल ने कहा कि केंद्र ने एक भी मांग नहीं मानी। जब तक मुद्दे हल नहीं होंगे, तब तक आंदोलन चलता रहेगा। आज शाम होने की वजह से हम आंदोलन रोक रहे हैं। कल फिर दिल्ली के लिए कूच करेंगे।

इससे पहले मंगलवार 13 फरवरी को किसानों के दिल्ली चलो मार्च को दिल्ली के आसपास के बॉर्डर पर रोकने के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश गई तो पुलिस ने ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़े। हरियाणा में कई जगहों पर किसानों ने बैरिकेड हटा दिए।

पूर्व सीएम अशोक चव्हाण भाजपा में शामिल

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अशोक चव्हाण आज (13 फरवरी) को भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ कांग्रेस के पूर्व एमएलसी अमर राजुलकर ने भी भाजपा की सदस्यता ली। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने दोनों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। सूत्रों के मुताबिक, चव्हाण को भाजपा राज्यसभा भेज सकती है। बताया जा रहा है कि वे नामांकन भी कर सकते हैं।

उधर, शिवसेना (यूबीटी) सुप्रीमो उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर चव्हाण को राज्यसभा भेजते हैं, तो यह कारगिल के शहीद सैनिकों का अपमान होगा। दरअसल, 2010 में कारगिल शहीदों के लिए मुंबई में आदर्श हाउसिंग सोसाइटी बनाई गई थी। उस समय चव्हाण महाराष्ट्र के सीएम थे। तब भाजपा ने चव्हाण पर इस सोसाइटी में अपने रिश्तेदारों को घर बांटने का आरोप लगाया था। चव्हाण को तब मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। भाजपा में आने से एक दिन पहले 12 फरवरी को चव्हाण ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था, इसके अलावा उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से भी रिजाइन कर दिया था।

किसानों से बातचीत जारी रखेगी सरकारः मुंडा

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि केन्द्र सरकार किसानों से बातचीत कर समाधान निकालना चाहती है। मुंडा ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि चंडीगढ़ में किसान नेताओं से दो दौर की बातचीत हो चुकी है। कुछ चीजों में हमें और परामर्श की जरूरत है। भारत सरकार किसान हितों के लिए समर्पित है। किसान हित हमारी प्राथमिकता है। उन्हें समझाने की जरूरत है कि हम किसानों के साथ हैं।

उल्लेखनीय है कि किसान संगठन अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर आज दिल्ली कूच कर रहे हैं। इससे पहले किसानों को मनाने के लिए केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा, नित्यानंद राय दो दौर की बातचीत कर चुके हैं। लेकिन कोई ठोस समाधान न निकलने के कारण किसान पंजाब से दिल्ली की ओर बढ़ रहे हैं। किसानों को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने सभी सीमाओं पर किलेबंदी कर रखी है। हालांकि किसानों का कहना है कि वह सरकार से बातचीत के लिए तैयार है।

आंदोलन में शामिल होने जा रहे किसानों को जबरन उज्जैन भेजा, बोले- हम देव दर्शन करने नहीं आए

उज्जैन, 13 फरवरी (एजेंसियां)। किसान नेताओं और केंद्र सरकार के बीच न्यूनतम समर्थन मूल्य, गारंटी कानून और कर्ज माफी पर सहमति नहीं बनने के बाद आज दिल्ली में किसानों का बड़ा आंदोलन है। इसे लेकर किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण सिंह पंधेर ने किसानों से दिल्ली पहुंचने का आग्रह किया था। आंदोलन में शामिल होने के लिए ट्रेन से जा रहे किसानों को रविवार रात से ही दिल्ली पहुंचने से रोका जा रहा है। किसानों को कल भोपाल में रोका गया और आज उन्हें ट्रेन के माध्यम से उज्जैन भेज दिया गया। कर्नाटक के किसानों को जब उज्जैन स्टेशन पर लाया गया तो वह नाराज हो गए।

उन्होंने रेलवे स्टेशन पर नारेबाजी की। इस दौरान किसानों ने कहा कि हम दिल्ली जाना चाहते थे, लेकिन भोपाल पुलिस ने हमें नहीं जाने दिया। हम उज्जैन में कोई देव दर्शन करने नहीं आए हैं, हमें तो किसान आंदोलन में शामिल होने दिल्ली जाना है। किसानों को उज्जैन भेजने को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एक्स किया। उन्होंने लिखा- किसान आंदोलन में भाग लेने जा रहीं कर्नाटक की महिलाओं को पुलिस हिरासत में जबरदस्ती ट्रेन से उज्जैन ले जाया गया।

असली एनसीपी की लड़ाई

शरद पवार गुट ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की याचिका, ईसी के फैसले को चुनौती

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

शरद पवार गुट ने चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। चुनाव आयोग ने 6 फरवरी को अपने फैसले में अजित पवार गुट को ही असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीबी) बताया। चुनाव आयोग ने पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न घड़ी अजित गुट को दे दिया। इससे पार्टी के संस्थापक शरद पवार को बड़ा झटका लगा। इसके बाद चुनाव आयोग ने शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट के लिए पार्टी का नाम 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद चंद्र पवार' यानी एनसीबी शरद चंद्र पवार आवंटित कर दिया। दरअसल, 6 महीने से अधिक समय तक चली 10 से अधिक सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीबी) में विवाद का निपटारा किया और अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में फैसला सुनाया। आयोग ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए शरद पवार गुट को अपने नए राजनीतिक गठन के लिए एक नाम का दावा करने और आयोग को तीन प्राथमिकताएं प्रदान करने का विकल्प भी दिया।

अजित गुट ने एससी में कैविएट दाखिल किया है

शरद पवार गुट ने चुनाव आयोग के सामने तीन नाम रखे और शरद गुट बरगद के पेड़ को प्रतीक चिह्न के लिए मांग कर रहा था। शरद पवार गुट ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदराव पवार नाम चुनाव आयोग के सामने रखे थे, जिसमें से चुनाव आयोग ने 'एनसीपी शरद चंद्र पवार' नाम दे दिया। वहीं, चुनाव आयोग के फैसले के बाद अजित पवार गुट सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और उन्होंने कैविएट दाखिल किया। अजित गुट ने अपील करते हुए कहा था कि अगर शरद पवार गुट कोई याचिका दाखिल करता है, तो उनका पक्ष भी सुना जाए। कोर्ट एकतरफा रोक का आदेश न दे।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, शरद पवार और अजित पवार के बीच मतभेद के बाद एनसीबी में दोनों के अलग-अलग गुट बन गए थे। एक गुट शरद पवार का और दूसरा अजित पवार का था। पिछले साल 2 जुलाई को अजित पवार ने शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी। उन्होंने एनसीबी के 8 विधायकों के साथ शिंदे के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार से हाथ मिला लिया। इसी दिन महाराष्ट्र सरकार में अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अन्य विधायकों को भी कैबिनेट में मंत्री बनाया गया। वहीं, जून 2022 में शिंदे और शिवसेना के 39 अन्य विधायकों ने महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी। शिवसेना के दो हिस्से हो गए थे।

नहीं लूंगी राज्यसभा टिकट

वायरल हुआ सागरिका घोष का पुराना ट्वीट; दी सफाई

कोलकाता, 13 फरवरी (एजेंसियां)। सागरिका घोष का एक पुराना ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में उन्होंने कहा था कि वह किसी भी राजनीतिक दल से कोई टिकट नहीं लेंगी। अब टीएमसी से राज्यसभा की टिकट मिलने के बाद उन्होंने सफाई दी है और कहा है कि पत्रकारिता का पेशा छोड़ने के बाद उन्होंने इसीलिए तीन साल का वक्त लिया।

घोष ने कहा, मैंने किसी पार्टी में जाने का कोई रातोंरात फैसला नहीं लिया है।

घोष ने कहा, मेरा 6 साल पुराना ट्वीट सोशल मीडिया पर चल रहा है। उस समय मैं एक वर्किंग जर्नलिस्ट थी और अगर मैं रातों रात किसी पार्टी में शामिल हो जाती तो अच्छी बात नहीं थी। इसके बाद 2020 में मैंने पूर्णकालिक पत्रकार के तौर पर पेशा छोड़ दिया। बीते तीन साल से मैं केवल फ्रीलांस कॉलमिस्ट के तौर पर काम कर रही हूं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में आने से पहले मैंने तीन साल का वक्त लिया है। आज के समय में जब तानाशाही मोदी सरकार ने किसी भी संस्थान को स्वतंत्र नहीं छोड़ा है तो लोकतंत्र को जिंदा रखने केलिए मैंने टीएमसी के साथ जाने का फैसला किया है। सागरिका घोष ने अपने पुराने ट्वीट में कहा था कि वह किसी भी दल से राज्यसभा, पीएस या सीएस का टिकट नहीं लेंगी। इस बात को मैं लिखकर दे सकती हूं। आप मेरा ट्वीट सेव कर लीजिए। इसी ट्वीट को लेकर अब सागरिका घोष ने सफाई दी है। बता दें कि टीएमसी ने हाल ही में राज्यसभा के चार उम्मीदवारों का ऐलान किया है जिसमें सागरिका घोष का भी नाम है। वह ऐसी प्रत्याशी हैं जो कि टीएमसी की सदस्य भी नहीं थीं।

कतर से 7 नौसैनिक तो आ गए

कुलभूषण की कब होगी वापसी? राज ठाकरे ने किया सवाल

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार की कूटनीति एक बार फिर काम कर गई और कतर में मौत की सजा पाए आठ पूर्व नौसैनिक अधिकारियों को नई जिंदगी मिल गई। भारत में इस खबर को पाकर सबने प्रसन्नता जताई है और सरकार को धन्यवाद किया है। ये भारत सरकार की बड़ी कूटनीतिक जीत है। अब महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने भारत सरकार से कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान के कब्जे से स्वदेश वापसी कराने की मांग की है। राज ठाकरे ने सोशल मीडिया एक्स पर इस संबंध में तिरंगे की पृष्ठभूमि से सजी कुलभूषण जाधव की एक तस्वीर शेयर की और कतर से आठ भारतीय नौसेना अधिकारियों की रिहाई को लेकर बधाई दी लेकिन इसी के साथ उन्होंने आठों नौसेना अधिकारियों की रिहाई को भारत सरकार की कूटनीतिक जीत बताया है।

पाकिस्तान के कब्जे में हैं कुलभूषण जाधव

मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसी के साथ यह भी लिखा कि भारत सरकार कुलभूषण जाधव के मामले में भी उसी तरह की कूटनीतिक प्रयास करे ताकि उनका जल्द से जल्द भारत की धरती पर आगमन हो!

कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों ने 3 मार्च 2016 को बलूचिस्तान से गिरफ्तार किया था। कुलभूषण जाधव एक कमांडिंग ऑफिसर रैंक के नौसेना अधिकारी हैं और पाकिस्तान ने दावा किया था कि वह भारत की रॉ के लिए काम कर रहे थे।

पाकिस्तान का यह आरोप भी है कि कुलभूषण जाधव पाकिस्तान में जासूसी कर रहे थे। पाकिस्तान का दावा है कि कुलभूषण जाधव ईरान के रास्ते पाकिस्तान में दाखिल हुए थे। कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान में मौत की सजा सुनाई गई थी, हालांकि अंतरराष्ट्रीय अदालत से इस सजा पर स्टे मिल चुका है। लेकिन इसके बाद भी उनकी रिहाई का कोई रास्ता साफ नहीं हो सका है।

मुंबई के रहने वाले हैं कुलभूषण जाधव

कुलभूषण जाधव की रिहाई के लिए भारत में कई बार मांग उठ चुकी है। भारत सरकार की तरफ से भी इस दिशा में लगातार प्रयास किये गये हैं। कुलभूषण जाधव मुंबई के पूर्व सहायक पुलिस आयुक्त सुधीर जाधव के बेटे हैं। वह कुछ साल पहले पुलिस बल से सेवानिवृत्त हुए थे। कुलभूषण का परिवार पवई के हीरानंदानी इलाके में रहते हैं।

चालक ने तीन महिलाओं को मारी टक्कर, एक की मौत, मामला दर्ज

नारनौल, 13 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नारनौल में नारनौल-सिंघाना रोड पर एक गाड़ी चालक ने सड़क किनारे खड़ी तीन महिलाओं को टक्कर मार दी। जिससे एक महिला की मौके पर मौत हो गई, वहीं दो महिलाओं की गंभीर हालात बनी हुई है। पुलिस शिकायत में खटोटी सुल्तान पुर निवासी रविदत्त ने बताया कि देर सायं करीब साढे 5 बजे वह अपने घर के सामने खड़ा था। वहीं उसकी मां विद्या देवी व मंजू देवी और सोनिका तीनों महेंद्र सिंह के मकान के पास सड़क से नीचे खड़ी थी। इस दौरान सिंघाना की तरफ से तेज गति से गाड़ी आई और उसकी मां विद्या देवी व मंजू देवी, सोनिका को मार दी। जिसके बाद वह, ईश्वर तथा रोहताश प्राइवेट गाड़ी का इंतजाम कर नारनौल के निजी अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल करवाई। जहां चिकित्सकों ने गंभीर चोट लगने से विद्या देवी को मृत घोषित कर दिया।

एनएच 43 पर हादसा

गलत दिशा में खड़े ट्रक से टकराई कार डॉक्टर की मौके पर ही मौत

शहडोल, 13 फरवरी (एजेंसियां)। आधिकारिक रूप से शुरू होने के पहले ही नेशनल हाईवे 43 का शहडोल बुढ़ार के बीच का बायपास मार्ग खूनी होता जा रहा है। तकनीकी खामियों के कारण यहां शुरुआजी दिनो से ही हादसे हो रहे हैं। देर भी हाईवे बाईपास में हुए हादसे में एक डॉक्टर की मौत हो गई। मृतक डॉक्टर पुष्पराज सिंह जिले के धनपुरी स्थित होम्योपैथी औषधालय में पदस्थ थे। वह शहडोल में रह रहे अपने रिश्तेदार के यहां आए थे,

वापस घर जाते समय उनकी कार गलत दिशा में खडे.ट्रक से उनकी टकरा गई। हादसे में डॉक्टर मौत हो गई। हादसा मेडिकल कॉलेज तिराहे के ठीक पहले हुआ। दरअसल, सोहागपुर थाना के सामने से गुजर रहा हाईवे मेडिकल कॉलेज की ओर जाता है, मेडिकल कॉलेज तिराहे पर अंधा मोड़ है, इससे यहां लगातार हादसे हो रहे हैं।

केजरीवाल को मिली राहत

उत्तर प्रदेश में दिल्ली सीएम के खिलाफ कार्यवाही पर रोक बरकरार

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्यवाही पर अंतरिम रोक की अवधि मंगलवार को बढ़ा दी। केजरीवाल ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है, जिसने सुल्तानपुर की एक ट्रायल कोर्ट में लंबित आपराधिक मामले में केजरीवाल को आरोप मुक्त करने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई की।

केजरीवाल पर जन प्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 की धारा 125 के तहत चुनावों के संबंध में वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। केजरीवाल ने दो मई 2014 को प्रचार अभियान के दौरान कथित तौर पर कहा था, 'जो कांग्रेस को वोट देगा, । देश के साथ गद्दारी होगी। जो भाजपा को वोट देगा उसे खुदा भी माफ नहीं करेगा।' केजरीवाल ने अपनी याचिका में कहा है कि उन्होंने किसी धर्म या जाति का नहीं बल्कि केवल एक राजनीतिक दल का जिक्र किया था और जन प्रतिनिधि अधिनियम की धारा 125 के प्रयोजनों के लिए किसी राजनीतिक दल को नागरिकों का एक वर्ग नहीं माना जा सकता है।

खुद को गैंगस्टर बता उद्योगपति से मांगी दो करोड़ की रंगदारी

जालंधर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने खुद को गैंगस्टर लंडा हरिके बताकर शहर के एक व्यापारी को फोन किया था और दो करोड़ की रंगदारी मांगी थी। पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने बताया कि शहर के उद्योगपति बलकार सिंह पुत्र सुरिंदर सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें 4 फरवरी को जबरन वसूली के लिए एक कॉल आई। उन्होंने बताया कि फोन करने वाले ने अपनी पहचान गैंगस्टर लंडा हरिके के रूप में बताई और उनसे 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। शर्मा ने बताया कि फोन करने वाले ने मांग पूरी न करने पर उद्योगपति और उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि उक्त व्यक्ति ने उद्योगपति को 5 और 6 फरवरी को फिर से फोन किया। उद्योगपति ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई।

शरद पवार के करीबी नेता का दावा

बीजेपी ने मुझे भी दिया था ये ऑफर, लेकिन हमने जेल जाना पसंद किया

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के कांग्रेस से इस्तीफे के बाद शरद पवार गुट के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने दावा किया है कि तीन साल पहले मुझे भी बीजेपी ने ऑफर दिया था लेकिन मैंने जेल जाना पसंद किया। अनिल देशमुख ने नागपुर में कहा कि तीन साल पहले बीजेपी ज्वॉइन करने का प्रेशर मुझे दिया गया था। मुझे बोला गया था कि एफिडेबिट पर साइन करो, तुम्हारे पास सीबीआई और ईडी नहीं जाएगी।

अनिल देशमुख बोले बीजेपी ने दिया लालच

अनिल देशमुख ने दावा किया है कि बीजेपी ने सरकार में भी शामिल होने का ऑफर दिया था। मैने कहा था कि मैं जिंदगी भर जेल में रहना पसंद करुंगा लेकिन बीजेपी मे नहीं जाऊंगा। मैने समझौता नहीं किया इसिलिए मुझे जेल जाना पडा था। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने उन्हें मंत्री पद का भी लालच दिया था।

अशोक चव्हाण ने सोमवार को दिया था कांग्रेस से इस्तीफा

बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने अभी हाल में ही कांग्रेस छोड़ दी। वे बीजेपी की तरफ से राज्यसभा जा सकते हैं। चव्हाण ने मंगलवार को कहा कि वह सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मैं मुंबई स्थित भाजपा कार्यालय जाकर आज उसमें (भाजपा में) शामिल हो रहा हूं। आज मेरे जीवन के नए राजनीतिक करियर की शुरुआत है।'' जब चव्हाण से यह पूछा गया कि क्या उन्हें वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कोई फोन किया, तो उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा,

''मैं मुंबई स्थित कार्यालय में जाकर भाजपा में आधिकारिक तौर पर शामिल हो जाऊंगा। वहां मेरे साथ कुछ नेता भी होंगे। वहां उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार समेत अन्य लोग होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री एस बी चव्हाण के बेटे अशोक चव्हाण (65) ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस छोड़ना उनका स्वतंत्र फैसला है और उन्होंने अपने इस फैसले का कोई विशेष कारण नहीं बताया।

महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं बाबा सिद्दीकी और मिलिंद देवड़ा ने भी कुछ दिन पहले पार्टी छोड़ दी थी। चव्हाण मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़ जिले के रहने वाले हैं। वह 2014-19 के दौरान कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख भी थे। उन्होंने भोकर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया था और वह नांदेड़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद भी रह चुके हैं।

बंजार में 338 ग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

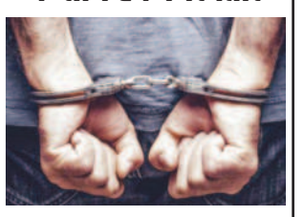

कुल्लू, 13 फरवरी (एजेंसियां)। थाना बंजार के अंर्तगत पुलिस ने चरस तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। चरस तस्करी का मामला सोमवार बीती रात उस दौरान सामने आया जब पुलिस टीम इलाके में श्रिमला में गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति के कब्जे से 338 ग्राम चरस बरामद की। पुलिस ने चरस की खेप को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कार्तिकेयन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी सोम दत्त (31) पुत्र ज्ञान सिंह निवासी गांव खुन्दन डाकघर व तहसील बंजार ज़िला कुल्लू के विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

'गुजराती ठग' वाले बयान पर तेजस्वी का माफीनामा मंजूर

सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मानहानि की शिकायत रद्द की

पटना, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को 'गुजराती ठग' वाले बयान पर सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने तेजस्वी का माफीनामा मंजूर कर लिया है। और मामले की आपराधिक शिकायत रद्द कर दी है। अब अहमदाबाद कोर्ट में ट्रायल नहीं चलेगा। इससे पहले पिछले सोमवार (5 फरवरी) को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सुनवाई पूरी कर ली थी, और फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति अभय एस ओका की अध्यक्षता वाली पीठ ने राजद नेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की इस दलील पर ध्यान दिया कि तेजस्वी यादव ने बिना शर्त अपनी टिप्पणी वापस लेते हुए एक विशिष्ट हलफनामा दायर किया था।

हरेश मेहता ने शिकायत दर्ज कराई थी

न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि जब तेजस्वी यादव ने बयान वापस ले लिया है तो अभियोजन को मुकदमा जारी क्यों रखना चाहिए? आप निर्देश लें, वरना हम अनुच्छेद 142 के तहत शक्तियों का प्रयोग करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आरजेडी नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए पहले आपराधिक मानहानि की शिकायत की सुनवाई पर रोक लगा दी थी। साथ ही याचिका दायर करने वाले गुजरात निवासी को नोटिस जारी किया था। तेजस्वी यादव के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। गुजरात की एक अदालत ने अगस्त माह में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 202 के तहत तेजस्वी यादव के खिलाफ प्रारंभिक जांच की थी। शिकायतकर्ता हरेश मेहता की शिकायत पर तेजस्वी को तलब करने के लिए पर्याप्त आधार होने की बात कही थी।

तेजस्वी ने केस दिल्ली में ट्रांसफर करने की मांग की थी

बता दें, पिछले साल मार्च माह में गुजरातियों को लेकर तेजस्वी ने टिप्पणी की थी। इसके बाद, उनके खिलाफ गुजरात कोर्ट में मामला दर्ज कराया गया था। तेजस्वी यादव ने एक याचिका दायर कर कोर्ट से इस मामले को गुजरात के बाहर खासतौर से दिल्ली में ट्रांसफर करने की मांग की थी।

क्या है पूरा मामला?

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने 22 मार्च 2023 एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- 'ठग है ना, जो ठग है, ठग को अनुमति है, आज के देश के हालात में देखा जाए तो सिर्फ गुजराती ही ठग हो सकता है और उसके ठग को माफ किया जाएगा।

एलआईसी का पैसा, बैंक का पैसा दे दो, फिर वो लोग लेकर भाग जाएंगे।' तेजस्वी के बयान के खिलाफ अहमदाबाद के रहने वाले हरेश मेहता ने गुजरात में आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर केस को गुजरात से बाहर दिल्ली या फिर पटना ट्रांसफर करने की मांग की थी।

छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला शिक्षक गिरफ्तार, इलाज के दौरान नाबालिग ने तोड़ा दम

मैंगलुरु, 13 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलथांगडी में एक निजी स्कूल के शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, छात्र को मृतक छात्रा के बारे में कुछ आपत्तिजनक संदेश भेजकर उसे आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि धर्मस्थला के पीजाथडका की रहने वाली लड़की ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी, जिसके बाद उसे तुरंत बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान लड़की की मौत हो गई। छात्रा को 7 फरवरी को मंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और दो दिन पहले बेहतर इलाज के लिए बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

मुस्लिम धर्म गुरुओं पर भड़कीं डीएम वंदना, कहा- फोन बंद न करते तो नहीं होती हल्द्वानी हिंसा

नैनीताल, 13 फरवरी (एजेंसियां)। हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुई हिंसा के बाद स्थिति धीरे धीरे सामान्य हो रही है। बनफूलपुरा इलाके में अभी भी कर्फ्यू जारी है। इस दौरान जिला प्रशासन ने अमन चैन कमेटी के तहत मुस्लिम धर्म गुरुओं की हल्द्वानी नगर निगम में एक बैठक बुलाई। बैठक में हल्द्वानी हिंसा के बाद के हालातों पर चर्चा की गई। इस दौरान मुस्लिम धर्म गुरु ने जिला प्रशासन पर बिना मुस्लिम धर्म गुरुओं के सामंजस्य के जिला प्रशासन अतिक्रमण तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन को मामले को लेकर पहले ही मुस्लिम धर्म गुरुओं से बात करनी चाहिए थी। इस दौरान डीएम वंदना ने मुस्लिम धर्म गुरुओं को नसीहत दी। डीएम वंदना ने कहा सरकारी भूमि पर मस्जिद और मदरसा बनाया गया था जो पूरी तरह से गलत था। सरकार उस भूमि को खाली करना चाहती हैं। एक तारीख को नोटिस जारी कर मदरसा और नमाज स्थल को खाली करने के निर्देश भी दिए गए। इसको लेकर धर्म गुरुओं के साथ बैठक भी हो चुकी है। सभी धर्म गुरुओं को इसे लेकर जानकारी थी। उन्होंने कहा मुस्लिम धर्मगुरुओं की ओर से जो आरोप लगाये जा रहे हैं वो पूरी तरह से गलत हैं। इस दौरान डीएम ने कहा जिस समय बनभूलपुरा में उपद्रव शुरू हुआ उस समय मुस्लिम धर्मगुरु से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन तब सभी मुस्लिम धर्म गुरुओं ने अपने-अपने मोबाइल बंद कर दिये थे। अगर मुस्लिम धर्मगुरु उस समय पुलिस प्रशासन का सहयोग करते तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 14 फरवरी, 2024 3

सुविचार: भगवान उस हृदय में निवास करते हैं, जिसके मन में किसी के प्रति बैर भाव नहीं है, कोई लालच या द्वेष नहीं।

तेलंगाना के साथ अन्याय नहीं होने दूंगा : केसीआर

नलगोंडा, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सीएम केसीआर ने साफ कर दिया है कि वह तेलंगाना के साथ हरगिज अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने नलगोंडा के उपनगर मर्रिगुडा बाईपास पर आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में भाग लिया और उसे संबोधित किया।

उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अब समय आ गया है कि कृष्णा के जल के लिए आऱ-पार की लडाई लडने का संकल्प लिया जाए। पैर टूटने के बावजूद वे नलगोंडा आये हैं। ये कोई राजनीतिक सभा नहीं है। आंदोलन सभा है, संघर्ष सभा है। फ़्लोराइड के कारण नलगोंडा के लोगों की कमर झुक गई है। उस दिन हम पीड़ितों को दिल्ली ले गए और तत्कालीन प्रधानमंत्री को दिखाया। तेलंगाना के लोगों का पानी के बिना कोई जीवन नहीं है। 24 साल से मैं पूरे राज्य को बता रहा हूं।

बीआऱएस सरकार आने के बाद फ़्लोराइड की समस्या खत्म हो गयी। अब नलगोंडा जिला फ़्लोराइड मुक्त जिला बन गया है। लंबे संघर्ष के बाद पृथक तेलंगाना का गठन हुआ। दस वर्ष तक शासन किया। मेरे शासनकाल में किसी के साथ भेदभाव वाला व्यवहार नहीं किया गया। कुछ लोग जनता के पास तभी आते हैं जब वोट चाहिए। अगर मेरे अंदर, मेरी धरती के लिए चाहत है तो मैं कहीं भी लड़ सकता हूं। बसवापुर परियोजना पूरी हो गई है, दिंडी परियोजना पूरी हो गई है। पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना का 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। खम्मम, नलगोंडा, महबूबनगर, रंगारेड्डी, हैदराबाद जिले में कृष्णा जल की समस्या है। कृष्णा जल को एक वर्ष के लिए अस्थायी आधार पर आवंटित किया गया है। हमने केंद्र से कई बार कृष्णा जल का आधा हिस्सा तेलंगाना को आवंटित करने के लिए कहा है। अब हमें कृष्णा जल के हिस्से के लिए न्यायाधिकरण के समक्ष लड़ना होगा। अगर तेलंगाना के साथ अन्याय हुआ तो मैं आखिरी सांस तक तरह लड़ूंगा। कालेश्वरम परियोजना कोई खिलौना नहीं है। जब वे मेडिगड्डा गए तो उन्होंने क्या किया? हम सभा के बाद जाएंगे।

प्राणहिता में अब भी 5 हजार क्यूसेक का बहाव है।? कालेश्वरम परियोजना कोई खिलौना नहीं है. इस परियोजना में 200 किमी लंबी सुरंगें और 1500 किमी लंबी नहरें हैं।

यह सही है कि दो-तीन खंभे झुक रहे हैं। कितनी बार खंभे ऐसे नहीं गिरे क्या सागर में नहीं गिरे? बैठक में बीआरएस नेता केटीआर, हरीश राव, जगदीश रेड्डी, निरंजन रेड्डी, केशव राव और अन्य ने भाग लिया। कुछ महीनों के अंतराल के बाद सुर्खियों में आए केसीआर का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

अनुकंपा नियुक्ति पर एमएलसी कविता की नाराजगी

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने अनुकंपा नियुक्ति के तहत तेलंगाना निवासियों के लिए नौकरियों में आंध्र प्रदेश के लोगों की नियुक्ति पर आपत्ति जताई है। उन्होंने राज्य विधान परिषद में विशेष उल्लेख के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने इस संबंध में तत्काल कार्रवाई की मांग की।

इस अवसर पर बोलते हुए, कविता ने कहा कि तेलंगाना राज्य स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियां प्रदान करने के लिए अस्तित्व में आया और पिछली बीआरएस सरकार ने भी तदनुसार कानून बनाए। हालांकि, नए कांग्रेस शासन के तहत, पड़ोसी आंध्र प्रदेश के कर्नूल के ए रामिरेड्डी के बेटे ए रघुनाथ रेड्डी को एक पुराने सरकारी आदेश का उपयोग करके अनुकंपा के आधार पर नगर प्रशासन, शहरी विकास विभाग में नौकरी दी गई थी। रघुनाथ रेड्डी की पूरी स्कूली शिक्षा कर्नूल में हुई और हालांकि वह तेलंगाना के नागरिक नहीं हैं।

हम तथ्य जानने के लिए 'मेडिगड्डा' आ रहे हैं : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री श्रीधर बाबू ने सभी विधायकों और एमएलसी से कालेश्वरम परियोजना में मेडिगड्डा बैराज का दौरा करने का अनुरोध किया है। उन्होंने विधान सभा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे वास्तविक स्थिति को लोगों के सामने रखने के इरादे से सभी दलों के सदस्यों को आमंत्रित कर रहे हैं क्योंकि यदि वे बोलेंगे तो वे इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास करेंगे। हमारी सरकार आने पर सीएम रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने मेडिगड्डा बैराज के निर्माण में खामियों और कई अन्य मुद्दों पर समीक्षा की। इसकी जांच के लिए एक सतर्कता समिति का गठन किया गया था। कमेटी ने रिपोर्ट दी कि काम में भ्रष्टाचार हुआ है। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने भी कहा है कि बांध सुरक्षा के मामले में गलतियां हुई हैं। देश में 50 साल पहले कांग्रेस सरकारों के शासनकाल में बनी परियोजनाओं और बांधों को इस स्तर की क्षति नहीं हुई। मेडिगड्डा के मामले में ऐसा लगता है कि राज्य के लोगों का धन बर्बाद किया गया। यह स्थिति बीआरएस सरकार के निर्णयों के कारण उत्पन्न हुई। विजिलेंस रिपोर्ट के आधार पर हम सदन का ध्यान इस ओर दिला रहे हैं कि किस तरह से सरकारी खजाने का दुरुपयोग किया गया है। हम चाहते हैं कि सदस्य वहां पहुंच कर तथ्य देखें। मेरे निर्वाचन क्षेत्र मंथनी के भीतर मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडीला बैराज का निर्माण किया गया है। श्रीधर बाबू ने कहा कि भले ही किसानों ने कालेश्वरम परियोजना के लिए अपनी जमीन और घर का बलिदान दे दिया, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

राज्य विधानसभा अचानक स्थगित

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा मंगलवार को मेडिगड्डा बैराज की आधिकारिक यात्रा पर टिप्पणी करने के बाद राज्य विधानसभा को अचानक स्थगित कर दिया गया। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों के लिए आवश्यक व्यय को पूरा करने के लिए अनुदान और वित्तीय वर्ष 2023-2 के लिए व्यय के अनुपूरक अनुमान की मांग करते हुए वार्षिक वित्तीय विवरण पेश किया।

यूओएच स्वर्ण जयंती वर्ष में बायोअन्वेषण 2024 की मेजबानी करेगा

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष, हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) एक अद्वितीय ज्ञान केंद्र होने के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। बायोअन्वेषण वैश्विक स्तर पर ज्ञान साझा करने के माध्यम से सत्य की खोज की भावना को बढ़ावा देकर उत्सव को सुशोभित कर रहा है। कुलपति प्रोफेसर बीजे राव ने अन्वेषण को संस्कृत से लिया है जिसका अर्थ है इसके संदर्भ में सत्य की खोज करना। बायोअन्वेषण जीव विज्ञान के रहस्यों की खोज करने की दिशा में एक व्यापक प्रयास है ताकि अंततः इसे ऐसी तकनीक में तब्दील किया जा सके जो मानव जाति के लिए उपयोगी हो। 15 से 18 फरवरी, 2024 तक आयोजित होने वाला सम्मेलन उस यात्रा का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया है जो जीवन की सच्चाई का अनावरण करने के उद्देश्य से शुरू हुई और जीवन को जीने लायक बनाने के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास में परिणत हुई। वैज्ञानिक अनुसंधान के उत्साह को बढ़ाने के लिए, यूओएच है आधुनिक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, प्रमुख उद्योगपतियों और औषधीय जीव विज्ञान विशेषज्ञों को एक साथ लाना। सम्मेलन का विषय सिंथेटिक जीवविज्ञान और जैव ईंधन, जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलॉमिक्स; माइक्रोबियल, पौधे और पशु जैव प्रौद्योगिकी; कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान; औषधि विकास, टीके और औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान; रोगज़नक़ जीवविज्ञान; तंत्रिका संबंधी विकार और चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी है । 15 फरवरी को उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर बी जे राव उपस्थित रहेंगे, जो "रसायन विज्ञान जीव विज्ञान कैसे बनता है?" शीर्षक पर भाषण देंगे, इसके बाद प्रोफेसर राजेश गोखले, सचिव, डीबीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत भाषण देंगे। पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. नागेश्वर रेड्डी, अध्यक्ष, एआईजी हॉस्पिटल्स, "स्वास्थ्य देखभाल में एआई - क्या यह एक वास्तविकता बनने जा रही है?" विषय पर बात करते हैं। बायोअन्वेषण 2024 का आकर्षण 16 फरवरी को नोबेल पुरस्कार विजेता सर प्रोफेसर रिचर्ड जे रॉबर्ट्स का प्रतिष्ठित व्याख्यान है, जो अपने व्याख्यान "नोबेल पुरस्कार का मार्ग" में अपनी उल्लेखनीय यात्रा साझा करेंगे। इसकी अध्यक्षता कुलपति करेंगे। चार दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्रम में जर्मनी, स्वीडन, ताइवान, जापान, ऑस्ट्रेलिया के प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा कई व्यावहारिक और दिमाग झुकाने वाली बातचीत देखी जाएगी। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ-साथ भारत के विभिन्न संस्थानों के निदेशक और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक। मण्डली छात्रों और संकाय को दुनिया भर में वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करने और बुनियादी जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उपयोगी सहक्रियात्मक शैक्षणिक-उद्योग संपर्क बनाने में मदद करेगी।

टीएसआरटीसी के संयुक्त निदेशक अपूर्वा राव

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अपूर्वा राव (आईपीएस) ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के नए संयुक्त निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला है। उन्होंने मंगलवार को हैदराबाद बस भवन स्थित अपने कक्ष में पदभार ग्रहण किया। सोमवार को सरकार ने सीआईडी और एसपी की जिम्मेदारी निभा रहे अपूर्वा राव को टीएसआरटीसी का संयुक्त निदेशक नियुक्त किया था। हैदराबाद की रहने वाली वह 2014 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। पहले वनपर्थी, गडवाला और नलगोंडा जिलों के एसपी के रूप में काम किया। यह पहली बार है कि किसी महिला आईपीएस अधिकारी को टीएसआरटीसी के संयुक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। कंपनी के एमडी वीसी सज्जनार (आईपीएस) ने टीएसआरटीसी के संयुक्त निदेशक के रूप में कार्यभार संभालने वाली के. अपूर्वराव को बधाई दी। उन्हें संगठन के विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने की सलाह दी गई।

जीएचएमसी डिप्टी मेयर ने सीएम से मुलाकात की

जल्द ही कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की संभावना

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद की सीमा में बीआरएस पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा। जीएचएमसी की उप महापौर श्रीलता शोभन रेड्डी और उनकी पत्नी ने आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मोटे शोभन रेड्डी पिछले कुछ समय से बीआरएस पार्टी आलाकमान से नाखुश हैं। वह बीआरएस पार्टी की श्रमिक शाखा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। खबर है कि डिप्टी मेयर दंपत्ति एक-दो दिनों में कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। वे इस बात से नाराज हैं कि पूर्व सीएम केसीआर और केटीआर अलग तेलंगाना राज्य आंदोलनकारियों का अपमान कर रहे है। पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें चल रही हैं कि डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी और उनकी पत्नी पाला बदल लेंगे। हाल ही में, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने जीएचएमसी के नगरसेवकों के साथ एक बैठक की। हालांकि, डिप्टी मेयर बैठक से अनुपस्थित थे। पता चला है कि वे पहले ही रेवंत से कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर चर्चा कर चुके हैं। संभावना है कि अगले कुछ दिनों में दोनों औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो जाएंगे। उनके साथ ग्रेटर हैदराबाद के पूर्व डिप्टी मेयर बाबा फसीउद्दीन भी हैं, जो हाल ही में बीआरएस पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं।बीआरएस पार्टी को राज्य की राजधानी में लगातार झटके का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए पार्टी के असंतुष्ट नेता कतार में लगे हुए हैं। पूर्व डिप्टी मेयर बाबा फसीउद्दीन पहले ही कांग्रेस पार्टी में शामिल हो चुके हैं। पूर्व मेयर बोंतु राममोहन के भी बीआरएस पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की संभावना है। बोंतु राममोहन पहले ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिल चुके हैं। कथित तौर पर रेवंत ने उन्हें पार्टी में उचित महत्व देने का वादा किया है। खबर है कि एक हफ्ते के अंदर बोंतु राममोहन और उनकी पत्नी कांग्रेस पार्टी का दुपट्टा पहनेंगे। इनके अलावा, व्यापक चर्चा है कि ग्रेटर हैदराबाद में कुछ अन्य बीआरएस नेता पार्टी छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं।

मतदाता सूची का वार्षिक ग्रीष्मकालीन पुनरीक्षण जारी

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्रत वार्ता)। आयोग ने उच्च निष्ठा मतदाता सूची प्राप्त करने के इरादे से सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अर्हता तिथि के रूप में 1 जनवरी, 2024 के संदर्भ में मतदाता सूची का विशेष सारांश पुनरीक्षण (एसएसआर) आयोजित करने का आदेश दिया। महीनों की लंबी गहन कवायद के बाद, भारत के चुनाव आयोग ने 8 फरवरी, 2024 को पांच राज्यों और असम के संबंध में अंतिम प्रकाशन मतदाता सूची के साथ सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष सारांश पुनरीक्षण, 2024 को सफलतापूर्वक आयोजित किया है। अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार राज्य में कुल 3,30,21,735 मतदाता मतदाता सूची में शामिल हैं। क्रमवार ड्राफ्ट मतदाता सूचीव अंतिम मतदाता सूची (तारीख के अनुसार)कुल पंजीकृत मतदाता3,28,29,498, 3,30,21,735, पुरुष मतदाता,1,64,01,046,1,64,31,777,महिला मतदाता, 1,64,25,784, 1,65,87,221, टीजी इलेक्टर्स 2,668, 2,737, पीडब्ल्यूडी। मतदाता5,05,493, 5,28,405, 18-19 आयु वर्ग के तहत मतदाता 7,54,602, 8,51,85320-29 वर्ष से कम आयु के मतदाता64,57,828, 80 प्लस मतदाता 4,8%,095, शतायु 100 प्लस मतदाताक्ष7,877 शामिल हैं। इस एसएसआर -2024 के दौरान 7,19,104 नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं। जिनमें से 4,14,871 महिलाएं हैं। कुल नए जोड़े गए मतदाताओं में से 1,14,177 मतदाता 18-19 वर्ष आयु वर्ग के हैं और 2,72,303 मतदाता 20-29 वर्ष आयु वर्ग के हैं। इन सभी नए नामांकित मतदाताओं को मतदाता फोटो पहचान पत्र जारी किए जा रहे हैं। एसएसआर-2024 के दौरान विलोपन की कुल संख्या 5,26,867 है जिसमें 1,66,034 मृत, 2,40,641 स्थायी रूप से स्थानांतरित/अनुपस्थित और 1,19,155 डुप्लिकेट मतदाता शामिल हैं। एसएसआर-2024 की इस अवधि के दौरान, वर्ष की तीन बाद की अर्हक तिथियों के संदर्भ में 61,408 अग्रिम आवेदन प्राप्त हुए हैं।

डीसीपी ने मॉल और पब प्रबंधन के साथ यातायात जागरूकता बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा माह-2024 (15 जनवरी से 14 फरवरी) के मद्देनजर, साइबराबाद डीसीपी (यातायात) डीवी श्रीनिवास राव ने अन्य साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के साथ आज एक साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में मॉल और पब प्रबंधन पर यातायात जागरूकता बैठक की। बैठक में विभिन्न मुद्दों पब के सामने यातायात भीड़ की समस्या को कम करना, यातायात की भीड़ से बचने और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए, ग्राहकों को छोड़ने और लेने के दौरान मॉल और पब परिसर में उतरने के स्थान बनाए जाने चाहिए। मॉल और पब प्रबंधन को निर्धारित स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था करने को कहा गया। यदि मॉल और पब में पार्किंग की सुविधा नहीं है, तो उन्हें पार्किंग स्थल किराए पर लेना चाहिए। मॉल और पब के प्रबंधन से कहा गया कि वे यातायात की भीड़ से बचने के लिए सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करें और साइन बोर्ड के माध्यम से प्रवेश/निकास की व्यवस्था करें। मॉल के प्रबंधन से अनुरोध किया गया कि वे मॉल के सामने पार्किंग/यातायात के मुद्दों को विनियमित करने के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की व्यवस्था करें। बैठक में साइबराबाद डीसीपी ट्रैफिक डीवी श्रीनिवास राव, अतिरिक्त डीसीपी, माधापुर ट्रैफिक पी. श्रीनिवास रेड्डी, अतिरिक्त डीसीपी, मेड्चल ट्रैफिक वेणु गोपाल रेड्डी, एसीएसपी, इंस्पेक्टर और साइबराबाद क्षेत्राधिकार में विभिन्न मॉल और पब प्रबंधन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कालेश्वरम परियोजना में अनियमितताओं की जांच के लिए सीबीआई तैयार: किशन

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि अगर राज्य सरकार उन्हें पत्र लिखे तो सीबीआई कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में हुई कथित अनियमितताओं की जांच करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पिछले सीएम बीआरएस पार्टी के नेताओं द्वारा की गई अनियमितताओं की सीबीआई जांच का आदेश देने के लिए आगे नहीं आए और कहा कि मुख्यमंत्री को यह बताना चाहिए कि सत्ता में आई कांग्रेस सीबीआई जांच की मांग क्यों नहीं कर रही है। किशन रेड्डी ने स्पष्ट किया कि सतर्कता विभाग के पास बांध की गुणवत्ता, योजना, डिजाइन और निष्पादन में अनियमितताओं को उजागर करने की क्षमता नहीं है।

उन्होंने कहा कि बांध सुरक्षा प्राधिकरण देशभर में परियोजनाओं की सुरक्षा का काम देखता है। उन्होंने कहा कि मेडीगड्डा के ढहने की रिपोर्ट के बाद उन्होंने पिछले साल 21 अक्टूबर को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री को पत्र लिखा था और उनसे इस मुद्दे पर कार्रवाई करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि जल शक्ति विभाग के बांध सुरक्षा प्राधिकरण के तहत एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था और उसे दुर्घटना स्थल पर भेजा गया था।

उन्होंने कहा कि 24 और 25 अक्टूबर को बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने राज्य अधिकारियों से उन दो दिनों का विवरण मांगा। उन्होंने कहा कि बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की थी और इसे 1 अक्टूबर, 2023 को राज्य को भेजा था। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में कहा गया है कि परियोजना सर्वेक्षण, योजना, डिजाइनिंग, निर्माण, संचालन और रखरखाव सभी त्रुटिपूर्ण थे। बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने सुझाव दिया है कि बांध खतरनाक स्थिति में है और पानी खाली कर देना चाहिए।

तूपरान स्थित श्री आईजी वैदिक गुरुकुल निर्माणाधीन स्थल पर श्री आईजी बाल संस्कार केन्द्र के 15वें स्थापना दिवस समारोह पर प्रातः 5 बजे से 3 बजे तक योगाभ्यास, यज्ञनन्दजी महाराज द्वारा यज्ञ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथि व दान-दाताओं का सम्मान, पढाई सामग्री, यज्ञ विद्यार्थी उपहार वितरण सामग्री, नशा-मुक्ति व जीवनोपयोगी संकल्प, मातृ-पितृ पूजन, भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित संस्थापक देवाराम काग, अध्यक्ष मोहनलाल सोलंकी, सचिव बाबुलाल परिहार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

CLASSIFIEDS

होम ट्यूशन

हिन्दी ट्यूशन हेतु संपर्क करें
(CBSE/ICSE/SSC)
सभी कक्षाओं के लिए ONLINE/OFLINE
हिन्दी प्रतियोगी परीक्षा हेतु पता, सिकंदराबाद
फोन नंबर : 8367553230

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी सूची सं.: WAT-MaChr-007

1).लॉट नं./श्रेणी: MSS-WAT-VZM-MaChr-46-24-1 (Misc-Static-Services-Relaxation Chair)

विवरण : विजयनगरम रेलवे स्टेशन में विश्राम कुर्सी (Relaxation Chair) की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव।

2).लॉट नं./श्रेणी: MSS-WAT-VSKP-MaChr-45-24-1 (Misc-Static-Services-Relaxation Chair)

विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में विश्राम कुर्सी (Relaxation Chair) की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव।

लॉट प्रारंभ की तिथि व समय (सभी निविदा के लिए) : दिनांक 23.02.2024 को 1100 बजे, लॉट की अंतिम तिथि व समय : 23.02.2024 को 1130 बजे (क्रम सं.1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं. 2 हेतु)।

न्यूनतम बढ़ोतरी (सभी निविदा के लिए) : 0.2%, ट्रिप/दिन(सभी निविदा के लिए) : 1095 दिन

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-1084/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं.30245251, दिनांक :06.02.2024

कार्य का नाम : RDSO विनिर्देश सं.RDSO/SPN/TC/84/2008 के अनुसार 4 पोर्ट राउटर की आपूर्ति, सहायक उपकरण के साथ REV 0 : 2 बोर्ड GE पर, 4 पोर्ट सीरियल वान इंटरफेस कार्ड, 2E HWIC स्लॉट, 1 ISM स्लॉट, 256MB CF डीफॉल्ट, 512MB राम, IP बेस, 2 संख्यक V35 केबल, DTE मेक आवश्यक केबल एवं कनेक्शन के साथ स्मार्ट सीरियल 10 फीट लंबाइ। मेक-TECHROUTE/ TSR-2900-20 ROUTER +2X HIC-2TB MAKE : CISCO MODEL No.ISR 4221/K9 अथवा तत्समान, (मात्रा : 41 संख्यक)। TPI द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 07.03.2024 को 1500 बजे।

संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, वाल्टियर

PR-1082/O/23-24

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

पीयूबी/0134

प्रारूप 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

नीचे उल्लेखित खंड के पूर्ण हुए खंड पर स्थित रेलवे लाइंस एवं परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि :

विषय : सिकन्दराबाद डिवीजन - काजीपेट - विजयवाड़ा सेक्शन के बीच नई बीजी तीसरी लाइन का निर्माण - यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए पंदिल्लापल्ली (पीएनडीपी) एवं बोनकालु (बीकेएल) स्टेशनों के बीच किमी 492.450 से किमी 513.330 तक नई बीजी तीसरी लाइन को खोलना - के बारे में

दक्षिण मध्य रेलवे के यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए पंदिल्लापल्ली (पीएनडीपी) से बोनकालु (बीकेएल) स्टेशनों तक किमी 492.450 से किमी 513.330 तक एलओसी 492/सी4 (किमी / सीएच 492/175.65) से एलओसी 513/सी6 (किमी/सीएच 513/238.90) तक उपरोक्त खंड में 25000 वोल्ट, 50 एचजेड, ए.सी. सिरोपरी कर्षण वायरों को **25-02-2024 को या उसके बाद उर्जित किया जाएगा।** उस तिथि से सिरोपरी कर्षण लाइनें हर वक्त सजीव मानी जाएँगी और कथित सिरोपरी लाइन के नजदीक कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति न जाएगा एवं न ही कार्य करेगा।

प्रारूप 10-2
एसी 25 केवी कर्षण का आरंभ
"सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी"

नीचे उल्लेखित खंड में 25 केवी ए.सी. इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन को आरंभ करने के संबंध में जनसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि :

सेक्शन : सिकन्दराबाद डिवीज़न : काजीपेट - कोंडापल्ली सेक्शन के बीच नई बीजी तीसरी लाइन का निर्माण - यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए पंदिल्लापल्ली (पीएनडीपी) एवं बोनकालु (बीकेएल) स्टेशनों के बीच किमी 492.450 से किमी 513.330 तक नई बीजी तीसरी लाइन को खोलना।

अधिक उँचाई के लोड्स के सजीव कर्षण तार (**कॉन्टेक्ट वायर**) के संपर्क या खतरनाक सामीप्य में आने से रोकने के मद्देनजर **सभी लेवल क्रॉसिंगों पर हाईट गेजों को रोड लेवल से ऊपर अधिकतम 4.78 मीटर की स्पष्ट ऊँचाई पर स्थापित किया गया, जो कि लेवल क्रासिंगों पर रेल लेवल के ऊपर न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊँचाई पर होंगे।**

जनसाधारण को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों पर लोडिंग के उद्देश्य के लिए उपरोक्त विनिर्दिष्ट ऊँचाई का निरीक्षण करें और देखें कि किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों से ले जा रहे भार हाईट गेजों का उल्लंघन न करें।

लोड के अधिकतम ऊँचाई के खतरे इस प्रकार हैं:

i) हाईट गेज को खतरा और परिणामस्वरूप सड़क के साथ ही रेलवे लाइन को बाधा।

ii) ले जाये जा रहे उपकरण या सामग्रियों या स्वयं वाहन को खतरा।

iii) कंडक्टरों के संपर्क में आने या घातक समीपता के कारण जीवन को जोखिम और आग का खतरा।

डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, कंस्ट्रक्शन, विजयवाड़ा

A0160

कांग्रेस के इस फैसले के बाद रायबरेली से कौन होगा उम्मीदवार

दो दशक बात नए चेहरे पर दांव लगाएगी पार्टी?

रायबरेली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के साथ सीट बंटवारे और राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के संभावित उम्मीदवारों के नामों पर सोमवार को चर्चा की। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन के नाम संभावित उम्मीदवारों में सबसे प्रमुख हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी को राजस्थान या हिमाचल प्रदेश से उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना है।

संख्या बल के हिसाब से दोनों प्रदेशों से कांग्रेस को राज्यसभा की एक-एक सीट मिलेगी। सोनिया

गांधी के इस बार लोकसभा लड़ने की संभावना नहीं है। उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में कहा था कि यह आखिरी बार है, जब वह आम चुनाव लड़ रही हैं। अगर सोनिया गांधी को राज्यसभा चुनाव के लिये उम्मीदवार बनाया जाता है, तो उनके संसदीय जीवन में पहली बार होगा कि वह उच्च सदन में जाएंगी। सोनिया गांधी 1999 से लोकसभा सदस्य रही हैं। कांग्रेस ने 15 राज्यों की 56 सीट के लिए होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए अभी तक किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है और चुनाव 27 फरवरी को होंगे।

राजस्थान से घोषणा करने का आग्रह

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई बैठक में सोनिया गांधी, पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन और कुछ अन्य नेता शामिल थे। इस बीच, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीका राम जूली ने आलाकमान से राजस्थान से सोनिया गांधी की उम्मीदवारी की घोषणा करने का आग्रह किया। लेकिन अब अगर सोनिया गांधी राज्यसभा जाती हैं तो यूपी की रायबरेली सीट के लिए पार्टी को उम्मीदवार तलाशना होगा। दरअसल, सोनिया गांधी यूपी की रायबरेली सीट पर 2005 से लगातार सांसद हैं। ये सीट पार्टी का गढ़ रही है लेकिन बीते दो चुनावों के दौरान यहां हार जीत का अंतर लगातार कम होता चला गया है। इस वजह से दो दशक बाद अब सोनिया गांधी के राज्यसभा जाने के बाद पार्टी के लिए इस सीट पर चेहरा तलाशना काफी चुनौती भरा फैसला होने वाला है।

नीतीश कुमार के करीबी नेता जाएंगे राज्यसभा

बीजेपी पहले ही कर चुकी है 2 नामों पर ऐलान

पटना, 13 फरवरी (एजेंसियां)। जेडीयू ने हाल ही एनडीए का हाथ थाम लिया है। बीते दिन बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार फ्लोर टेस्ट में पास भी हो गए हैं। इस बीच खबर आ रही है कि जेडीयू से पूर्व मंत्री और नीतीश कुमार के करीबी संजय झा राज्यसभा जायेंगे। इससे पहले बीजेपी ने पहले ही राज्य से अपने दो उम्मीदवारों को राज्यसभा भेजने का ऐलान कर दिया है। बीजेपी ने अपने दो उम्मीदवार पूर्व मंत्री भीम सिंह और धर्मशीला गुप्ता के नाम का ऐलान कर दिया है। अब एनडीए के ये तीनों उम्मीदवार 14 फरवरी को नामांकन दाखिल करेंगे। विधानसभा के सचिव कक्ष में इन सभी उम्मीदवारो का नामांकन होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा समेत एनडीए के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे।

राज्यसभा की 6 सीटों पर चुनाव

जानकारी दे दें कि बिहार से राज्यसभा की 6 सीटों के लिए चुनाव हो रहा है। इसके लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 15 फरवरी है। विधायकों की संख्या के आधार पर बिहार की 6 में तीन-तीन राज्यसभा की सीटें एनडीए और महागठबंधन की झोली में जाएंगी। इनमें भाजपा की 2, राजद की 2 और जदयू की 1 सीट तय मानी जा रही है। वहीं, शेष एक पर अभी किसी की दावेदारी नहीं है।

'चौधरी चरण सिंह को'

अखिलेश यादव का छलका दर्द

बीजेपी को घेरते हुए किसानों के लिए कह दी दिल की बात

लखनऊ, 13 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि किसान आंदोलित है। भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में किसानों को सिर्फ छलने और धोखा देने का ही काम किया है। भाजपा जोर जबरदस्ती से उनकी आवाज कुचलने का इरादा कर रही है। 13 फरवरी को केंद्र सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने के लिए किसान दिल्ली जाना चाहते हैं, परंतु भाजपा सरकार उनको सुनना नहीं चाहती है। सरकार का आचरण लोकतंत्र विरोधी है। अखिलेश ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा का चरित्र भी कम विरोधाभासी नहीं है।

चौधरी चरण सिंह का किया जिक्र

एक ओर केंद्र सरकार ने किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा की। वहीं, दूसरी तरफ किसानों पर बल प्रयोग कर उन्हें उत्पीड़ित कर रही है। किसानों के नाम पर भाजपा की छल प्रपंच की राजनीति दो-मुंही नीति अस्वीकार्य है। किसान अपनी परेशानियों की चर्चा न कर सकें इसलिए दिल्ली की सीमा पर अवरोध खड़े किए जा रहे हैं। बार्डर सील कर सीमेंट के बैरिकेड लगा दिए गए हैं। किसानों के रास्ते में कीलें ठोक दी गई हैं। किसानों को अपनी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जाने से रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक और संविधान विरोधी है।

फौजी ने दूल्हे समेत 7 लोगों को मारी गोली

10-12 राउंड फायरिंग की. महिला की मौत 6 गंभीर; जमीनी विवाद में वारदात

गोंडा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। गोंडा से बड़ी खबर है। यहां फौजी ने 7 लोगों को गोली मार दी है। गोली लगने से महिला की मौत हो गई है, जबकि समेत 6 अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामला जमीनी विवाद से जुड़ा है। दरअसल, पड़ोसी के लड़के की आज बारात जानी थी। शादी समारोह की तैयारियां चल रही थीं। दूल्हे के घरवालों ने घर के पीछे तिरपाल घेरकर नहाने के लिए बनाया था। फौजी ने उसे हटाने के लिए कहा। इस पर उसका दूल्हे के घरवालों से झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि उसने पिस्टल निकाल ली।

इसके बाद ताबड़तोड़ 10 से 12 राउंड फायरिंग की। इसमें दूल्हे समेत 7 लोगों को गोली लग गई।

सभी को आनन-फानन स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। जहां एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद डॉक्टरों ने घायलों को गोंडा जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। वहां से 4 लोगों को लखनऊ रेफर कर दिया गया है। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी फौजी को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला छपिया थाना क्षेत्र के महुलीखोरी गांव के पांडेयपुरवा का है। यहां गांव के रहने वाले बाबूराम जायसवाल के घर आज लड़के अमनदीप (30) की शादी थी। समारोह में शामिल होने के लिए दूरदराज से मेहमान आए हुए थे। इनके नहाने के लिए बाबू राम जायसवाल ने घर के पीछे एक तिरपाल लगा करके नहाने के लिए बनाया था। एक-एक रिश्तेदार नहा रहे थे, तभी फौजी सीताराम उर्फ गब्बर आया है। उसने कहा कि यहां मत नहाओ। यह मेरी जमीन है। इसके साथ ही उसने तिरपाल हटाने को कहा। तभी दूल्हे के पिता बाबूराम जायसवाल आए गए। उनकी फौजी से कहासुनी हो गई। फिर गाली-गलौज और हाथापाई शुरू हो गई।

आईएएस अनिता आगरा विकास प्राधिकरण की वीसी बनीं, कई जिलों के एसडीएम भी बदले

लखनऊ, 13 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी में मंगलवार को दो आईएएस और सात पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। आईएएस अनिता को आगरा विकास प्राधिकरण का कुलपति (वीसी) नियुक्त किया गया है। अभी तक वह यूपी सीडा में एसीईओ के पद पर कार्यरत थीं। इसी तरह आगरा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष चर्चित गौड़ को एसीईओ यूपीसीडा के पद पर तैनाती दी गई है।

प्रदेश में सात पीसीएस अफसरों के भी तबादले किए गए हैं। पीसीएस निशात तिवारी उपजिलाधिकारी औरैया को ललितपुर का नया उपजिलाधिकारी बनाया गया है। पीसीएस प्रवीण कुमार उपजिलाधिकारी आगरा को उपजिलाधिकारी सुल्तानपुर बनाया गया है।

इसी तरह पीसीएस रमेश चन्द्र उपजिलाधिकारी को मिर्जापुर का नया उपजिलाधिकारी बनाया गया है। पीसीएस मकसूदन गुप्ता उपजिलाधिकारी लखनऊ को लखीमपुरखीरी का नया उपजिलाधिकारी बनाया गया। पीसीएस आलोक प्रताप सिंह उपजिलाधिकारी चित्रकूट को बलिया का नया उपजिलाधिकारी बनाया गया है। पीसीएस अभिमन्यु कुमार उपजिलाधिकारी ललितपुर को उपजिलाधिकारी हमीरपुर बनाया गया है। पीसीएस अशोक कुमार चौधरी की भी नियुक्ति उपजिलाधिकारी के पद पर हुई है।

यहां मोदी का राज नहीं है कि तुम मेरा कुछ कर लोगी

बहरीन से पति ने वीडियो कॉल पर दिया तीन तलाक

फतेहपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर की रहने वाली एक महिला ने ससुर पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। आरोप है कि ससुर ने अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ ऐसी हरकत की। विरोध करने पर जान से मारने की कोशिश की गई। इसकी जानकारी होने पर बहरीन में रह रहे पति ने पिता का विरोध करने पर व्हाट्सएप से वीडियो कॉल कर तलाक दे दिया। साथ ही बोला कि यहां मोदी का राज नहीं है कि तुम मेरा कुछ कर लोगी। इस मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पिता और बेटे पर दहेज उत्पीड़न, छेड़खानी के साथ अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयाप्रदा को कई महीनों से तलाश रही पुलिस

कोर्ट ने 7वीं बार जारी किया वारंट, अब 27 फरवरी को सुनवाई

रामपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड फिल्म स्टार जयाप्रदा को रामपुर पुलिस लंबे समय से तलाश रही है। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अभिनेत्री के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह 7वीं बार है, जब पुलिस ने एक्ट्रेस के खिलाफ वारंट जारी किया है। पुलिस उनकी तलाश प्रदेश के अलावा भी अन्य इलाकों में भी की जा चुकी है, लेकिन अब तक पुलिस को सफलता नहीं मिल पाई है।अभिनेत्री जयाप्रदा के खिलाफ रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में दो मामले चल रहे हैं। इनमें से एक कैमरी में और दूसरा केस थाना स्वार में चल रहा है। दोनों मामले लोकसभा चुनाव 2019 में आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े हुए हैं। इन मुकदमों में अदालत में मामले लंबित हैं,

क्योंकि जयाप्रदा कोर्ट में पेश नहीं हो रही हैं। उनके खिलाफ अब 7वीं बार एनबीडब्लू (गैर जमानती) वारंट जारी किए जा चुका है। इसके वाबजूद भी वह कोर्ट में हाजिर नहीं हो रही हैं। रामपुर कोर्ट ने एसपी को सख्त आदेश दिए हैं। आदेश में जयाप्रदा को तलाश कर उन्हें कोर्ट में पेश करने की बात कही गई है, लेकिन बीते कई महीनों से पुलिस को एक्ट्रेस की लोकेशन ही पता नहीं चल पा रही है। ऐसे में कोर्ट ने एक बार फिर एनबीडब्ल्यू जारी किया है। अब मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी।

जयाप्रदा पर आरोप

जया प्रदा पर साल 2019 के लोकसभा चुनाव में आरोप लगे। जयाप्रदा बीजेपी की टिकट पर रामपुर सीट से चुनाव लड़ रही थीं। इस दौरान उनके खिलाफ पहला मामला स्वार थाने में दर्ज हुआ। जिसमें आरोप है कि उन्होंने आचार संहित लागू होने के बावजूद नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन किया। इसके अलावा दूसरा मामला केमरी थाने का है। इसमें आरोप है कि जयाप्रदा ने पिपलिया मिश्र गांव में आयोजित जनसभा में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दोनों मामलों में रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

वैलेंटाइंस डे पर होनी थी शादी, दहेज में मांगी फॉर्च्युनर तो टूटा रिश्ता

ग्रेटर नोएडा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। मैट्रिमोनियल साइट के माध्यम से रिश्ता तय हुआ। रिंग सेरेमनी के बाद वैलेंटाइंस डे (14 फरवरी) के दिन शादी होनी थी। रिश्तेदारों को कार्ड बांट दिए गए थे। तैयारियां पूरी हो गई थीं। परिवार में खुशी का माहौल था। इसी बीच शादी से ठीक एक सप्ताह पहले दूल्हे की मां ने दहेज में फॉर्च्युनर गाड़ी की मांग रख दी। अचानक की गई मांग से परिवार परेशान हो गया। अब रिश्ता टूट गया है। लड़की पक्ष ने आरोपी दूल्हा, उसके माता-पिता, बहन और बहनोई पर मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। सेक्टर डेल्टा में रहने वाले एक परिवार ने पुलिस को बताया कि मैट्रिमोनियल साइट के माध्यम से गुड़गांव के रहने वाले युवक के साथ अपनी बेटी की शादी तय की थी। रिश्ता तय करते समय युवक हेमंत और उसके परिवार ने कहा कि वह कोई दहेज नहीं लेंगे। लड़की पक्ष की तरफ से रिश्ता तय कर रिंग सेरेमनी का कार्यक्रम किया गया, जिसमें काफी पैसा खर्च हुआ। 14 फरवरी वेलेंटाइंस डे के दिन शादी की तिथि निर्धारित हुई थी।

पूरा परिवार शादी की तैयारियों में जुट हुआ था। रिश्तेदारों को निमंत्रण भेजा जा चुका था। अचानक से हेमंत चौहान की मां मधु देवी ने लड़की पक्ष के सामने दहेज की मांग रख दी। मधु चौहान ने कहा कि उनके 10 और रिश्तेदारों को सोने की अंगूठियां देने होंगी।

आरओ/एआरओ पेपर लीक मामले की जांच करेगी एसटीएफ, आंतरिक कमेटी भी गठित

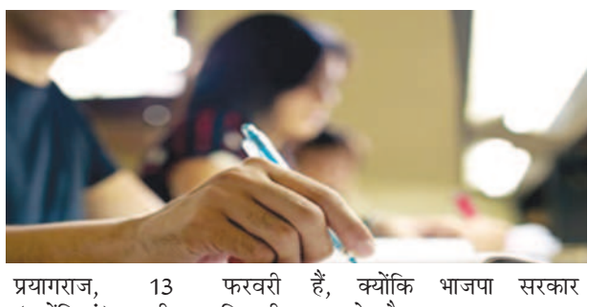

प्रयागराज, 13 फरवरी (एजेंसियां)। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/ सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) की रविवार को हुई प्री परीक्षा का पेपर लीक होने का आरोप लगने पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने इसकी जांच स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को सौंपी है। आयोग ने एक आंतरिक कमेटी का भी गठन किया है। परीक्षा के लिए 58 जिलों में 2387 केंद्र बनाए गए थे। इसमें 10,76,004 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 64 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

पहली पाली की परीक्षा के दौरान इंटरनेट मीडिया पर उत्तर कुंजी वायरल हो गई थी। इसके अलावा गाजीपुर के एक केंद्र पर पेपर लीक होने का आरोप लगाते हुए परीक्षार्थियों ने हंगामा किया था, जिसका वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर साझा किया। इसे आम आदमी पार्टी ने भी एक्स पर साझा कर लिखा कि उत्तर प्रदेश में सभी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होते हैं, क्योंकि भाजपा सरकार कमजोर है।

छात्र नेता ने किया प्रदर्शन

आयोग के बाहर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र नेता हरेंद्र कुमार के नेतृत्व में कई प्रतिभागियों ने प्रदर्शन भी किया। कहा कि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। आरओ/एआरओ पेपर लीक हैश टैग एक्स पर दिनभर ट्रेंड करता रहा। गाजीपुर का वीडियो भी एक्स पर खूब देखा गया। मामला बढ़ता देख यूपीपीएससी ने जांच कराने का निर्णय लिया है। आयोग ने शुचितापूर्ण परीक्षा कराने के लिए इस बार कड़ी व्यवस्था की थी। सभी जिलों में आयोग से पर्यवेक्षक भेजे थे। केंद्रों की निगरानी के लिए सीसीटीवी लगाए गए थे। इसके बावजूद ऐसे आरोप लगे हैं।

सचिव अशोक कुमार ने बताया कि सभी बिंदुओं पर एसटीएफ से जांच कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए शासन से अनुशंसा की गई है। आयोग की आंतरिक कमेटी ने भी इसकी जांच शुरू कर दी है।

आगरा में कब कम होगी सर्दी? 5 दिन रहेगा ऐसा मौसम

आगरा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की ताज सिटी आगरा में आज लोगों को ठंड से राहत मिलती नहीं नजर आ रही है। आगरा में आज सुबह की शुरूआत हल्के कोहरे और धुंध के साथ हुई। इस दौरान विजिबिलिटी 50 मीटर के आस-पास दर्ज की गई। सुबह के समय यहां 15 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल रही थी। मौसम विभाग के मुताबिक , आज आगरा का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। सुबह के समय हल्के कोहरे और ठंडी हवाएं चलने से लोगों को सर्दी का सामना करना पड़ा। विभाग के मुताबिक आज आगरा में पूरे दिन बादल छाए रह सकते हैं। साथ ही ठंडी हवाएं चलने के भी आसार हैं। देर शाम बूंदा-बांदी हो सकती है, जिसके बाद लोगों को ठंड का सामना करना पड़ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो आने वाले 5 दिन में मौसम के तापमान में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान बढ़कर 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। साथ ही न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हालांकि 18 फरवरी के बाद शहर का तापमान पलटी मार सकता है।

बारिश की संभावना

14 से 17 फरवरी तक मौसम साफ रहने की संभावना है। इस दौरान धूप निकलने के भी आसार हैं। सुबह और शाम के समय कोहरे और धुंध की चादर देखने को मिल सकती है। वहीं, 18 फरवरी को बारिश की संभावना है। साथ ही ठंडी हवाएं चल सकती है, जिसके बाद लोगों को सर्दी का सामना करना पड़ सकता है। 19 फरवरी से मौसम के तापमान में बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

मथुरा में कैसा है आज मौसम?

वहीं आगरा से सटे मथुरा में आज बादल छाए रहने की संभावना है। आज मथुरा शहार का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। साथ ही न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। दिन भर ठंडी हवाएं चलने के आसार हैं। देर शाम बूंदा-बांदी भी देखने को मिल सकती है।

अलीगढ़ जिले का मौसम

इसके अलावा अलीगढ़ के लोगों को भी आज बारिश का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज अलीगढ़ का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता हैं। दिन में बूंदा-बांदी के आसार हैं।

छात्रा से रेप कांड के आरोपी एएसपी राहुल श्रीवास्तव सस्पेंड, विभागीय जांच के आदेश

लखनऊ, 13 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया है। लखनऊ में रेप के आरोपी एडिशनल एसपी राहुल श्रीवास्तव सस्पेंड कर दिए गए हैं। राहुल श्रीवास्तव के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। गोमतीनगर थाने में एएसपी राहुल श्रीवास्तव पर रेप और गर्भपात कराने का केस दर्ज कराया गया था। पीड़िता छात्रा की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में एएसपी राहुल श्रीवास्तव पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। छात्रा सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी कर रही थी। उसकी पहचान एएसपी से हुई। उसने आरोप लगाया कि राहुल श्रीवास्तव ने उसे होटल में ले जाकर नशीला पदार्थ खिलाया। इसके बाद रेप की घटना को अंजाम दिया। लड़की ने इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ और यूपी डीजीपी को शिकायत दर्ज कराई थी। पूर्व डीजीपी विजय कुमार की सिफारिश पर अब एएसपी के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

मौलाना तौकीर पर भाजपा नेता राजेश अग्रवाल का पलटवार

कहा- जल्द होगी बड़ी कार्रवाई 'चुनाव से पहले हमेशा होता है बवाल कराने का प्रयास

बरेली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। शहर में धर्म को आधार बनाकर दो संप्रदायों को लड़ाने का प्रयास किया गया। अक्सर चुनाव पास आते ही इस प्रकार से शहर का माहौल खराब करने का प्रयास किया जाता है। मौलाना तौकीर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के लिए अपमानजनक शब्द बोलते हैं। उन्हें संविधान पर भरोसा है न न्याय पालिका पर। वह युवाओं को बरगलाने का काम कर रहे हैं। पूरे मामले की रिपोर्ट हाईकमान तक भेज दी है। जल्द कार्रवाई की उम्मीद है। सिविल लाइंस स्थित कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने यह बातें पत्रकार वार्ता में कहीं। उन्होंने कहा कि शहर में नौ फरवरी को हुई घटना निंदनीय है। बोले, तौकीर रजा माहौल बिगाड़ने का प्रयास करते हैं। देश का बहुसंख्यक समाज सहिष्णु है। वह संविधान व न्याय प्रणाली पर आस्था रखता है, इसलिए कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है। भाजपा नेता राजेश अग्रवाल ने शहर के लोगों से अपील है कि वह अफवाहों पर ध्यान नहीं दे। धैर्य बनाकर रखें। प्रेसवार्ता के दौरान मीडिया प्रभारी बंटी ठाकुर, मनीष अग्रवाल, उमेश कठेरिया आदि मौजूद रहे।

दस जिला अध्यक्षों को किया पदमुक्त

इत्तेहाद ए मिल्लत कौंसिल (आइएमसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खान के जेल भरो अभियान में सक्रियता न बरतने वाले पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रदेश संगठन प्रभारी नदीम कुरैशी ने आइएमसी के 10 जिलाध्यक्षों को पदमुक्त कर दिया है। आइएमसी ने शुक्रवार को जेल भरो अभियान शुरू करने का आह्वान किया था। इसमें बरेली में गिरफ्तारी देने के साथ ही अन्य जिलों में गिरफ्तारी देने का नोटिस देने के लिए कहा गया था, जिससे आगामी दिनों में इस अभियान को जारी रखा जा सके। इस मामले में प्रदेश के 10 जिलाध्यक्ष निष्क्रिय रहे। इस पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई।

प्रदेश संगठन मंत्री की ओर से की गई कार्रवाई के बारे में मीडिया प्रभारी मुनीर इदरीसी ने विस्तार से जानकारी दी।

ईडी के रडार पर रियल एस्टेट कंपनी शाइन सिटी के अधिकारी, फरार है इनामी राशिद नसीम

प्रयागराज, 13 फरवरी (एजेंसियां)। अरबों रुपये की ठगी करने वाली रियल एस्टेट कंपनी शाइन सिटी के खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच का दायरा बढ़ गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम को अब तक की छानबीन में कई अहम साक्ष्य मिले हैं, जिसके आधार पर कंपनी से जुड़े कई अधिकारी व कर्मचारी रडार पर आ गए हैं। अब उन सबके विरुद्ध प्रमाणिक साक्ष्य संकलित कर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है। सूत्रों का कहना है कि कंपनी का सीएमडी पांच लाख का इनामी राशिद नसीम भले ही फरार चल रहा है लेकिन उससे जुड़े तमाम शख्स की कारस्तानी दस्तावेजों से मिले हैं। जांच में यह भी पता चला है कि सीएमडी और एमडी अपने अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों के जरिए जमीन की रजिस्ट्री करवाने का काम करते थे। अलग-अलग बैंक खातों में पैसा डलवाते थे और कुछ को प्रलोभन देकर बड़ी रकम ऐंठ लेते थे। राशिद के भाई ने अपने बयान में कुछ लोगों का नाम लिया था, जिनकी भूमिका की छानबीन की गई थी। पूरे प्रदेश में कंपनी के कई डायरेक्टर के खिलाफ भी धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है,

बवाना स्टेडियम को अस्थाई जेल बनाने की मांग को दिल्ली सरकार ने ठुकराया, कहा- किसानों की मांगें सही

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। अपनी मांगों को लेकर हरियाणा, पंजाब और यूपी के हजारों किसान आज दिल्ली पहुंचने लगे हैं। किसानों के 'दिल्ली चलो' विरोध मार्च को देखते हुए केंद्र सरकार ने बॉर्डरों पर सुरक्षा बढ़ा दी है। साथ ही, केंद्र सरकार ने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के सामने बवाना स्टेडियम को अस्थायी जेल बनाने का प्रस्ताव रखा था। केंद्र सरकार के इस प्रस्ताव को अरविंद केजरीवाल सरकार ने ठुकरा दिया है। दिल्ली सरकार के गृह मंत्री कैलाश गहलोत ने बताया कि किसानों के आज दिल्ली कूच के मद्देनजर बवाना स्टेडियम को अस्थाई जेल बनाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को दिल्ली सरकार ने खारिज कर दिया है। कैलाश गहलोत ने कहा कि किसानों की मांगें जायज हैं और शांतिपूर्ण विरोध करना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। इसलिए किसानों को गिरफ्तार करना गलत है। उन्होंने कहा कि किसान हमारे 'अन्नदाता' हैं। केंद्र सरकार को उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहिए और उनके मुद्दों का समाधान करना चाहिए। इतना ही नहीं, आम आदमी पार्टी के ऑफिशियल एक्स हैंडल से एक वीडियो भी शेयर किया गया है। साथ ही लिखा हैं कि, मोदी की देश के अन्नदाताओं से नफ़रत का सबसे बड़ा प्रमाण है कि किसानों को दिल्ली में एंट्री करने से रोकने के लिए कीलों वाली बैरिकेडिंग हाईवे पर लगा दी गई है। जो अन्नदाता किसान देश का पेट भरने के लिए ज़मीन पर फसल उगाते हैं, पीएम मोदी ने उन्हीं किसानों को रोकने के लिए रास्ते में कीलों का जाल बिछाया है। आप ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा देश के अन्नदाता किसानों को रोकने के लिए जितनी ताक़त लगाई जा रही है, उससे कम ताक़त में तो एमएसपी क़ानून बन सकता है। लेकिन नीयत हो तब ना। आपको बता दें कि फसलों के लिए एमएसपी की गारंटी वाला कानून बनाने की मांग को लेकर हरियाणा, पंजाब और यूपी के किसान दिल्ली की तरफ बढ़ रहे है। किसानों के विरोध मार्च को देखते हुए आईटीओ चौराहे पर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात है। साथ ही, सीआरपीएफ की धारा 144 लागू की गई है। तो वहीं, कुरुक्षेत्र में किसान आंदोलन के मद्देनजर सीमा पर सीआरपी और हरियाणा पुलिस बल तैनात की गई है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पनपथा बफर जोन में तीन बच्चों के साथ दिखाई दी बरुहली बाघिन

उमरिया, 13 फरवरी (एजेंसियां)। उमरिया जिले की बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र के पनपथा बफर जोन में बरुहली बाघिन अपने तीन शावकों के साथ दिखाई दी। बाघिन और उसके बच्चों के अचानक सामने आने से पर्यटक भी खबरा गए। हालांकि उन्होंने बाघिन को उसके बच्चों के साथ कैमरे में कैद कर लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। बता दें कि मध्य प्रदेश बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र की वजह से उमरिया जिले की पहचान भी बड़ी है। यहां बाघों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। बड़ी संख्या में पर्यटक यहां बाघों को देखने के लिए आते हैं।

'छात्रों को ना हो परेशानी' राहुल गांधी ने यूपी बोर्ड एग्जाम पर लिया ऐसा फैसला, आप भी करेंगे तारीफ

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में निकाली जा रही 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का उत्तर प्रदेश में रहने का समय बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए घटा दिया गया है। अब यह यात्रा 11 दिन के बजाय छह दिन ही उत्तर प्रदेश में रहेगी। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में बताया कि राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की बोर्ड परीक्षाओं और छात्र-छात्राओं के हितों को देखते हुए राज्य में अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का समय घटा दिया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में पहले यह यात्रा 16 फरवरी से 26 फरवरी तक होनी थी लेकिन आगामी 22 फरवरी को शुरू हो रही उत्तर प्रदेश बोर्ड की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अब यह 21 फरवरी तक ही इस राज्य में रहेगी। उन्होंने कहा, 'संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए राहुल गांधी ने कई मौकों पर जनहित को प्राथमिकता पर रखा। वह इससे पहले भी कोरोना काल में लोगों की परवाह करते हुए बंगाल में अपनी रैलियां निरस्त कर चुके हैं।'

20 फरवरी को यात्रा पहुंचेगी मध्य प्रदेश, लखनऊ और अमेठी का ये है समय

अवस्थी ने बताया कि 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आगामी 16 फरवरी को वाराणसी से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी और भदोही, प्रयागराज और प्रतापगढ़ के रास्ते 19 फरवरी को अमेठी पहुंचेगी। राहुल अमेठी लोकसभा क्षेत्र के गौरीगंज में जनसभा को संबोधित करेंगें। उन्होंने बताया कि यात्रा 20 फरवरी को रायबरेली और लखनऊ पंहुचेगी। लखनऊ में रात्रि विश्राम होगा। अगले दिन यह यात्रा उन्नाव पहुंचेगी और उन्नाव शहर एवं शुक्लागंज होते हुए कानपुर में प्रवेश करेगी। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि यात्रा कानपुर से हमीरपुर होते हुए झांसी पहुंचकर उसी दिन मध्य प्रदेश में दाखिल हो जाएगी।

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी का कांग्रेस पर हमला

किया ये बड़ा दावा, अशोक चव्हाण के इस्तीफे पर भी बोले

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। अशोक चव्हाण के इस्तीफे पर अब कांग्रेस पार्टी छोड़ चुके बाबा सिद्दीकी का बड़ा बयान सामने आया है। कुछ दिन पहले ही सिद्दीकी ने कांग्रेस से अपना सफर खत्म कर अजित पवार गुट की एनसीपी में शामिल हुए हैं। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने पर एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी ने कहा, "अशोक चव्हाण ने मुझे फोन किया और मैंने उनसे कहा कि हम आगे चलकर जल्द ही मिलने वाले हैं।
और भी लोग जाने वाले हैं क्योंकि जब इंसान को घुटन महसूस होती है तो वह रास्ता ढूंढने की कोशिश करता है।
यह कांग्रेस के लिए एक चेतावनी है लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे जागने वाले हैं। वे भ्रम में जी रहे हैं। कोई तो कारण होगा कि लोग कांग्रेस छोड़ रहे हैं।

कौन सी बहू सुंदर, उम्र किसकी कम? उठा ले जाते और रेप करते टीएमसी के गुंडे, स्मृति ईरानी का ममता पर बडा हमला

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग घर-घर जाकर देखते थे कि किस घर की कौन सी बहू सुंदर है? उम्र में कौन कम है? जिन औरतों को आइडेंटिफाई किया जाता उनके पतियों से कहा जाता कि तुम इनके पति हो सकते हो लेकिन अब तुम्हारा इन पर कोई अधिकार नहीं है। औरतों को उठाकर ले जाते और रात दर रात जब तक टीएमसी के गुंडों का मन नहीं भरता तब तक उनको रिहा नहीं किया जाता था। इसके लिए खासतौर पर टीएमसी के गुंडे हिंदू परिवारों को टारगेट करते थे। बीजेपी के राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यह आरोप लगाए। स्मृति ईरानी ने दावा करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में कुछ महिलाओं ने बांग्ला में अपनी व्यथा को मीडिया के सामने रखा है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में कुछ महिलाओं की ओर से सामने आकर मीडिया को अपनी व्यथा बताने का जिक्र करते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल पूछा कि पश्चिम बंगाल में कब तक टीएमसी की राज्य प्रायोजित हिंसा से हिंदुओं की बलि चढ़ती रहेगी और हिंदू महिलाओं का बलात्कार होता रहेगा।

टीएमसी सुप्रीमो पर बड़ा हमला

तृणमूल कांग्रेस के नेता शेख शाहजहां पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा कि यह शेख शाहजहां वहीं है, जिसके गुंडों ने ईडी अधिकारियों का घेराव कर उन पर ईंट-पत्थर फेंककर उन्हें घायल कर दिया था। टीएमसी सुप्रीमो पर बड़ा हमला बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि ममता बंदोपाध्याय (ममता बनर्जी) ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए एससी, एसटी, मछुआरों और कृषक समुदायों की महिलाओं की गरिमा का सौदा किया है।

मिर्ची बाबा ने समाजवादी पार्टी छोड़ा कहा- हिंदू विरोधी पार्टी है सपा

भोपाल, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पंचायती निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज उर्फ मिर्ची बाबा ने समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, ये बताया जा रहा है कि मिर्ची बाब जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि, सपा में आने से पहले मिर्ची बाबा कांग्रेस समर्थक हुआ करते थे। मिर्ची बाबा ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को अपना इस्तीफा भेजा। उन्होंने अपने इस्तीफा पत्र में लिखा- ₹मैं समाजवादी पार्टी की सर्व-धर्म की विचारधारा के साथ जुड़ा था लेकिन देखने में आ रहा है कि समाजवादी पार्टी अब अपनी मूल धारा से भटक कर एक वर्ग विशेष तक सीमित हो कर रह गई है। इतना ही नहीं सम्पूर्ण हिंदुत्व की आस्था का केंद्र प्रभु श्रीराम की मूर्ति स्थापना में भी शामिल न होकर अपनी हिंदुत्व विरोधी विचारधारा को प्रमाणित किया। पार्टी के इस कृत्य से मेरा मन बहुत आहत हुआ है। इस कारण मैं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। समाजवादी पार्टी को अलविदा कहने के बाद अब आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महराज के भाजपा में जाने की संभावना बढ़ गई है। उनके इस कदम से भाजपा में शामिल होने की अटकलों को और भी बल मिल गया है। हाल ही में पूर्व गृह मंत्री डॉ। नरोत्तम मिश्रा से उनके निवास पर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महराज ने मुलाकात की।

रास चुनाव: सपा ने बनाया रामजीलाल, जया बच्चन और आलोक रंजन को उम्मीदवार

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने राज्यसभा चुनाव के लिए पूर्व सांसद रामजीलाल सुमन, जया बच्चन और पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक रंजन को उम्मीदवार बनाया है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने मंगलवार को बताया कि पार्टी ने पूर्व सांसद रामजीलाल सुमन, जया बच्चन और पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक रंजन को आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने बताया कि यह सभी उम्मीदवार नामांकन दाखिल करेंगे। रामजीलाल सुमन पूर्व सांसद हैं और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी सहयोगियों में शुमार किए जाते हैं। जया बच्चन अभिनेता अमिताभ बच्चन की पत्नी हैं। पार्टी वर्ष 2004 से ही उन्हें राज्यसभा भेजती रही है। पूर्व आईएएस अधिकारी आलोक रंजन समाजवादी पार्टी के पिछले कार्यकाल में प्रदेश के मुख्य सचिव थे और अधिकारी वर्ग में उनकी खासी पकड़ मानी जाती है। चौधरी ने एक सवाल पर कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जाने से राज्यसभा चुनाव के नतीजे पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सपा गठबंधन के पास इतना संख्याबल है कि वह अपने तीनों उम्मीदवारों को जिता सकती है।
सपा के वर्तमान में राज्यसभा में तीन सदस्य राम गोपाल यादव, जावेद अली खान और जया बच्चन हैं। समाजवादी पार्टी के पास 108 विधायक हैं और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में उसकी सहयोगी कांग्रेस के पास दो विधायक हैं। एक उम्मीदवार को राज्यसभा में सीट सुरक्षित करने के लिए 37 प्रथम वरीयता वोटों की आवश्यकता होगी और इस तरह सपा तीन सदस्यों को राज्यसभा में भेज सकती है। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। मतदान 27 फरवरी को होगा और नतीजे उसी दिन घोषित किए जाएंगे।

पश्चिम बंगाल में ईडी का एक्शन

राशन वितरण घोटाला मामले में 6 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी

कोलकाता, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी बंगाल में एक बार फिर से ईडी ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सुबह-सुबह ईडी की टीम ने एक्शन लेते हुए छापेमारी शुरू की। खबर है कि ईडी करीब 6 से ज्यादा लोकेशन पर छापेमारी कर रही है। ये छापेमारी पीडीएस यानी राशन घोटाले में मनी एक्सचेंजर के ठिकानों पर की जा रही है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम करीब 8 से 10 टीमें छापेमारी कर रही है। राशन वितरण घोटाला मामले में पिछले महीने जनवरी में ईडी की टीम ने कई जगहों पर छापेमारी की थी। जानकारी के मुताबिक राशन घोटाला के आरोपियों का हवाला कारोबारियों के साथ कनेक्शन सामने आया है, जिसमें इंडियन करेंसी को विदेशी करेंसी में बदलकर बाहर भेजा गया है। आपको बता दें कि ईडी की टीम लगातार राशन घोटाले की जांच कर रही है। इससे पहले भी टीम ने तमाम जगहों पर छापेमारी कर कई लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें पश्चिमी बंगाल के मंत्री और टीएमसी नेता समेत अन्य लोग शामिल हैं। इन लोगों से पूछताछ में कई और लोगों के नाम भी सामने आए है, जिनके खिलाफ ईडी कार्रवाई कर रही है। वहीं पश्चिम बंगाल में राशन वितरण घोटाले के मामले में ईडी ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ समन जारी किया है। जिसके बाद शाहजहां ने अपने वकील के जरिए सीबीआई कोर्ट में जमानत देने का अनुरोध किया है। गौरतलब है कि जनवरी में उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में ईडी अधिकारी शेख के घर पर छापेमारी करने गए थे। इस दौरान भीड़ ने उन पर हमला कर दिया था जिसमें तीन अधिकारी गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। शाहजहां फिलहाल फरार चल रहे हैं। उनकी जमानत पर सीबीआई की विशेष कोर्ट 23 फरवरी को सुनवाई करेगी।

सेंथिल बालाजी ने तमिलनाडु के मंत्री पद से दिया इस्तीफा

मनी लॉन्ड्रिंग केस में 8 महीने पहले हुई थी गिरफ्तारी

चेन्नई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। आखिरकार सेंथिल बाला जी ने कैबिनेट मंत्री के से इस्तीफा दे दिया। मनी लॉन्ड्रिंग केस में 8 महीने पहले ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया गया था। बालाजी ने तमिलनाडु के राज्यपाल को अपना इस्तीफा भेजा है। इससे पहले तमिलनाडु की एक सत्र अदालत ने बुधवार को मंत्री वी सेंथिल बालाजी की रिमांड 15 फरवरी तक बढ़ा दी थी। अभियोजन पक्ष ने सेंथिल बालाजी को यहां केंद्रीय कारागार से वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधान सत्र न्यायाधीश की अदालत में पेश किया था। मूल रूप से, न्यायाधीश ने 11 जनवरी को सेंथिल बालाजी के खिलाफ आरोप तय करने के लिए मामले को आगे बढ़ा दिया था। हालांकि, जब उस दिन मामला सुनवाई के लिए आया, तो बालाजी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एस प्रभाकरन ने अदालत को सूचित किया कि बालाजी ने मुकदमे को स्थगित करने के लिए एक याचिका दायर की है। विशेष लोक अभियोजक एन रमेश द्वारा जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए समय मांगने के बाद न्यायाधीश ने मामले को 29 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया।

कैश फॉर जॉब मामले में 14 जून को हुई थी गिरफ्तारी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपना जवाबी हलफनामा दायर करने के बाद मामले को फिर से स्थगित कर दिया गया और उनकी रिमांड सात फरवरी तक बढ़ा दी गई। इस बीच, न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद मामले की सुनवाई स्थगित करने के लिए बालाजी की ओर से दायर याचिका पर आदेश 15 फरवरी तक के लिए सुरक्षित रख लिया। ईडी ने कैश फॉर जॉब से जुड़े एक एक मामले में 14 जून को गिरफ्तार किया था। यह मामला पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार के समय का है जब बालाजी परिवहन मंत्री थे। गिरफ्तारी के ठीक बाद, एक निजी अस्पताल में बालाजी की बाईपास सर्जरी की गई थी। अदालत द्वारा समय-समय पर रिमांड बढ़ाई जाती रही। अगस्त में ईडी ने बालाजी के खिलाफ 3000 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था। मद्रास हाईकोर्ट ने 19 अक्टूबर को बालाजी द्वारा दायर जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उनकी पिछली जमानत याचिकाएं प्रधान सत्र न्यायाधीश द्वारा दो बार खारिज कर दी गई थीं।

नेता-अधिकारी विवाद

निगम कमिश्नर के खिलाफ उतरे महापौर परिषद के सदस्य, कैलाश विजयवर्गीय को लिखा पत्र

इंदौर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर नगर निगम कमिश्नर हर्षिका सिंह के खिलाफ महापौर परिषद के सदस्यों ने पत्र लिखा है। उन्होंने कैलाश विजयवर्गीय को पत्र लिखकर निगम कमिश्नर के फैसले की आलोचना की है और फैसला वापस लेने की अपील की है। सराफा चाट चौपाटी के संचालन के लिए निगमायुक्त द्वारा गठित समिति कामकाज शुरू करने से पहले ही विवाद में पड़ गई। महापौर परिषद के सदस्य और राजस्व विभाग प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने समिति का विरोध करते हुए नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को पत्र लिखा है। इंदौर की सराफा चाट चौपाटी दुनियाभर में लोकप्रिय है। यह रात में लगती है और इसके संचालन और सुरक्षा के लिए हर्षिता सिंह ने सात सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति में महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर, अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन, राकेश जैन, पार्षद मीता राठौर, भवन अधिकारी अनूप गोयल, फायर अधिकारी विनोद मिश्रा और सहायक यंत्री वैभव देवलासे को शामिल किया गया था। अब महापौर परिषद के सदस्य इस समिति के विरोध में उतर आए हैं। सदस्यों का कहना है कि निगमायुक्त को समिति गठित करने का अधिकार ही नहीं है। उन्होंने महापौर परिषद के अधिकारों का उल्लंघन कर समिति को गठित किया है।

'मोदी सरकार ने हठ का रवैया अपनाया'

किसान आंदोलन के बीच सरकार पर भड़के सत्यपाल मलिक

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। देशभर की विभिन्न किसान संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले किसान नेताओं और केंद्र सरकार के बीच देर रात हुई बैठक मामलों को सुलझाने में विफल रही। इसके बाद किसानों ने घोषणा की कि वे विरोध प्रदर्शन करने के लिए मंगलवार सुबह 10 बजे राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करने की अपनी योजना पर कायम हैं। इसी बीच पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने बड़ा बयान दिया है। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया के जरिए पोस्ट कर लिखा, 'तानाशाही मोदी सरकार ने हठ का रवैया अपनाया हुआ है ओर किसानों की जायज़ मांगों को मानने से इंकार कर दिया है। जिससे दुःखी किसान आज़ फिर से किसान आंदोलन के जरिए अपनी मांगों को मनवाने के लिए दिल्ली आ रहे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि प्रकृति अपने धरती पुत्रों को हिम्मत दे, बल दे, ऊर्जा दे और सबको सुरक्षित रखें।'
इससे पहले केंद्र सरकार के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने किया और इसमें कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल थे, जबकि पंजाब के मंत्री कुलदीप धालीवाल और राज्य सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक, बातचीत थोड़ी आगे बढ़कर थम गई, क्योंकि किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी लेने पर अड़े हुए हैं। जबकि केंद्र ने पहले ही उन्हें आश्वासन दिया है कि उनकी कुछ मांगें पूरी की जाएंगी।
सूत्रों का कहना है कि किसान नेता तब तक पीछे हटने को तैयार नहीं हैं, जब तक कि कर्ज माफी और एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी नहीं मिल जाती। प्रदर्शनकारियों और राशन से लदे ट्रैक्टरों के साथ हजारों किसानों के काफिले पंजाब और हरियाणा की सड़कों पर हैं, जो दिल्ली की ओर जाने के लिए तैयार हैं। हरियाणा पुलिस ने चारों प्रवेश मार्गों को सील कर दिया है। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए सिंघू, गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

शाह बानो केस का फिर जागा जिन्न

क्या राजीव सरकार के कानून पर चलेगी कैंची? मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ते पर एससी का बड़ा कदम

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक बार फिर से शाह बानो मामले की गूंज उठी। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में सवाल उठा कि क्या कोई मुस्लिम महिला तलाक के बाद अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है? सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने पूछा कि क्या कोई मुस्लिम महिला अपने तलाकशुदा पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार होगी, जैसा कि शाह बानो केस के फैसले में कहा गया था या फिर तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा पारित मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 के बाद वह आदेश रद्द हो गया?
लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट मोहम्मद अब्दुल समद नाम के एक शख्स की अपील पर सुनवाई कर रही थी। अब्दुल समद को तेलंगाना की पारिवारिक अदालत ने अपनी पूर्व पत्नी को 20,000 रुपये मासिक गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। महिला ने सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पारिवारिक अदालत में याचिका दायर कर कहा था कि समद ने उसे तीन तलाक दिया है। निचली अदालत के आदेश के खिलाफ समद ने हाईकोर्ट में अपील की, जिसने 13 दिसंबर, 2023 को याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि उन्हें अंतरिम रखरखाव के रूप में हर महीने 10,000 रुपये देने का निर्देश दिया।
अब्दुल समद ने फिर हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि हाईकोर्ट इस बात को समझने में विफल रहा है कि सीआरपीसी की धारा-124 एक सामान्य अधिनियम है, जबकि 1986 वाला कानून विशेष अधिनियम की श्रेणी में आता है। ऐसे में 1986 वाला अधिनियम यहां सीआरपीसी की धारा के मुकाबले ज्यादा मांग होगी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस मामले में तमाम दलीलें सुनने के बाद वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल को न्याय मित्र नियुक्त किया है। अदालत ने कहा कि वह इस सवाल पर न्याय मित्र की तरफ से राय मिलने के बाद ही विचार करेगा। सुप्रीम कोर्ट अब 19 फरवरी को इस मामले की अगली सुनवाई करेगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 14 फरवरी - 2024

नीतीश के हाथ लगी बाजी

बिहार में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच नीतीश कुमार ने जिस तरह से सत्ता की बाजी जीती है उसे बिहार के लोग लंबे समय तक याद रखेंगे। उनकी इस जीत के साथ ही बिहार में सत्ता का संग्राम अब फिर अपने नए मुकाम पर पहुंच चुका है। विधानसभा में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राजग ने आसानी से विश्वास मत हासिल कर लिया। एक सौ उनतीस विधायकों ने उनके पक्ष में मत दिया, तो विपक्ष ने मतदान में हिस्सा ही नहीं लिया। इस तरह नीतीश कुमार अब फिर से भाजपा और अन्य सहयोगी दलों की मदद से नई सरकार चलाने का जिम्मा उठा लिए हैं। लेकिन बिहार की राजनीति में सत्ता को लेकर जिस तरह से उठापटक व खींचतान का संघर्ष चला, उसने जाहिर कर दिया कि राजनीति में अब सिद्धांत और नैतिकता की अहमियत पुराने जमाने की बात हो गई है। सिद्धांत व नैतिकता का पाठ सिर्फ किताबों वे कहानियों में ही अच्छी लगती हैं, राजनीति की धरातल पर नहीं। बता दें कि लगभग सत्रह महीने से नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल के साथ बने गठबंधन की सरकार चला रहे थे। अचानक 26 जनवरी को सर्वहारा वर्ग के नेता एवं बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर के भारतरत्न दिए जाने के बाद से अचानक सबकुछ बदल गया। नीतीश कुमार को लगा कि अब पुराने सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के साथ जाने में ही ज्यादा भलाई है तो उन्होंने अचानक राजनीतिक करवट ले लिया। विधायकों की संख्या के समीकरण के मुताबिक भाजपा और राजग में शामिल अन्य दलों के सहयोग से उन्हें विधानसभा में नई सरकार चलाने के लिए पर्याप्त बहुमत मिल गया है। वहीं टक्कर देने की गुंजाइश समाप्त हो जाने के बाद राजद और उसके सहयोगी दलों ने विश्वासमत में हिस्सा न लेना ही बेहतर समझा। अंतिम क्षण तक किला लडा रहे राजद नेता तेजस्वी यादव को अंदाजा हो गया था कि उनके पास सरकार पलटने के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं है। इसलिए लगे हाथों उन्होंने नीतीश कुमार के बार-बार पाला बदलने और सैद्धांतिक अस्थिरता को मुद्दा उठा कर खूब तालियां बटोर ली। इसके जवाब में नीतीश ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के रुख को भी जमकर कोसा। सवाल है कि राजनीति की बिसात पर सत्ता के दांवपेच में उलझे नेताओं और दलों की बदलती निष्ठा के बीच वह आम जनता क्या करे, जो किसी विचारधारा, सिद्धांत, मुद्दे और नेतृत्व के प्रभाव में अपना समर्थन जाहिर कर मतदान करती है। पाला बदलने के लिए सभी दलों के नेता अपने-अपने तर्क गढ़ते हैं। सभी अपने तर्कों के जरिए यह सिद्ध करते हैं कि ईमानदारी की कसौटी पर वही सबसे खरे सिक्के हैं। विडंबना है कि पार्टियां सत्ता पर काबिज होने या उसका हिस्सेदार बनने के लिए सिद्धांत और नैतिकता की व्याख्या अपनी सुविधा के मुताबिक करके उसे सही घोषित कर देती हैं, मगर आम जनता के बीच न केवल इसे लेकर भ्रम और दिशाहीनता की स्थिति पैदा होती, बल्कि कई बार वह खुद को लाचार और ठगा हुआ महसूस करती है। इसके बावजूद वह सिर्फ अपना सिर धुनने के अलावा कर भी क्या सकती है।

अब महाराष्ट्र के झटकों से हिला इंडिया गठबंधन

अशोक भाटिया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जब न्याय यात्रा की शुरुआत की थी तो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि जब तक ये यात्रा खत्म होगी, तब तक उनकी पार्टी को एक के बाद एक झटके लग चुके होंगे । दरअसल, कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए इंडिया गठबंधन बनाया लेकिन चुनाव से पहले ही ये गठबंधन बिखरने लगा है। आलम ये है कि राहुल की न्याय यात्रा अभी खत्म भी नहीं हुई है और इंडिया गठबंधन को पांच राज्यों में अलग – अलग झटके लगे हैं। इंडिया गठबंधन को सबसे पहला झटका तो पश्चिम बंगाल में लगा। एक वक्त भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के खिलाफ जोर-शोर से खड़ी होने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन छोड़ने का फैसला किया। इसके बाद बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू एनडीए गठबंधन में ही शामिल हो गई। अगला मामला झारखंड रहा जहां कांग्रेस की सहयोगी 'झारखंड मुक्ति मोर्चा' मुश्किलों का सामना कर रही है। न्याय यात्रा के आखिरी दौर का प्लान में क्या तब्दीली की गई है, अभी ये नहीं मालूम लेकिन ये जरूर पता चला है कि उत्तर प्रदेश में यात्रा की अवधि में कटौती की जा रही है जिसकी वजह जयंत चौधरी का इंडिया गठबंधन छोड़ कर एनडीए ज्वाइन करना माना जा रहा है। असली कारण जो भी हो लेकिन एक चीज देखने को तो मिल ही रही है, जब से राहुल गांधी ने ये यात्रा शुरू की है, इंडिया गठबंधन , विशेषकर कांग्रेस को झटके पर झटके और वो भी लगातार लग रहे हैं - आरएलडी नेता जयंत चौधरी और अशोक चव्हाण ने कांग्रेस छोड़कर ताजा-ताजा जख्म दिया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता अशोक चव्हाण ने लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले विपक्षी गठबंधन इंडिया गठबंधन को एक और झटका देते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। यह घटनाक्रम महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं बाबा सिद्दीकी और मिलिंद देवड़ा द्वारा सबसे पुरानी पार्टी छोड़ने के कुछ दिनों बाद आया है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा चव्हाण को राज्यसभा सीट की पेशकश कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि 10 से 12 विधायक भी चव्हाण के संपर्क में हैं और आने वाले समय में पाला बदल लेंगे। चव्हाण के अगले कदम के बारे में अटकलों के बीच, भाजपा नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इंतजार करने और देखने के लिए कहा है कि देखो क्या होगा। ऐसा लगता है जैसे राहुल गांधी की न्याय यात्रा भी इंडिया गठबंधन की गति को प्राप्त होने लगी है। जैसे इंडिया गठबंधन का सफर मंजिल की ओर बढ़ने से पहले ही लुढ़कने लगा है, भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी राजनीतिक राह भटकने लगी है - कांग्रेस के अकेले अकेले यात्रा निकालने को लेकर जेडीयू नेता तो पहले हमलावर थे ही, नीतीश कुमार तो अब भी खरी-खोटी सुनाते नहीं थक रहे हैं। बिहार विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पर अपने भाषण में नीतीश कुमार ने राहुल गांधी के साथ साथ लालू यादव को भी विपक्षी को लेकर अपने प्रयासों पर पानी फेर डालने की तोहमत मढ़ डाली। हाल ही में आये एक सर्वे के नतीजों से भी मालूम हुआ कि न्याय यात्रा को लेकर लोगों में भी राहुल गांधी की पिछली भारत जोड़ो यात्रा जैसी दिलचस्पी नहीं है। सर्वे में शामिल 42 फीसदी लोगों का मानना था कि न्याय यात्रा से राहुल गांधी की छवि में कोई सुधार नहीं हुआ है। मतलब, राहुल गांधी की यात्रा का लोगों पर कोई असर नहीं हो रहा है। कम से कम भारत जोड़ो यात्रा के बारे में तो ऐसा नहीं कहा जा सकता। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के सफर में सबसे ज्यादा समय उत्तर प्रदेश के लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन अब उसमें कटौती किये जाने की बात सामने आ रही है। उत्तरप्रदेश में राहुल गांधी को पहले 11 दिन गुजारने थे लेकिन अब ऐसा नहीं होगा - और इस बदलाव का सीधा असर पूरी न्याय यात्रा पर पड़ने वाला है। यानी यात्रा 20 मार्च से पहले ही खत्म हो सकती है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा को जल्दी समेटने की खबर ऐसे वक्त आई है जब राहुल गांधी राजनीतिक रूप से अति महत्वपूर्ण राज्य उत्तर में दाखिल होने वाले हैं। न्याय यात्रा के महीने भर होने वाले हैं, और अभी तक कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी यात्रा में शामिल नहीं हुई हैं, लेकिन बताते हैं कि वो 14 फरवरी को न्याय यात्रा में शामिल हो सकती हैं। राहुल गांधी ने 14 जनवरी को अपनी न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू की थी। उत्तरप्रदेश में चंदौली के रास्ते 16 फरवरी को न्याय यात्रा दाखिल होगी, और अगले दिन यानी 17 फरवरी को राहुल गांधी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनाव क्षेत्र वाराणसी पहुंचेंगे। शहर में 12 किलोमीटर की यात्रा के बाद राहुल गांधी भदोही रवाना हो जाएंगे। वाराणसी पहुंच कर वो काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे और लोगों को संबोधित भी करेंगे। राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में लखनऊ से अलीगढ़ होते हुए आगरा तक जाएंगे लेकिन पश्चिम उत्तरप्रदेश में उसके आगे नहीं जाएंगे बल्कि आगरा से मध्य प्रदेश के लिए निकल जाएंगे। ऐसी खबरें है कि वहां तो बहुत कुछ खेला हो चुका है. बाकी खेला उनका इंतजार कर रहा है । पश्चिम उत्तरप्रदेश को स्किप करने की वजह जयंत चौधरी का पाला बदलकर एनडीए में चला माना जा रहा है लेकिन ये बात भी आसानी से हजम नहीं हो रही है। पहले न्याय यात्रा 80 लोक सभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश के 28 संसदीय क्षेत्रों से होकर गुजरने वाली थी। न्याय यात्रा के रूट में पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सीट वाराणसी, रायबरेली, अमेठी, इलाहाबाद, फूलपुर और लखनऊ के अलावा चंदौली, जौनपुर, भदोही, प्रतापगढ़, हरदोई, सीतापुर, बरेली, मुरादाबाद, रामपुर, संबल, अमरोहा, अलीगढ, बदायूं, बुलंदशहर और आगरा जैसे इलाके शामिल थे लेकिन अब ये बदल सकता है।जब ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा के बावजूद राहुल गांधी ने यात्रा नहीं रोकी, जब नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन छोड़ कर चले जाने के बाद भी राहुल गांधी बिहार पहुंचे और यात्रा करते रहे तो जयंत चौधरी के साथ छोड़ देने से किस बात का सदमा लग रहा है। वैसे भी जयंत चौधरी कोई ममता बनर्जी और नीतीश कुमार के कद के नेता तो हैं नहीं, पश्चिम उत्तरप्रदेश के कुछ इलाकों में उनका प्रभाव जरूर है। 2022 के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में कुछ सीटें जीत कर उत्तरप्रदेश में तीसरे नंबर की पार्टी जरूर बने हैं लेकिन वो भी तो किसी न किसी की मदद के मोहताज ही हैं। 2019 में सपा-बसपा गठबंधन के दौरान अखिलेश यादव ने जयंत चौधरी को अपने हिस्से से लोक सभा सीटें दी थी, लेकिन आरएलडी का खाता भी नहीं खुल सका। राज्य सभा भी वो समाजवादी पार्टी की कृपा से ही पहुंच पाये थे।

सूत्रों के हवाले से आ रहे अपडेट बताते हैं कि 20 मार्च की जगह भारत जोड़ो यात्रा का समापन 10 से 14 मार्च के बीच ही हो सकता है। नजदीक होने के कारण भले ही न्याय यात्रा में कटौती के लपेटे में जयंत चौधरी आ जा रहे हों लेकिन उनसे कहीं बड़ा दर्द तो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे अशोक चव्हाण ने कांग्रेस छोड़ कर राहुल गांधी को दिया है। अब राहुल गांधी ऐसे दर्द महसूस न करते हों, या दर्द की परवाह न करते हों या फिर दर्द को अंदर ही अंदर बर्दाश्त करते हों और ऊपर से जाहिर न होने देते हों तो बात और है। अशोक चव्हाण से बड़ा दर्द तो ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे तमाम नेता दे चुके हैं और राहुल गांधी अभी यात्रा लेकर उनके इलाके में भी जाने वाले हैं। ऐसे ही कांग्रेस छोड़ चुके कई नेता भाजपा के टिकट पर राहुल गांधी के उम्मीदवारों को चैलेंज करने की तैयारी कर रहे हैं लेकिन राहुल गांधी कभी ऐसी बातों की परवाह नहीं करते बल्कि ऐसे नेताओं को वो डरपोक नेता बताते रहे हैं। होता ये है कि वे डरपोक नेता ही कांग्रेस उम्मीदवारों को शिकस्त देकर विधानसभा और संसद पहुंच जाते हैं। कुछ दिन पहले उत्तरप्रदेश कांग्रेस के नेता अजय राय के नेतृत्व में दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व से मिले थे।

विपक्ष नहीं ! जनता की एकता से डरना चाहिए भाजपा को !

श्रवण गर्ग

वर्तमान के बुरे राजनीतिक दौर में ऊपरी तौर पर नज़र ऐसा ही आ रहा है कि जनता पूरी तरह से जड़ या स्थितप्रज्ञ हो गई है ! उस पर किसी भी चीज अथवा बड़ी से बड़ी घटना का भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। वह ऐसा जता रही है कि नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी गठबंधन को लतिया कर प्रधानमंत्री मोदी के साथ पुनः हाथ मिला लेने अथवा प्रतिष्ठित 'लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स' के स्नातक (चौधरी चरणसिंह के पोते) जयंत चौधरी द्वारा अखिलेश यादव की पार्टी के साथ धोखाधड़ी कर एनडीए के साथ जुड़ जाने की कार्रवाई से भी उसे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ा है ! यह संपूर्ण सत्य नहीं है। जनता सब कुछ देख रही है पर जान-बूझकर न तो रो रही है और न ही हँस रही है। वह सन्नाटा ओढ़कर दल-बदलुओं का मुजरा देखते हुए अपनी बारी का इंतज़ार कर रही है। दबी ज़ुबान से पूछने अवश्य लगी है कि चुनावों के पहले और कितनों को 'भारत रत्न' बनाया जाएगा ! सरकार की मदद के लिए कई नाम भी सुझाए जा रहे हैं। जैसे कांशीराम, बीजू पटनायक, राजशेखर रेड्डी, करुणानिधि, बाल ठाकरे, शरद पवार, आदि। ममता और केजरीवाल के पुरखों में भी किसी योग्य नाम की तलाश की जा रही है। ममता के बाद केजरीवाल ने भी पंजाब और दिल्ली में अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। नये साल की फ़रवरी की नौ तारीख़ तक देश को पाँच नये 'भारत रत्न' प्राप्त हो चुके थे। गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर उल्लेखित जानकारी का हवाला देते हुए सोशल मीडिया पर प्रचारित किया जा रहा है कि साल में तीन से अधिक प्रतिभाओं को इस सर्वोच्च सम्मान से नवाज़ा नहीं जा सकता। लोकसभा चुनाव की तारीख़ें घोषित होना शेष है । दावे के साथ नहीं कहा जा सकता कि अवमूल्यन प्रतिष्ठित अलंकरण का हो रहा है या सम्मानित होने वाली विभूतियों का अथवा दोनों का ! इस बात की जानकारी भी मिलना बाक़ी है कि जो महानुभाव इस गौरवशाली सम्मान से पूर्व में अलंकृत हो चुके हैं वे या उनके परिवारजन इस समय कैसा महसूस कर रहे हैं ! विश्वास के मत पर बोलते हुए तेजस्वी यादव ने 12 फ़रवरी को बिहार विधानसभा में आरोप लगाया कि 'भारत रत्न' का उपयोग 'डीलिंग' के लिए किया जा रहा है। नीतिशकुमार बैठे हुए अपने पूर्व उपमुख्यमंत्री को सुनते रहे। जनता अकेले में कई सवाल भी करने लगी है ! पहला यह कि जब दावे के साथ घोषणा की जा रही है कि मोदी तीसरी बार भी सत्ता में आने वाले हैं, एनडीए को चार सौ से अधिक और भाजपा को तीन सौ सत्तर सीटें मिलने जा रही हैं , प्रधानमंत्री अकेले ही सब पर भारी पड़ने वाले हैं तो सत्तारूढ़ दल को इस तरह से 'भारत रत्न' बाँटने और विपक्षी दलों में तोड़फोड़ करने की ज़रूरत ही क्यों पड़ रही है ?बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' दिये जाने के बाद से जो घटनाक्रम बना है वह इसी ओर इशारा करता है कि इवीएम के दुरुपयोग को लेकर व्यक्त की जा रही आशंकाओं के बावजूद भाजपा भयभीत है ! नीतीश कुमार सरकार द्वारा सोमवार को विश्वास का मत प्राप्त करने के पहले चले घटनाक्रम ने बिहार की चालीस सीटों के भविष्य को लेकर भाजपा की चिंताओं को उजागर कर दिया।

राहुल गांधी के कदम अभी राम जन्म भूमि पर पड़ना बाक़ी हैं। वे यूपी को ग्यारह दिन देने वाले हैं और हो सकता है राम-लला के दर्शन अखिलेश के साथ ही करें। भाजपा अपनी रणनीति में कोई चूक करती नज़र आती है। पार्टी को ग़लतफ़हमी हो गई लगती है कि विपक्ष के कुछ नेताओं के समर्थन की किडनियां ख़रीद लेने या जाँच एजेंसियों की मदद से उनकी राजनीतिक नसबंदी कर देने भर से बाज़ी उसके पक्ष में पलट जाएगी। उसे कुछ और टोटका आज़माना पड़ेगा। भाजपा विपक्ष को ही जनता समझ बैठी है जबकि हक़ीक़त उलट है। इस समय जनता ही विपक्ष के रोल में है। ख़रीदना समूची जनता को पड़ेगा। करोड़ों ग़रीबों को मुफ़्त का अनाज बाँटा जा सकता है पर उन्हें भारत रत्नों से विभूषित करके भी राजनीतिक विपक्ष की तरह तोड़ा नहीं जा सकता। न तो नीतीश और न ही जयंत चौधरी ही देश के असली विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं। ममता और केजरी को तोड़ लिया जाए तब भी जनता का विपक्ष नहीं टूटेगा। राजनीतिक विपक्ष को तोड़कर जनता के विपक्ष पर जीत नहीं दर्ज कराई जा सकती। सात फ़रवरी को राज्यसभा में दिए अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने आपातकाल के दिनों की ज़्यादतियों का हवाला दिया था। भाजपा अगर मानकर चल रही है कि उसकी चुनावी रथयात्रा अघोषित आपातकाल के 'कर्तव्य पथ' से गुज़रकर भी जनता के प्रतिरोधों का मुक़ाबला कर लेगी तो वह गलती पर है। 1975 के आपातकाल में पूरा विपक्ष या तो जेलों में बंद था या भूमिगत था फिर भी जनता के विपक्ष ने इंदिरा गांधी को हरा दिया था। सरकारों को अपदस्थ करने के लिए राजनीतिक विपक्ष की नहीं बल्कि निष्पक्ष जनता की ज़रूरत पड़ती है। राहुल गांधी इस जादूगरी को समझ गए हैं। वे ख़ुद के 'मन की बात' कम कर रहे हैं और जनता के मन की ज़्यादा सुन रहे हैं। भाजपा को जब तक समझ में आएगा कि राहुल अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के ज़रिए कांग्रेस को नहीं बल्कि जनता के विपक्ष को मज़बूत करने सड़कों पर निकले हुए हैं तब तक काफ़ी देर हो चुकी होगी। संपूर्ण राजनीतिक विपक्ष भी अगर रत्नों की भेंट चढ़ जाए तब भी जनता का विपक्ष अब देश की स्थायी ताक़त बनने जा रहा है। जनता को इस बात से फ़र्क़ नहीं पड़ेगा कि दिल्ली में किस पार्टी या गठबंधन की हुकूमत क़ायम है। भाजपा को विपक्ष के गठबंधन से नहीं बल्कि जनता की एकता से डरना चाहिए ! बहुमत के बल पर विपक्ष का संसद से निष्कासन किया जा सकता है, जनता को उसके देश से निष्कासित नहीं किया जा सकता।

http://shravangarg1717.blogspot.com

ट्रैफिक जाम से छुटकारा दिला सकती है एआई

बढ़ती हुई शहरी आबादी और वाहनों की संख्या के चलते सड़कों पर जाम रहित यातायात प्रबंधन प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। सड़कों पर लगने वाले जाम वाहन चालकों में न केवल हताशा पैदा करते हैं, बल्कि बढ़ते वायु प्रदूषण और वाहनों का शोरगुल मेंटल हेल्थ पर भी असर डाल रहा है। शहरी यातायात को दक्ष बनाने में एआई एक शक्तिशाली सहयोगी के रूप में उभरा है। यह वास्तविक समय के आंकड़ों के आधार पर पलभर में सटीक निर्णय ले सकता है, जिससे अनपेक्षित घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सकती है। एआई चौराहों पर वाहनों की भीड़ नियंत्रित करने और आवागमन के समय को कम करने के लिए ट्रैफिक सिग्नल टाइमिंग, रूट सुझाव, लेन प्रबंधन करता है। यह एआई सिस्टम दुर्घटनाओं, लापरवाह ड्राइविंग और खतरों का पता लगा सकता है, जिससे ड्राइवरों और पैदल चलने वालों दोनों के लिए सड़क सुरक्षा बढ़ जाती है।

एआई-संचालित ट्रैफिक सिग्नल कंट्रोल सिस्टम जैसी परिष्कृत प्रणालियां एडाप्टिव एल्गोरिदम और मशीन लर्निंग के साथ वास्तविक समय में सड़क पर वाहनों की संख्या, उनकी दिशा, उनकी औसत गति जैसे डेटा का विश्लेषण कर ट्रैफिक संकेत समय को वाहनों के घनत्व व दबाव के हिसाब से तय करती हैं। ये तकनीक वाहनों के ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े रहने के समय में योजनाबद्ध तरीके से सुधार करती हैं। कोपेनहेगन इसका उदाहरण है, जहां एआई का प्रयोग साइकिल लेन का प्रबंधन करने व साइकिल चालकों की भीड़ को कम करने के लिए किया जा रहा है। एआई एल्गोरिदम किसी शहर की सड़कों पर यातायात को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये एल्गोरिदम वास्तविक समय में निर्णय लेने के लिए विभिन्न डेटा स्रोतों और अधिक पावरफुल कम्प्यूटेशनल उपकरणों की उपलब्धता का लाभ उठाकर ट्रैफिक दक्षता में सुधार करते हैं। एआई एल्गोरिदम ट्रैफिक सेंसर, जीपीएस डिवाइस, मौसम पूर्वानुमान और ट्रैफिक पैटर्न सहित विभिन्न स्रोतों से डेटा इकट्ठा करते हैं। ये डेटा वर्तमान यातायात स्थिति का व्यापक दृश्य उपलब्ध कराता है।

एआई सड़कों पर वाहन और लोगों की भीड़ का अनुमान लगाने और संभावित अवरोधों के सामने आने से पहले पहचानने के लिए पूर्वानुमानित विश्लेषण का उपयोग करता है। इस जानकारी का उपयोग कर संभावित गतिरोध से बेहतर और प्रभावी तरीके से निपटने के उपाय वास्तविक समय में खोजे जा सकते हैं।

एआई एल्गोरिदम भीड़भाड़ कम करने के लिए वाहनों को गतिशील और सक्रिय रूप से डायवर्ट करने के लिए समायोजित कर सकता है। उदाहरण के लिए जब किसी विशेष मार्ग पर ट्रैफिक बढ़ना शुरू हो जाता है, तो एआई वाहनों को कम भीड़भाड़ वाली सड़कों पर डाइवर्ट करने का सुझाव दे सकता है, जिससे ट्रैफिक बंट जाता है। यदि एक सड़क पर अचानक वाहनों की संख्या बढ़ जाती है, तो एआई प्रतीक्षा के समय को कम करने के लिए उस दिशा के लिए हरी बत्ती को प्राथमिकता दे सकता है। साउथ डकोटा में सिओक्स फॉल्स ट्रैफिक सिग्नल टाइमिंग को अनुकूलित करने के लिए एआई का उपयोग करता है। इसके परिणामस्वरूप यात्रा के समय में 15% और ईंधन की खपत में 25% की कमी आई, जिससे यात्रियों और पर्यावरण दोनों को लाभ हुआ।

लॉस एंजेल्स परिवहन विभाग ने यातायात प्रबंधन प्रणाली में एआई लागू किया जिसने कुछ क्षेत्रों में यातायात की भीड़ को 16% तक कम कर दिया। बार्सीलोना ने अपने सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को अधिक कुशलता से प्रबंधित करने के लिए एआई सिस्टम लागू किया है। इन प्रणालियों ने सड़क पर वाहनों की संख्या कम कर दी है।

चोर के हाथ में चाबी

डॉ टी महादेव राव

क्या बात है सुबह-सुबह मंदिर से आ रहे हो। ऐसा कुछ नहीं भैया लेकिन इन अधिकारियों, नेताओं और भ्रष्टाचारियों की बातों और कामों के बारे में किस भगवान की हम पूजा करें? लेकिन क्या फायदा? बताया जा रहा है कि खून के सारे सबूतों को बंदर उठाकर ले गया है। हत्या जिससे की गई वह हथियार और दूसरे सारे सबूत एक थैली में रखकर कोर्ट में लाया गया। जहां उसे सुरक्षित रखने की जगह न होने की वजह से पेड़ के नीचे रखा गया। उसे बंदर उठाकर ले गया - ऐसा कहा जा रहा है। ऐसी फिल्मी कहानियां सुना सुना कर जनता को बार बार बेवकूफ बनाया जा रहा है। इस वजह से तुमने यह अवतार बना रखा है? पुलिस सच ही बोलती होगी। भैया! इसके पहले बिहार और आंध्र प्रदेश में शराब को चूहों ने पी लिया कहकर सारा जुर्म चूहों पर डाल दिया गया कि नहीं। कुछ दिन पहले नेल्लोर के कोर्ट में राज्य एक मंत्री के मुकदमे से संबंधित कागजात चोर उठा कर ले गए कहा गया कि नहीं। अगर यह सच है तो वह भी सच है। बिल्कुल! अगर बोलने वाले को शर्म नहीं है कम से कम सुनने वाले अपने विवेक से काम लें। कहते हैं झूठ भी ऐसे बोलो कि सामने वाले को उस पर यकीन आए। लेकिन इस तरह की झूठ कोई बच्चा भी नहीं मानेगा। अरे पागल। नारियल का पेड़ क्यों चढ़ा बेटा तू कहकर किसी से पूछा गया तो बताया गया कि बछड़े के घास के लिए। जो ऐसा कह कर समाज में लोगों की मुंह बंद कर सकता है वही बड़ा आदमी है। ऐसा व्यक्ति ही भ्रष्टाचार और अवैध कमाई में अव्वल होता है। हमारे बहुत सारे नेताश्री इसमें पीएचडी कर चुके हैं। उनके प्रियतम शिष्यों के रूप में कुछ अधिकारी और भ्रष्टाचारी उन्हीं के पदचिन्हों पर चल रहे हैं। चल ही नहीं रहे मैराथन दौड़ रहे हैं।

परोसने वाला अपना बंदा हो तो कहीं भी बैठो पंगत में, आपको सब कुछ मिलेगा- यही सिद्ध कर रहा है अधिकारियों की व्यवस्था। समय अगर हमारे अनुकूल है तो सबूतों को और वस्तुओं को चूहे और बंदर क्या हवा भी निगल सकती है। इस तरह हमारे जीवन से कितनी चीजें हैं जिन्हें जाने अनजाने लोगबाग लिये जा रहे हैं, गायब किए जा रहे हैं। कभी ध्यान दिया है? नई नई बनी सड़क को रातों-रात वर्षा उड़ा ले जाती है। विकास के कामों में पैसे और गुणवत्ता को भ्रष्टाचार निगल लेता है। सरकारी अस्पतालों में दवाइयां गायब हो जाती हैं और वे कालाबाजारी के काम आती हैं। सारी कल्याणकारी योजनाओं में असली हकदारों के नाम पता नहीं कैसे गायब हो जाते हैं? चुनाव के समय जनता के सारे वोटों को, शराब और पैसा अपने मुट्ठी में कर जाती हैं। सच कहा जाये तो लोकतंत्र में जनता ही शासक है वाले सच को हमारे नेतागण जनता के दिमाग से न जाने कब चुरा ले गए हैं। सच कहा जाए तो देश ही चोरों का अड्डा सा बन गया है। अब सच तो यह है कि आसमान को छूते चीजों के दाम सामान्य जन की मन की शांति गायब कर रहे हैं।

मौत बांट रहे हैं आतिशबाजी कारखाने !

मनोज कुमार अग्रवाल

फिर एक बार एक आतिशबाजी बनाने वाले कारखाने ने 11 जिंदगी लील ली। मध्य प्रदेश में हरदा के बैरागढ़ में मंगलवार को एक पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में अब तक 11 लोगों की मौत की सूचना है, जबकि 74 से अधिक लोग झुलस गये हैं। इस मामले को लेकर तमाम आला सरकारी लोगों ने चिंता व्यक्त की। शोक जताया। प्रशासनिक जांच पड़ताल की बात कही। मालूम हो कि हरदा की तरह ही मध्य प्रदेश में बालाघाट के किरनापुर में 2015 और खैरी में 2017 में भी ऐसे धमाके हो चुके हैं, जिनमें 29 लोगों की जान गयी थी।सवाल यह है कि देश के अनेक राज्यों में तमाम नियम कानून को धता बता कर सरकार और प्रशासन की नाक के नीचे पटाखों की फैक्ट्री संचालित कैसे हो जाती हैं? जाहिर है कि इन पर स्थानीय प्रशासन का संरक्षण मिला रहता है। दरअसल जांच-पड़ताल की एक कवायद निश्चित होगी मगर अवैध पटाखा फैक्टरियों में होने वाली दुर्घटनाएं बताती हैं कि यह सब कागजी खानापूर्ति में सिमट जाती है । मध्य प्रदेश की हालिया घटना के परिप्रेक्ष्य में जब हम ऐसे हादसों पर नजर दौड़ाते हैं तो पाते हैं कि बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पंजाब आदि राज्यों में समय-समय पर अवैध पटाखा फैक्टरियों के कारण अक्सर बड़े हादसे होते रहे हैं। उपलब्ध रिकार्ड बता रहे हैं कि 15 सितंबर, 2005 को बिहार के खुसरोपुर गांव में हकीम मियां द्वारा संचालित एक अवैध पटाखा फैक्टरी में हुआ विस्फोट इतना जबरदस्त था कि पास की दो अन्य फैक्टरी भी चपेट में आ गयीं। आसपास के कई घरों में आग लग गयी। इस घटना में 35 लोगों की मौत हो गयी थी। यूपी के प्रयागराज में 12 अक्टूबर 2011 को पुरा मियांजी मोहल्ला स्थित एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी। तमिलनाडु के शिवकाशी की एक पटाखा फैक्टरी में 9 सितंबर, 2012 को हुए विस्फोट में पूरी फैक्टरी जलकर खाक हो गयी। इस विस्फोट में 54 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 100 से अधिक लोग झुलसे थे। तेलंगाना के वारंगल स्थित एक पटाखा फैक्टरी में 4 जुलाई, 2018 को विस्फोट के बाद आग लग गयी थी, जिससे फैक्टरी में फंसे 10 मजदूरों की जलकर मौत हो गयी थी। पंजाब के बटाला में एक पटाखा फैक्टरी में 4 सितंबर, 2019 को धमाके के बाद आग लग गयी, जिसमें 23 लोगों की जलकर मौत हो गयी साथ ही 27 लोग झुलस गये थे। गुरदासपुर के बटाला के एक आवासीय कॉलोनी में अवैध रूप से यह पटाखा फैक्टरी चल रही थी।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में 7 मई, 2022 को एक पटाखा फैक्टरी में ब्लास्ट होने के बाद फैक्टरी मालिक समेत चार लोगों की मौत हो गयी थी। इसी तरह तमिलनाडु के कांचीपुरम में 22 मार्च, 2023 को अवैध पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट से 9 कर्मचारियों की मौत हो गयी और 12 अन्य झुलस गये थे। गुजरात के अरवल्ली जिले में चल रही एक अवैध पटाखा फैक्टरी में 20 अप्रैल, 2023 को लगी भीषण आग में 4 मजदूर जिंदा जल गए थे। जबकि, पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के एगरा क्षेत्र में 16 मई, 2023 को पटाखा बनाने की अवैध फैक्टरी में भीषण विस्फोट से 9 लोगों की मौत हो गयी, जबकि दर्जनों झुलस गये थे। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में 29 जुलाई 2023 को पटाखा बनाने की यूनिट में धमाका हो गया। इसमें तीन महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गयी। इसी तरह पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के दत्तापुकुर थाना क्षेत्र में 27 अगस्त, 2023 को एक पटाखा फैक्टरी में जबरदस्त ब्लास्ट में सात लोग मारे गए थे। तमिलनाडु में अरियालुर जिले के विरागलुर में 9 अक्टूबर, 2023 को पटाखा फैक्टरी में आग लगने से 9 लोगों की जान चली गयी और 5 घायल हो गये। तमिलनाडु के ही विरुधुनगर जिले के रंगापलयम और किचन्याकानपट्टी में दो अलग-अलग पटाखा फैक्टरी में 17 अक्टूबर, 2023 को विस्फोट होने से 11 लोगों की मौत हो गयी। जाहिर है कि इन घटनाओं के बाद प्रशासनिक कार्रवाइयां की गयीं लेकिन नतीजा 'ढाक के तीन पात।'हर जांच रिपोर्ट रद्दी की टोकरी में फेंक दी जाती है और जिंदगी के कीमत पर मौत के कारखाने दौड़ते रहते हैं। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि पटाखा कारखानों में होने वाले ऐसे हादसों को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम कब होंगे। पहले दिवाली के समय किसी लापरवाही के चलते ऐसे हादसे हो जाया करते थे, अब साल भर ऐसी घटनाओं की खबरें आती हैं। दरअसल, पटाखा बनाने का कारोबार काफी बड़े पैमाने पर होने लगा है, इसलिए कि इसकी खपत वर्ष भर बनी रहती है। शादी-ब्याह से लेकर अनेक पर्व-त्योहारों, क्रिकेट आदि के खेलों के समय भी पटाखे फोड़ने और आतिशबाजी का चलन बढ़ता गया है।

आज रेवती नक्षत्र में मनेगी वसंत पंचमी

रेवती नक्षत्र सनातन धर्म में सही नहीं माना गया है। यह शुभ पूजन समय नहीं है। ऐसे में संध्या में 5 बजकर 51 मिनटमें शुभ मुहूर्त बन रहा है। लेकिन वहीं पंडित की मानें तो जिसका उदय होता है, उसका अस्त भी होता है। इसलिए उस दिन दिन भर पूजा की जा सकती है। उन्होंने बताया कि यह पूजन वसंत पंचमी के शुक्ल पक्ष में प्रारंभ होती है। इस दिन से वसंत ऋतु प्रारंभ होता है। उन्होंने बताया कि इस पंचमी को हल पंचमी भी कहते हैं।

सरस्वती पूजा शुभ मुहूर्त सुबह 07.00 – दोपहर 12.35 (अवधि 5 घंटे 35 मिनट)

बसंत पंचमी पूजा सामग्री

मां सरस्वती की पूजा में पीले रंग के फूल, भोग - बेसन लड्डू, राजभोग, केसर भात, मालपुआ, बूंदी के लड्डू, केला, पीले अक्षत, हल्दी, अष्टगंध, केसर, पीले वस्त्र,मां सरस्वती, गणपति जी की तस्वीर,पूजा की चौकी, उस पर बिछाने के लिए पीला कपड़ा,सुपारी, पान, दूर्वा, कुमकुम पीला चंदन, गंगाजल,घी, कलश, मौली, कपूर,नारियल, पुस्तक, सिक्का,कलम, दवात, वाद्य यंत्र, हवन कुंड, आम की समधिया, रक्षा सूत्र, पंचमेवा, कलावा,गाय का घी, सूखा नारियल, शक्कर,गूलर की छाल, तिल, गुग्गल,हविष्य

वैलेंटाइन डे के दिन यानी 14 फरवरी को मां सरस्वती का आगमन होने जा रहा है। मां सरस्वती लगभग सभी घरों में पूजी जाने वाली देवी है। इसको लेकर छात्र व युवाओं में उत्साह देखने को मिलता है। लेकिन आपको बता दें कि इस वर्ष मां सरस्वती का आगमन रेवती नक्षत्र में हो रहा है। यह नक्षत्र सनातन धर्म में सही नहीं माना जाता है। आइए जानते हैं पूजा का शुभ मुहूर्त और इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

इनको मिलता है विशेष लाभ

पंडित ने बताया कि वसंत पंचमी को मां सरस्वती हाथों में पुस्तक, वीणा, माला व श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। इस दिन उनकी पूजा करने से विशेष लाभ मिलता है। यह पर्व ज्ञान, विद्या, संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए विशेष माना जाता है। खास कर संगीतकार के लिए यह पर्व और महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि कहा जाता है कि संगीतकार के गले मे मां शारदे का वास होता है।

यह ऋतु काफी अच्छा माना जाता है। इसमें सब कुछ सुहावना होता है। इस ऋतु में सब कुछ अपना रंग बदल लेता है। यहां तक के सारे पत्ते नए दिखने लगते हैं। इस मौसम में कई चीज नई देखने को मिल जाती है।

ऋतुराज 'वसंत' के आगमन से जुड़ी हैं ये पौराणिक कथाएं

वसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन मां सरस्वती या शारद की पूजा-अर्चना करने का विधान है। वसंत पंचमी का दिन मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी कहा जाता है। यह दिन विद्यार्थियों और संगीत प्रेमियों के लिए बेहद खास है। मां को पीला रंग विशेष प्रिय है। पूजा के बाद मां को पीले रंग की चीजें अर्पित की जाती हैं। यहां तक कि मां के भक्त इस दिन पीले रंग के वस्त्र ही धारण करते हैं। मां को पीले रंग के चावलों का भोग लगाएं। पीला रंग सादगी और सात्विकता तथा समृद्धि, ऊर्जा, प्रकाश और आशीर्वाद का प्रतीक है। यह दिमाग को सक्रिय करता है, उत्साह को बढ़ाता है, साथ ही नकारात्मकता को दूर करता है। इस मौसम में ठंड कम होने लगती है। पेड़ों पर नई पत्तियां आने लगती हैं और खेतों में पीली सरसों की फसल लहराने लगती है। चारों ओर पीला-पीला सा सुहावना वातावरण बना दिखाई देता है। वसंत के आगमन पर पृथ्वी अथवा सारी प्रकृति अपने यौवन पर आ जाती है तथा राग-रंग में डूबकर चमकने लगती है। ऋतुओं में वसंत लोगों का सर्वाधिक मनचाहा मौसम है, जब फूलों पर बहार आ जाती है।

उपनिषद् की कथा के अनुसार सृष्टि के प्रारंभिक काल में भगवान शिव की आज्ञा से ब्रह्मा जी ने जीवों खास तौर पर मनुष्य की रचना की लेकिन इस सृजन से वह संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगता था कि कुछ कमी रह गई है जिस कारण चारों ओर मौन छाया रहता है। तब ब्रह्मा जी ने इस समस्या के निवारण के लिए अपने कमंडल से जल हथेली में लेकर संकल्प स्वरूप उसे छिड़क कर भगवान विष्णु की स्तुति आरंभ की। वह तत्काल ही ब्रह्मा जी के सम्मुख प्रकट हो गए और उनकी समस्या जानकर आदि शक्ति मां दुर्गा का आह्वान किया।

भगवती दुर्गा जी वहां प्रकट हो गईं और ब्रह्मा जी एवं विष्णु जी की बातें सुनने के बाद उसी क्षण आदि शक्ति दुर्गा माता के शरीर से एक श्वेत रंग का भारी तेज उत्पन्न हुआ जो एक दिव्य देवी के रूप में परिवर्तित हो गया। यह स्वरूप एक चतुर्भुजी सुंदर देवी का था जिनके एक हाथ में वीणा, दूसरे हाथ में वर मुद्रा तथा अन्य हाथों में पुस्तक एवं माला थी। उस स्वरूप ने वीणा का मधुरनाद किया जिससे संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हुई और जलधारा में हलचल व्याप्त हो गई। वातावरण में प्राणवायु का संचार हो गया। तभी देवताओं ने शब्द और रस का संचार कर देने वाली उन देवी को वाणी की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती कहा।

ऋग्वेद के अनुसार, ''यह एक परम चेतना हैं। सरस्वती के रूप में यह हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं।''

''हममें जो आचार और मेधा है उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं। इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है।''

यह महान विभूतियों का स्मृति पर्व भी है। वसंत पंचमी के दिन ही पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गौरी को मौत के घाट उतार दिया था। उन्होंने जिस तरह उसका वध किया वह घटना बड़ी दिलचस्प और हैरतअंगेज है। वास्तव में पृथ्वीराज ने युद्ध में सोलह बार मोहम्मद गौरी को पराजित किया और हर बार उदारता दिखाते हुए उसे माफ कर दिया लेकिन 17वीं बार हुए युद्ध में गौरी ने पृथ्वीराज को बंदी बना लिया और अपने साथ अफगानिस्तान ले गया। वहां उसने पृथ्वीराज चौहान की आंखें निकाल दीं लेकिन उन्हें मारने से पहले वह शब्द भेदी बाण चलाने की उनकी कला का कमाल देखना चाहता था।

ऐसे में पृथ्वीराज के गहरे मित्र और कवि चंदबरदाई ने एक कविता के **माध्यम से उन्हें गुप्त संदेश देते हुए कहा :**

चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमाण,ता ऊपर सुलतान है, मत चूको चौहान।

पृथ्वीराज ने जब हिसाब लगाकर निशाना साधा तो तीर सीधे गौरी के सीने में जाकर लगा। इसके बाद पृथ्वीराज और चंदबरदाई दोनों ने एक-दूसरे को छुरा मार कर आत्म बलिदान दे दिया। वसंत पंचमी वाले दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पुरोधा व आजादी की अलख सबसे पहले जगाने वाले सतगुरु राम सिंह जी का जन्मदिन भी मनाया जाता है। उन्होंने गौ हत्या व अंग्रेजों के शासन के विरुद्ध आवाज उठाई थी। अमर शहीद वीर बलिदानी बाल हकीकत का इतिहास भी वसंत पंचमी से जुड़ा हुआ है। धर्म की वेदी पर कुर्बान होने वाले वीर हकीकत राय का बलिदान दिवस भी इसी दिन मनाया जाता है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। विदेशी आक्रांताओं से त्रस्त भारत भूमि एक सहस्त्र वर्षों तक परतंत्र रही। वसंत पंचमी के दिन ही 23 फरवरी, 1734 को एक छोटे से बालक वीर हकीकत राय द्वारा इस्लाम स्वीकार नहीं करने के कारण, उनका सिर धड़ से अलग कर दिया गया था।

वैदिक हिन्दू सनातन धर्म की रक्षा हेतु प्राणों की आहुति देने वाले वीर हकीकत अमर हो गए। इसी दिन हिन्दी के यशस्वी कवि पं। सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्मदिन भी होता है।

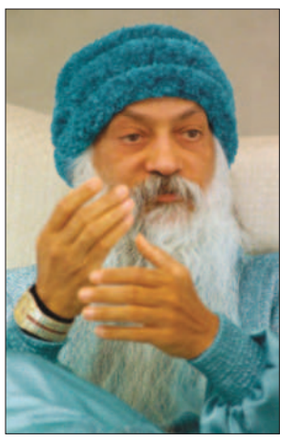

जो समय के बाहर है अनंत और अनादि है

क्षण को झलक मिलेगी और हम वापस अपनी जगह पर लौट आते हैं। एक क्षण को किसी लोक में उठ जाते हैं, किसी गहराई पर, किसी पीक एक्सपीरिएंस पर, किसी शिखर पर पहुंचना होता है। और हम पहुंच भी नहीं पाते और वापस गिर जाते हैं। जैसे समुद्र की एक लहर आकाश में उठती है—उठ भी नहीं पाती पहुंच भी नहीं पाती, हवाओं में, सिर उठा भी नहीं पाती और गिरना शुरू हो जाता है।

ठीक हमारा सेक्स का अनुभवः बार-बार शक्ति को इकट्ठा करके हम उठने की चेष्टा करते हैं—किसी गहरे जगत में, किसी ऊंचे जगत में—एक क्षण को हम उठ भी नहीं पाते और सब लहर बिखर जाती है, हम वापस अपनी जगह खड़े हो जाते हैं। और उतनी शक्ति और ऊर्जा को गंवा देते हैं। लेकिन अगर सागर की लहर बर्फ का पत्थर बन जाए, जम जाए और बर्फ हो जाए, तो फिर उसे नीचे गिरने की कोई जरूरत नहीं है।

आदमी का चित्त जब तक सेक्स की तरलता में बहता है, तब तक वापस उठता है, गिरता है; उठता है, गिरता है; सारा जीवन यही करता है। और जिस अनुभव के लिए इतना तीव्र आकर्षण है—ईगोलेसनेस के लिए, अहंकार शून्य हो जाए और मैं आत्मा को जान लूं; समय मिट जाए और मैं उसको जान लूं जो इटरनल है, जो टाइमलेस है; उसको जान लूं जो समय के बाहर है, अनंत और अनादि है—उसे जानने की चेष्टा में सारा जगत सेक्स के केंद्र पर घूमता रहता है।लेकिन अगर हम इस घटना के विरोध में खड़े हो जाएं सिर्फ, तो क्या होगा? तो क्या हम उस अनुभव को पा लेंगे जो सेक्स से एक झलक की तरह दिखाई पड़ता था?

नहीं, अगर हम सेक्स के विरोध में खड़े हो जाते हैं तो सेक्स ही हमारी चेतना का केंद्र बन जाता है, हम सेक्स से मुक्त नहीं होते, उससे बंध जाते हैं। वह लॉ ऑफ रिवर्स इफेक्ट काम शुरू कर देता है।

फिर हम उससे बंध गए। फिर हम भागने की कोशिश करते हैं। और जितनी हम कोशिश करते हैं, उतने ही बंधते चले जाते हैं।

एक आदमी बीमार था और बीमारी कुछ उसे ऐसी थी कि दिन-रात उसे भूख लगती थी। सच तो यह है, उसे बीमारी कुछ भी न थी।

भोजन के संबंध में उसने कुछ विरोध की किताबें पढ़ ली थीं। उसने पढ़ लिया था कि भोजन पाप है, उपवास पुण्य है। कुछ भी खाना हिंसा करना है। **(क्रमशः)**

क्योंकि एक आदमी हजार रुपये खोकर थोड़ा सा अनुभव पाता हो; और कल हम उसे बता दें कि रुपये खोने की कोई जरूरत नहीं, इस अनुभव की तो खदानें भरी पड़ी हैं, तुम चलो इस रास्ते से और उस अनुभव को पा लो। तो फिर वह हजार रुपये खोकर उस अनुभव को खरीदने बाजार में नहीं जाएगा।

सेक्स जिस अनुभूति को लाता है, अगर वह अनुभूति किन्हीं और मार्गों से उपलब्ध हो सके, तो आदमी का चित्त सेक्स की तरफ बढ़ना अपने आप बंद हो जाता है। उसका चित्त एक नई दिशा लेना शुरू कर देता है। इसलिए मैं कहता हूं, जगत में समाधि का पहला अनुभव मनुष्य को सेक्स के अनुभव से ही उपलब्ध हुआ है। लेकिन वह बहुत मंहगा अनुभव है, वह अति मंहगा अनुभव है। और दूसरे कारण हैं कि वह अनुभव कभी एक क्षण से ज्यादा गहरा नहीं हो सकता। एक

अपनी जिंदगी में परेशान है तो 100% समाधान

एक व्यक्ति हमेशा यही कहता रहता था कि वह संसार का सबसे दुखी व्यक्ति है। उसकी शिकायतों का कोई अंत नहीं था। एक दिन वह एक महात्मा जी से मिला और अपनी स्थिति बतलाई। महात्मा जी ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन वह यही कहता रहा कि उसके दुखों की कोई सीमा नहीं। उसके दुख बाकी लोगों से अलग हैं।

इतने अधिक दुखों के साथ उसका जीना ही संभव नहीं। जब बहुत समझाने पर भी उस पर कोई असर नहीं हुआ तो महात्मा जी ने उसे एक मुट्ठी नमक लाने को कहा।

जब वह नमक ले आया तो महात्मा जी उस एक मुट्ठी नमक को एक गिलास साफ पानी में मिलाया और उसे नमक मिला पानी पीने को कहा। पानी का गिलास और नमक एक मुट्ठी। पानी कड़वा होना ही था इसलिए वह व्यक्ति कोशिश करने के बावजूद एक-दो घूंट से अधिक पानी नहीं पी सका और उसे भी फौरन वापस निकाल दिया।

इसके बाद महात्मा जी ने उस व्यक्ति को पास ही स्वच्छ पानी से भरपूर एक बड़ी-सी विशाल झील के पास ले गए। वहां जाकर भी उन्होंने एक मुट्ठी नमक लिया और झील के पानी में डाल दिया। महात्मा जी ने उस व्यक्ति से झील का पानी पीने को कहा। उस व्यक्ति ने आसानी से भरपेट पानी पी लिया। पानी के स्वाद के बारे में पूछने पर उस व्यक्ति ने बतलाया कि पानी एकदम मीठा था और उस पर नमक का कोई असर हुआ ही नहीं। महात्मा ने समझाते हुए कहा कि हम सबके दुख और परेशानियां एक मुट्ठी नमक के समान ही होती हैं लेकिन उनका अनुभव इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें कितने बड़े जल के पात्र में मिलाया जाता है। गिलास रूपी पात्र के जल में मिलाने पर वे असहाय हो जाती हैं लेकिन झील

जैसे विस्तृत क्षेत्र की विशाल जल राशि में मिलाने पर वे अपना अस्तित्व खोकर महत्वहीन हो जाती हैं। यदि दुखों की तीव्रता के प्रभाव से मुक्त रहना है तो हमें अपने अस्तित्व बोध को विस्तृत करना होगा, उसे विराट बनाना होगा।

जब हमारा अस्तित्व बोध विस्तृत हो जाता है तो हमारी उत्तरदायित्वों को वहन करने की क्षमता विकसित होकर हमारी समस्याओं को साप्त कर देती है।

> जब हम किसी से मिलते होते हैं तो चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए। मुस्कान की वजह से रिश्तों में प्रेम बना रहता है।

> जब हम किसी से मिलते होते हैं तो चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए। मुस्कान की वजह से रिश्तों में प्रेम बना रहता है।

अपनी किस्मत का पहिया घुमाएं और कर लें दुनिया मुट्ठी में

हर व्यक्ति अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है। जीवन की असली परीक्षा शिक्षा पूरी करने के बाद शुरू होती है, जब व्यक्ति प्रतियोगिता के दौर में स्वयं का मुकाम हासिल करने की कोशिश करता है। कठिन प्रतियोगिता के इस दौर में स्वयं को स्थापित करना किसी चुनौती से कम नहीं होता, इसलिए हर व्यक्ति जी-तोड़ मेहनत करता है।

जीवन में सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने पर विश्वास रखें।

किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले अपने अंदर यह विश्वास जगाएं कि आप उस काम को कर सकते हैं। कई बार कठिनाइयों को देखते हुए आप अपना विश्वास खोने लगते हैं। हम जब ऐसा करते हैं तो कई बार उस कार्य को पूरे फोकस से नहीं करते। ऐसा करना सफलता की राह में बड़ी परेशानी बन सकती है।

व्यक्ति को हमेशा सकारात्मक सोचना चाहिए। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। जब आप किसी कार्य को सकारात्मक सोच के साथ करते हैं तो आपको हमेशा यह सोच कर ही काम करना चाहिए कि जो कार्य आप कर रहे हैं, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। अगर किसी काम की शुरुआत में ही आप यह सोच लें कि आप जो कार्य कर रहे हैं, उसमें आपको सफलता नहीं मिलेगी, तो मुमकिन है कि आप उस कार्य में असफल हो जाएं।

कमर हिलाकर नोरा फतेही ने क्रूज पार्टी में लगाई आग

डांस का वीडियो वायरल होते ही नेटिजंस ने कर डाला ट्रोल

बॉलीवुड की सुपर ग्लैमरस और सिजलिंग एक्ट्रेस नोरा फतेही अपने डांस को लेकर आए दिन चर्चा में बनी रहती है। वहीं नोरा बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस में से एक है। साथ ही एक्ट्रेस अपने डांस मूव्य के लिए जानी जाती है। इन दिनों नोरा अपकमिंग फिल्म क्रैक को लेकर सुर्खियों में है। जो जल्द ही थिएटर में दस्तक देने वाली है।

क्रूज पर जमकर डांस करते नजर आई नोरा

दरअसल, हाल ही में नोरा फतेही ने 6 फरवरी को अपना 32वां बर्थडे सेलिब्रेट किया है। वहीं नोरा ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर क्रूज पर एक छोटी सी पार्टी रखीं। जिसका वीडियो अब एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। जहां वह क्रूज पर झूम-झूम कर डांस करती नजर आई। वहीं इस वीडियो में एक्ट्रेस अपने दोस्तों के साथ खूब मस्ती करती हुई दिखाई दे रही हैं। अब उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हुईं एक्ट्रेस

हलांकि, यूजर्स ने उनके डांस को लेकर ट्रोल करना शुरू कर दिया है और तरह तरह के कमेंट करते नजर आ रहे है। एक यूजर्स ने एक्ट्रेस के वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, "यार ये सच में पागल हो गई है।" वहीं दूसरे ने लिखा, "क्या इस साल भी उन्होंने अपना बर्थडे क्रूज पर मनाया है, हद है यार।" दरअसल, बीते साल भी एक्ट्रेस नोरा ने क्रूज पर ही बर्थडे मनाया था।

नोरा फतेही का फिल्मी करियर

एक्ट्रेस की फिल्मी करियर की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार आयुष्मान खुराना की फिल्म 'एन एक्शन हीरो' में देखा गया था। वहीं अब नोरा एक्टर विद्युत जामवाल की अपकमिंग फिल्म क्रेक में नजर आने वाली है। जो 23 फरवरी 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी। इसके साथ ही नोरा कई रियलिटी शोज में जजेस भी रह चुकी है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कियारा आडवाणी संग शेयर की रोमांटिक फोटोज, एक दूसरे की आंखों में डूबा दिखा कपल

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अभी हाल ही में अपनी पत्नी कियारा आडवाणी संग रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज को कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की ये तस्वीरें आते ही छा गईं। बॉलीवुड के बेस्ट कपल में से एक कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की जोड़ी सोशल मीडिया काफी चर्चा में रहती है। इसी बीच सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी पत्नी कियारा आडवाणी संग कुछ रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की ये तस्वीरें आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के रोमांटिक अंदाज को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। तो चलिए देखते हैं कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की ये नई तस्वीरें।

नए लुक में नजर आए सिद्धार्थ मल्होत्रा

सिद्धार्थ मल्होत्रा की जो फोटोज सामने आई हैं। उन फोटोज में सिद्धार्थ मल्होत्रा नए लुक में दिखाई दिए। सिद्धार्थ मल्होत्रा सूट-बूट में नजर आएं। इस वायरल हो रही तस्वीर में कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा साथ में दिखाई दे रहे हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी को साथ देख फैंस काफी खुश नजर आए। सिद्धार्थ मल्होत्रा अपने नए लुक बेहद हैंडसम लग रहे हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा का ये लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। सिद्धार्थ मल्होत्रा-कियारा आडवाणी की ये मिरर सेल्फी खूब वायरल हो रही है। सिद्धार्थ मल्होत्रा-कियारा आडवाणी इस तस्वीर में एकदम अलग अंदाज में दिखे।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी इस वायरल हो रही तस्वीर में काफी खुश दिखाई दिए। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की इस तस्वीर पर फैंस दिल हार बैठे।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के नए लुक पर फैंस फिदा हो गए। सिद्धार्थ मल्होत्रा-कियारा आडवाणी की इस तस्वीर को देखने के बाद देखते रह गए। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की जोड़ी लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की इस तस्वीर फैंस खूब कमेंट्स कर रहे हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा-कियारा आडवाणी की तस्वीरों पर कमेंट करते हुए यूजर्स इन दोनों की जोड़ी को बेस्ट बताते हुए नजर नजर आ रहे हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा इस तस्वीर में रोमांटिक पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं।

सैयामी खेर के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट, निर्देशक नीरज पांडे की इस फिल्म में आएंगी नजर

सैयामी खेर बॉलीवुड की उन चुनिंदा कलाकारों में से एक हैं जिन्हें अगर अच्छी भूमिका मिले तो वे कमाल कर सकती हैं। अभिनेत्री ने अपनी पिछली फिल्म 'घूमर' से इस बात को साबित किया है। फिल्म समीक्षकों से लेकर आम दर्शक, सभी ने इस फिल्म की खूब तारीफ की है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो निर्देशक नीरज पांडे को 'घूमर' में सैयामी का काम इतना पसंद आया कि उन्होंने अभिनेत्री को अपनी आगामी फिल्म के लिए साइन कर लिया है।

स्त्री केंद्रित होगी फिल्म

सैयामी खेर इन दिनों लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। सूत्रों की मानें तो सैयामी निर्देशक नीरज पांडे की अगली फिल्म में नजर आ सकती हैं। नीरज की यह फिल्म स्त्री केंद्रित होगी। इस फिल्म में सैयामी एक लेखिका की भूमिका में नजर आ सकती हैं।

30 दिन में पूरी होगी फिल्म

नीरज पांडे अपनी आगामी फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्हें फिल्म 'घूमर' में सैयामी का काम काफी पंसद आया था। इस फिल्म को देखने के बाद उन्होंने तय कर लिया कि वे अपनी अगली फिल्म सैयामी के साथ ही बनाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नीरज एक ही शेड्यूल में इस पूरी फिल्म की शूटिंग समाप्त कर लेना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने तैयारियां भी शुरू कर दी है। उम्मीद की जा रही है कि 15 फरवरी से इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी सैयामी की फिल्म

सैयामी खेर की फिल्म 'घूमर' ने भले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं किया हो, लेकिन बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक अनुराग कश्यप से लेकर आर बाल्कि तक सब ने भी दिल खोल इस फिल्म में उनकी एक्टिंग की तारीफ की है। 'घूमर' देखने के बाद नीरज पांडे तो बस एक ऐसी स्क्रिप्ट के इंतजार में थे जिसमें सैयामी फिट हो सकें। सैयामी को भी नीरज की फिल्म की कहानी काफी पसंद आई और उन्होंने भी इस फिल्म के लिए तुरंत हां कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सैयामी की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी।

प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर माहिरा खान ने तोड़ी चुप्पी, अभिनय से ब्रेक लेने पर की यह बात

पाकिस्तानी अभिनेत्री माहिरा खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब चर्चा में चल रही हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि माहिरा खान अपनी दूसरी शादी के तीन महीने बाद ही प्रेग्नेंट हो गई हैं। अब अभिनेत्री ने इन अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है और अपने फैंस को सच्चाई बताई है। आइए जानते है कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

माहिरा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इन अफवाहों को खारिज कर दिया। पिछले दिनों माहिरा के अभिनय से ब्रेक लेने की इस खबर ने हर तरफ सुर्खियां बटोरी थी, जिसे लोगों ने अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी से जोड़ दिया था। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में यह भी दावा किया गया था कि माहिरा ने नेटफ्लिक्स की 'जो बचे संग समेट लो' और एक अन्य फिल्म से ब्रेक लिया है और अभी वे अभी किसी भी प्रोजेक्ट पर काम नहीं करने वाली हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक माहिरा ने कहा, यह सच नहीं है कि मैं प्रेग्नेंट हूं और मैंने नेटफ्लिक्स सीरीज नहीं छोड़ी है। गौरतलब है कि शादी के बाद माहिरा अपने करियर पर पूरा ध्यान देना चाहती हैं। अभिनेत्री के करियर के लिए यह प्रोजेक्ट काफी मायने रखता है और लंबे समय से काम करने के लिए उत्साहित भी हैं।

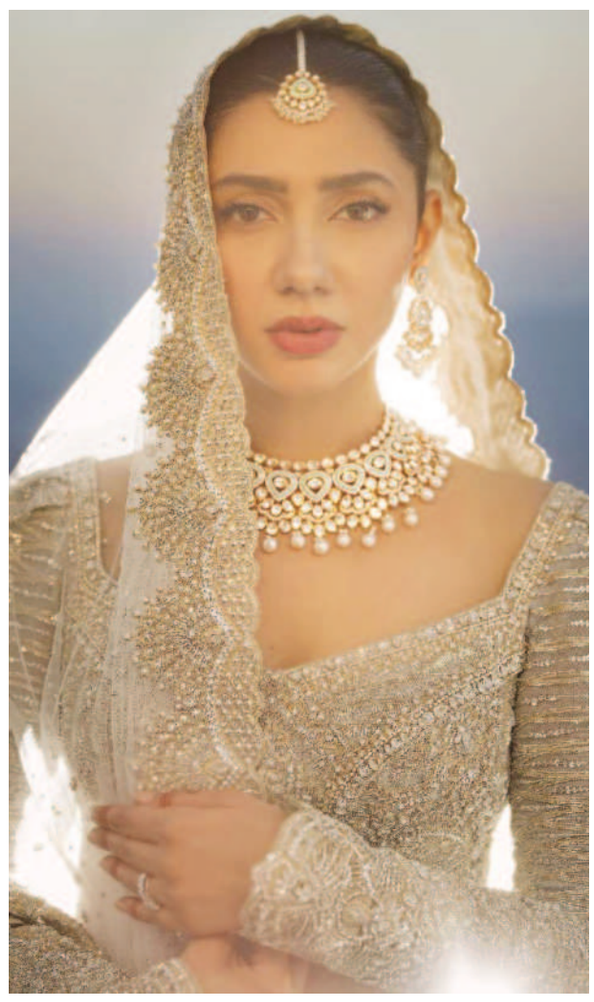

माहिरा खान की प्रेग्नेंसी को लेकर वायरल हुए पोस्ट में लिखा था, 'तो मुझे करीब सूत्र से ये खबर मिली है कि उन्होंने एक बड़ी फिल्म के साथ-साथ नेटफ्लिक्स के प्रोजेक्ट को भी छोड़ दिया है। क्योंकि वो अगस्त या सितंबर में अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं।'

माहिरा ने पिछले दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर कई खुलासे किए थे। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने एक पोस्ट में लिखा था "ठीक 10 साल पहले मेरी जिंदगी बदल गई। मैं 24 साल की लड़की थी और मेरी गोद में एक बच्चा था और मैं अपना 25वां जन्मदिन मना रही थी। ये दस साल एक हजार साल की तरह लगते हैं। जीवन भर के अनुभवों के साथ। मैं मां बनी, मैं अभिनेत्री बनी। मैंने सफलता और प्रसिद्धि देखी। मुझे प्यार हो गया। कई बार मैंने उम्मीद खो दी और ज्यादातर समय साहस जुटाया। मुझे अपने कुछ सपनों का एहसास हुआ और कुछ को छोड़ना पड़ा। मैं हर चीज के लिए बहुत आभारी

सामाजिक मुद्दों पर फिल्में बनाती हैं भूमि पेडनेकर, ये मूवीज देखना ना भूलें

भूमि पेडनेकर की कुछ खास फिल्में अगर आपने नहीं देखा है तो इन फिल्मों को एक बार जरूर देखना चाहिए। भूमि पेडनेकर की फिल्में काफी धमाकेदार होती हैं। पहली फिल्म में मोटी महिला का किरदार निभाकर भूमि पेडनेकर ने सभी का दिल जीत लिया था। अब भूमि पेडनेकर काफी नामी एक्ट्रेस बन चुकी हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको भूमि पेडनेकर की 5 धमाकेदार फिल्मों के बारे में बताने वाले हैं।

दम लगा के हईशा

दम लगा के हईशा इस फिल्म के जरिए भूमि पेडनेकर ने इंडस्ट्री में कदम रखा था। इस फिल्म में मोटी महिला का किरदार निभाने के लिए अभिनेत्री को अपना वजन काफी हद तक बढ़ाना पड़ा था। यह फिल्म वजन को लेकर समाज में फैली लोगों की गलत सोच पर बनी है।

टॉयलेट एक प्रेम कथा

अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर की धमाकेदार फिल्म टॉयलेट एक प्रेम कथा में दिखाया गया है कि गांव की महिलाएं कैसे खुले में बाथरूम करने जाती हैं। जिसके कारण उन्हें किन दिक्कतों का सामना करना होता है। सामाजिक मुद्दों पर बनी इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

बधाई दो

भूमि पेडनेकर की फिल्म बधाई दो भी काफी खास है। इस फिल्म में LGBTQ समाज के बारे में काफी कुछ दिखाया गया है। भूमि की फिल्मों की कहानी काफी जबरदस्त होती हैं। एक्ट्रेस के अभिनय ने इस फिल्म में सभी को हैरान कर दिया था।

भीड़

कोविड के दौरान हुए लॉकडाउन में लोगों ने किन चीजों का सामना किया। इस फिल्म में काफी खास तरीके से दिखाया गया है। लॉकडाउन के दौरान गरीब लोगों की हालत के बारे में इस फिल्म में दिखाया गया है। इस फिल्म में आपको भूमि पेडनेकर की धमाकेदार एक्टिंग काफी ज्यादा पसंद आने वाली हैं।

भूल भुलैया 3 में नजर आएंगी विद्या बालन, कार्तिक आर्यन ने किया सोशल मीडिया पर ऐलान

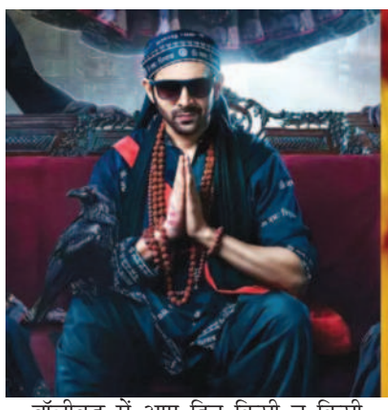

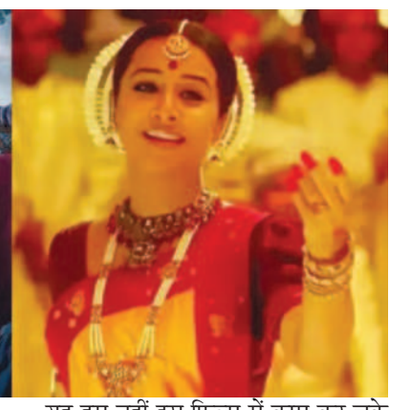

बॉलीवुड में आए दिन किसी न किसी फिल्म का रीमेक या सीक्वल बनता है। इसे दर्शक कई बार काफी पसंद करते हैं तो कभी यह एक्सपेरिमेंट फ्लॉप भी हो जाता है। ऐसे ही कॉमेडी और थ्रिलर से भरपूर 'भूल भुलैया' फिल्म की बात करें तो पार्ट 1 और 2 के बाद अब इस फिल्म का पार्ट 3 भी बनने की तैयारी शुरू की जा चुकी है।

यह हम नहीं इस फिल्म में काम कर चुके एक्टर कार्तिक आर्यन कह रहे हैं। हाल ही में एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने इस फिल्म से जुड़ी कई चीजें बताई और स्टारकास्ट के बारे में भी एक बड़ी खबर शेयर की।

एक्टर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने इस फिल्म के अहम किरदार मंजुलिका के रोल के बारे में बताया है कि एक बार इस करैक्टर को विद्या बालन निभाने वाली है और वह पूरे मन से उनका एक बार फिर स्वागत करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने इस फिल्म के डायरेक्टर अनीज बाजमी और लेबल टी-सीरीज को टैग किया है। वहीं वीडियो की बात करें तो इस वीडियो में भूल भुलैया के पार्ट 1 और 2 के गाने 'मेरे ढोलना' (आमी छे तोमार) के कुछ सीन्स को एडिट करके दिखाया गया है, जिसमें कार्तिक आर्यन और विद्या बालन नजर आ रहे हैं।

वैसे तो शूटिंग से जुड़ी कोई जानकारी इस पोस्ट में या सूत्रों से नहीं मिली है, लेकिन यह फिल्म इस साल 2024 की दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली है। यह खबर कार्तिक आर्यन की इस पोस्ट में ही आपको देखने को मिल जाएगी। वहीं इस वीडियो को कार्तिक आर्यन के अलावा विद्या बालन ने भी अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

वैलेंटाइन डे पर गर्लफ्रेंड को दें ये खास तोहफे

14 फरवरी को वैलेंटाइन डे है। वैलेंटाइन डे दो प्यार करने वालों के लिए जश्न का दिन होता है। इस दिन को प्यार के त्योहार के रूप में मनाते हैं। आमतौर पर वैलेंटाइन डे के मौके पर कपल एक दूसरे को तोहफे देते हैं। ज्यादातर पार्टनर अपने साथी से तोहफे की उम्मीद करते हैं।

तोहफे आपकी भावनाओं की अभिव्यक्ति करते हैं, साथ ही आपके प्यार का प्रतीक भी होते हैं। सालों-साल आपके और साथी के प्यार की याद बनकर रहते हैं। अगर आप किसी लड़की को यानी अपनी गर्लफ्रेंड या पत्नी को वैलेंटाइन डे के मौके पर तोहफा देने की सोच रहे हैं तो यहां आपको कुछ उपहारों का आइडिया दिया जा रहा है, जो आपकी जेब का बोझ भी नहीं बढ़ाएंगे।

हैंडमेड कार्ड्स या अल्बम

अपने हाथों से बनाए गए कार्ड्स या फोटो एल्बम व्यक्तिगत और खास होते हैं। यह सस्ता और दिल छू लेने वाला तोहफा गर्लफ्रेंड या पत्नी को जरूर पसंद आएगा।

ज्वेलरी

सस्ती और खूबसूरत फैशन ज्वेलरी उपहार के रूप में महत्वपूर्ण हो सकती है। एक छोटी सी झुमकी, ब्रेसलेट, पायल या नेकपीस तोहफे में देकर लड़कियों का दिल जीता जा सकता है।

ब्यूटी या स्किन प्रोडक्ट

किसी तरह का मेकअप का सामान यानी ब्यूटी प्रोडक्ट लड़कियों को जरूर पसंद आएंगे। वहीं स्किन केयर से जुड़ी चीजें, जैसे क्रीम, फेस मास्क, फेस पैक, हेयर सीरम आदि भी तोहफे में दे सकते हैं।

बैग

गर्लफ्रेंड या पत्नी को हैंड बैग की जरूरत होती ही है। उनकी जरूरत और अपने बजट के मुताबिक तोहफे में पर्स दे सकते हैं। आनलाइन आपको कई तरह के पर्स के विकल्प मिल जाएंगे। साथ ही कम पैसों में लड़कियों की पसंद की सामान ले सकते हैं।

शादी के बाद पहले वैलेंटाइन डे को बनाना चाहते हैं खास, तो अपनाएं ये टिप्स

अगर आप अपने पार्टनर के साथ पहली बार वैलेंटाइन डे मनाने जा रहे हैं, तो यकीनन ये आपके लिए बेहद खास होगा। आप इस दिन को सबसे अलग और खास बनाना चाहते होंगे, ताकि यह आपको जिंदगीभर याद रहे। इस दिन आप ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहेंगे, जिससे आपका पार्टनर दुखी हो। कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिससे आप अपना पहला वैलेंटाइन डे बेस्ट मना सकते हैं। इन टिप्स को आप कम बजट में भी पूरा कर सकते हैं।

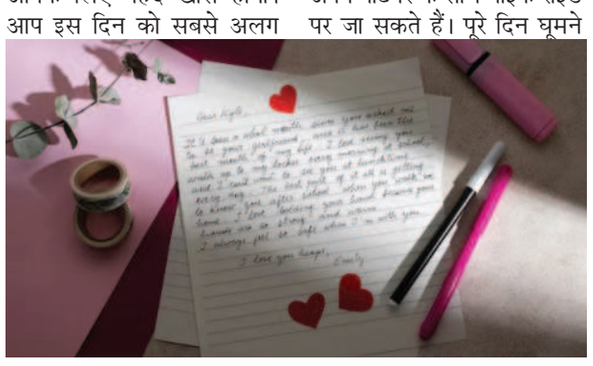

पार्टनर के लिए खरीदें प्यारा गिफ्ट

अपने पहले वैलेंटाइन डे को खास बनाने के लिए आपको अपने पार्टनर के लिए गिफ्ट जरूर लेना चाहिए। अगर आपका बजट अच्छा है, तो आप स्मार्ट वॉच, ईयरबड्स और हैडफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम गिफ्ट कर सकते हैं। लेकिन अगर आप कम बजट में सेलिब्रेशन करना चाहते हैं, तो आप कॉफी मग, फूलों का बुर्के, फोटो फ्रेम, फोटो फ्रेम मोबाइल कवर, रिंग या ड्रेस जैसी गिफ्ट कर सकते हैं।

प्लान करें सरप्राइज ट्रिप

पहले वैलेंटाइन डे को यादगार बनाने के लिए आप रोमांटिक ट्रिप भी प्लान कर सकते हैं। आप अपने पार्टनर के साथ बाइक राइड पर जा सकते हैं। पूरे दिन घूमने के बाद रात में अकेले वक्त बिता सकते हैं।

पार्टनर को गिफ्ट के साथ दें हाथ से लिखा हुआ पत्र

पहले वैलेंटाइन डे को खास बनाने के लिए आप उनके लिए एक लव लेटर लिख सकते हैं। इसमें आप अपनी भावनाओं को लिखें। अगर आपको समझ ना आए, तो आप इसमें अपनी पहली मुलाकात की यात्रा का जिक्र कर सकते हैं। साथ ही, लेटर में बता सकते हैं कि आखिर आपको उनमें क्या अच्छा लगता है।

एक अच्छा रेस्टोरेंट करें बुक

पहले वैलेंटाइन डे पर आप अपने पार्टनर के साथ एक अच्छे रेस्टोरेंट में खाना खाने जा सकते हैं। उनकी पसंद का खाना बुक कर सकते हैं। (पार्टनर को इंप्रेस करने के लिए टेडी बियर के साथ दें ये स्पेशल गिफ्ट)

पार्टनर को इस तरह दें सरप्राइज

अगर आप ट्रिप प्लान नहीं कर पा रहे हैं, तो आप अपने पहले वैलेंटाइन पर उन्हें वहां ले जा सकते हैं, जहां आप उनसे पहली बार मिले थे। इस तरह आपकी पहली मुलाकात के पल भी यादगार हो जाएंगे। (इस तरह के टेडी बियर लड़कियों को आते हैं पसंद)

कम खर्चे में इस तरह सेलिब्रेट करें वैलेंटाइन डे

अगर आप अपने पार्टनर को किसी महंगी जगह पर नहीं ले जा सकते हैं या फिर उन्हें महंगे गिफ्ट नहीं दे सकते, तो परेशान न हो। आप घर पर ही उनके लिए वैलेंटाइन प्लान कर सकते हैं। आप घर पर ही उनके साथ एक रोमांटिक डिनर प्लान कर सकते हैं। इसके लिए आप अपने कमरे को LED लाइटों से सजाएं। इसके बाद घर की चादर पर गुलाब की पंखुड़ियां फैला दें।

पार्टनर के लिए अपने हाथों से खाना बनाएं।

इसके बाद हल्का म्यूजिक बजाकर पार्टनर के साथ कैंडल लाइट डिनर करें।

यकीन मानिए आप इस दिन को कभी नहीं भूल पाएंगे।

प्यार पैसों से नहीं दिल से किया जाता है। अगर आपका प्यार आपसे सच्चा प्यार करता होगा, तो यह सब देखकर वह बेहद खुश हो जाएगा।

मीलों की दूरी को करें कम, इस तरह मनाएं लॉन्ग डिस्टेंस कपल वैलेंटाइन डे

वैलेंटाइन डे के मौके पर कपल एक दूसरे के साथ वक्त बिताना चाहते हैं। एक दूसरे के लिए कुछ खास करना चाहते हैं। हालांकि कुछ कपल एक दूसरे के साथ नहीं रहते। शिक्षा या नौकरी के कारण एक दूसरे से अलग-अलग शहरों, राज्य या देश में रहते हैं। अब ऐसे कपल वैलेंटाइन डे के मौके पर अपने साथी के बिना अकेलापन महसूस करते हैं। लॉन्ग डिस्टेंस वाले कपल रिलेशनशिप में होते हुए भी वैलेंटाइन डे कैसे मनाएं यह जानना चाहते हैं। आइए जानते हैं वैलेंटाइन डे पर दूरी होने के बावजूद लॉन्ग डिस्टेंस कपल कैसे मना सकते हैं ये दिन।

तोहफा दें

वैलेंटाइन डे पर अपने साथी को तोहफा दे सकते हैं। एक दूसरे से दूर हैं तो ऑनलाइन गिफ्ट आर्डर कर सकते हैं और सीधे उनके पते तक पहुंचा सकते हैं। चाहे तो उनके दफ्तर या दोस्त के पते पर तोहफा भेजकर उन्हें सरप्राइज दे सकते हैं। तोहफे के साथ प्यार भरा संदेश लिखकर भेजें ताकि आपकी कमी साथी को महसूस न हो।

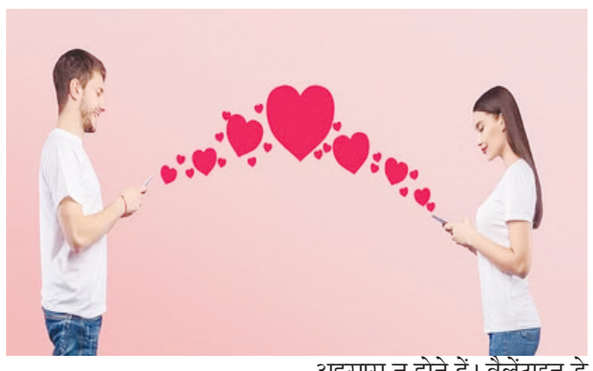

दूर होकर भी पास

आमतौर पर वैलेंटाइन डे पर कपल रोमांटिक डेट, मूवी देखने या डिनर आदि के लिए जाना चाहते हैं लेकिन लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप वाले पार्टनर की गैरमौजूदगी में इस तरह के इवेंट मिस करते हैं। लेकिन इस वैलेंटाइन डे पर उन्हें अकेलापन महसूस न होने दें। आप साथी के साथ वर्चुअल डेट प्लान कर सकते हैं। एक दूसरे के लिए एक जैसा खाना ऑर्डर करके एक समय पर वीडियो कॉल करें और वर्चुअल डिनर डेट करें।

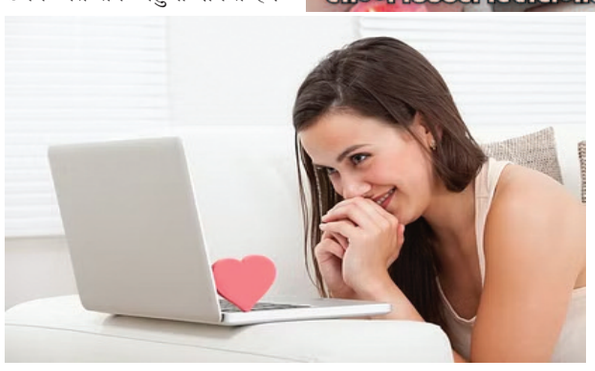

साथ में मूवी डेट

दूर रहकर भी दूरी का अहसास न होने दें। वैलेंटाइन डे पर अपने साथी के साथ मूवी डेट एन्जॉय कर सकते हैं। दूर होकर मूवी कैसे देखें? जब दोनों के पास समय हो तो एक ही मूवी प्ले करें और साथ देखें। आजकल एक ही फिल्म देखते-देखते चैट करने की भी सुविधा मिलती है। मूवी के बीच पार्टनर के लिए स्नैक्स उनके पते पर भिजवाएं।

कह दें दिल की बात

मीलों की दूरी दिल की दूरी नहीं बननी चाहिए। प्यार जाहिर करने के लिए शब्दों को संदेश का रूप देकर भी आप उन्हें भावनाएं समझने का मौका दे सकते हैं। ऐसे में उनके लिए लव लेटर लिख सकते हैं। दूर हैं तो चैट या एसएमएस के जरिए अपने प्रेम संदेश को भेजें। लिखने में कंजूसी न करें, बल्कि भावनाओं को बहने दें।

सैंया जी से ब्रेकअप? ऐसे करें मूव ऑन

कपल्स के लिए वैलेंटाइन डे किसी त्योहार से कम नहीं होता है। इस दिन शादीशुदा हों या प्रेमी कपल , हर कोई अपने पार्टनर से प्यार का इजहार करता है। हालांकि ऐसे रोमांटिक वीक पर कई सिंगल लोग भी होते हैं, कई लोगों का ब्रेकअप हो गया हो तो ये मोहब्बत के दिन आपको परेशान कर सकते हैं। आपको खोया हुआ प्यार दोबारा याद आ सकता है। भले ही आपने सोच समझ कर ब्रेकअप किया हो लेकिन वैलेंटाइन वीक आपको फैसले पर पछतावा करने पर मजबूर कर सकता है, चाहे वो रिश्ता कितना भी बुरा क्यों न रहा हो। ऐसे में जरूरत है खुद के इरादों को मजबूत करने की। आप ये टिप्स आजमा सकते हैं।

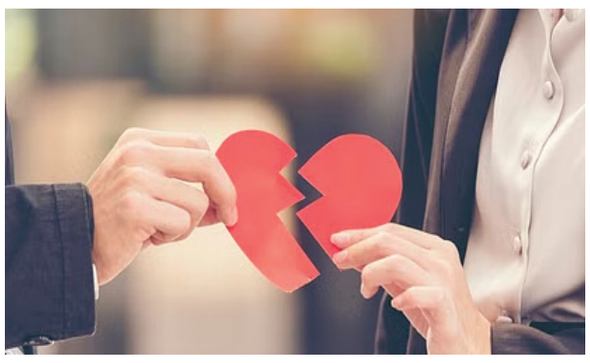

एक्स को स्टॉक न करें

ब्रेकअप के बाद एक्स से दूरी बनाना ही बेहतर है। कई बार लोग ब्रेकअप के बाद अपने एक्स की लाइफ में क्या चल रहा है, इसे जानने के चक्कर में स्टॉकिंग करने लगते हैं। ऐसा करने से आपको ही परेशानी होगी। आप जीवन में या ब्रेकअप के दर्द से बाहर नहीं निकल पाएंगे। इसलिए एक्स को स्टॉक करने से बचें।

खुद को बिजी रखें

ब्रेकअप के बाद लोग उदास, निष्क्रिय हो जाते हैं और किसी भी काम में रूचि नहीं लेते हैं। ऐसे में उनके पास अपने टूटे हुए रिश्ते के बारे में सोचने और एक्स को याद करने के अलावा कुछ नहीं होता। यह तरीका आपको जीवन में आगे बढ़ने से रोकता है। ब्रेकअप के बाद मूव ऑन करें। इसके लिए खुद को व्यस्त रखें। व्यस्तता से आप एक्स के बारे में भूल जाएंगे और खुश रहने लगेंगे।

परिवार- दोस्तों के साथ समय बिताएं

अकेले ब्रेकअप के दर्द से बाहर निकलना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं। इससे आप का दुख कम होगा। परिवार और दोस्तों संग रहने से परेशानी हल हो सकती है। उनसे खुल कर अपने दिल की बात कहें और मन में दबे दर्द को बाहर निकालकर मूव ऑन करें।

गलत चीजों से दूरी रखें

अक्सर लोग ब्रेकअप के बाद दुख में होते हैं, जिसे कम करने के लिए वह गलत तरीके अपना लेते हैं। उन्हें लगता है कि ब्रेकअप के दर्द को ड्रिंक के जरिए कम किया जा सकता है। आपको समझने की जरूरत है कि रिश्ता एक व्यक्ति के साथ टूटा है, लेकिन जिंदगी में कई ऐसे लोग हैं जो आपसे बहुत प्यार करते हैं। उन्हे बारे में सोचते हुए गलत चीजों से दूर रहें।

रोटियों को घंटों गर्म और मुलायम रखने के लिए घर बैठे बनाएं रोटी कवर

सर्दियों में रोटियों को ज्यादा देर तक गर्म रखना किसी चैलेंज से कम नहीं है। इसके लिए महिलाएं कई रह तरह के नुस्खें अपनाती हैं। पर फिर भी हर नुस्खा फेल हो जाता है। इसी बीच हम आपके लिए रोटी को गर्म और मुलायम रखने के लिए एक बेस्ट ऑप्शन लेकर आए हैं। इसके लिए आप रोटी कवर का इस्तेमाल कर सकती हैं। अब आप सींच रही होंगी कि आखिर ये क्या चीज है। हॉटपॉट के बारे में तो सभी जानते हैं। लेकिन, क्या आपको रोटी कवर के बारे में जानकारी है। अगर नहीं, तो जान लीजिए। यहां हम घर पर 5 मिनट में ये कवर बनाने के लिए बताएंगे, जिसके बाद आपकी रोटियां भी बिल्कुल गर्म और सॉफ्ट रहेंगी। खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा सामानों की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। तो आइए इस आर्टिकल में जानते हैं रोटी कवर बनाने का आसान सा तरीका।

आवश्यक सामाग्री

व्हाइट कॉटन कपड़े

प्रिंटेड कपड़े

फोम

चैन

रोटी कवर कैसे बनाएं?

घर पर रोटी कवर बनाने के लिए आपको सबसे पहले रोटी के आकार से थोड़ा बड़ा गोल बर्तन लेना है।

अब, कॉटन और प्रिंटेड कपड़ों के ऊपर इस बर्तन की मदद से गोलाकार चिन्ह बना लेना है।

अब व्हाइट कॉटन कपड़े और प्रिंटेड कपड़े से 2-2 गोला काट कर निकाल लेना है।

इसके साथ ही फोम से भी दो गोलाकार काट कर निकाल लेना है। (सिलाई से जुड़े यह अमेजिंग हैक्स जानने के बाद दंग रह जाएंगी आप)

अब, आपको सबसे नीचे सफेद कपड़ा फिर फोम और इसके उपर प्रिंटेड गोले को बराबर से रखकर इसे सिलाई कर दें।

ध्यान रहे इसे पलटने के लिए 2 इंच छोड़कर सिलाई करना है।

सिलने के बाद इसे पलट दें ताकि सिलाई के निशान ना दिखे।

इस तरह आपको मटेरियल से दो गोलाकार तैयार कर लेना है।

इसे भी पढ़ें- पुरानी बेडशीट को फेंके नहीं, ऐसे करें इस्तेमाल

इसके बाद दोनों को एक के बाद एक ऐसे रखना है कि सफेद वाला कपड़ा अंदर की ओर रहे।

इसके बाद आधे किनारे को छोड़ कर बाकी में गोल से सिलाई कर दें।

लीजिए बस आपका रोटी कवर बनकर तैयार है। आप चाहें तो इसमें जिप भी अटैच कर सकती हैं।

अगर आप चाहें तो, इसे वर्गाकार में भी बना सकती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने की 'पीएम सूर्य घर' योजना की घोषणा, हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए मंगलवार को 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' की घोषणा की। उन्होंने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''सतत विकास और लोगों की भलाई के लिए, हम पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना शुरू कर रहे हैं।''उन्होंने कहा, ''75,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके 1 करोड़ घरों को रोशन करना है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों के बैंक खातों में सीधे दी जाने वाली पर्याप्त सब्सिडी से लेकर भारी रियायती बैंक

ऋण तक, केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि लोगों पर लागत का कोई बोझ न पड़े। उन्होंने कहा, ''सभी हितधारकों को एक राष्ट्रीय ऑनलाइन पोर्टल के साथ समेकित किया जाएगा जो और भी सहूलियतों को बढ़ाएगा।'' मोदी ने कहा कि जमीनी स्तर पर इस योजना को लोकप्रिय बनाने के लिए शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को अपने अधिकार क्षेत्र में रूफटॉप सौर प्रणालियों (छतों पर सौर ऊर्जा) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।उन्होंने कहा, ''साथ ही, इस योजना से लोगों के लिए अधिक आय, कम बिजली बिल और रोजगार सृजन होगा।'' प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा और सतत प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सभी आवासीय उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं से आग्रह किया कि वे 'पीएमसूर्यघर डॉट जीओवी डॉट इन' पर आवेदन करके पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना को मजबूत करें।

आंदोलन से सब्जियों की कीमतों में लगेगी आग, आम लोगों पर पड़ सकती है महंगाई की मार

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।किसान आंदोलन के कारण सब्जियों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है। किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए यूपी गेट सहित सभी मुख्य मार्गों पर बाड़ेबंदी कर दी गई है, जिससे दिल्ली आने-जाने में परेशानी हो गई है। इसका सीधा असर सब्जियों की सप्लाई और इसकी कीमतों पर पड़ सकता है।

पिछली बार भी किसान आंदोलन के कारण सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। सब्जी विक्रेता विनोद कुमार ने अमर उजाला को बताया कि वे गाजीपुर सब्जी मंडी से सब्जियां लेकर पूर्वी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बेचते हैं। अब तक गाजीपुर से बाजार तक सब्जी ले जाने के लिए दो सौ से तीन सौ रुपये के बीच ऑटो मिल जाते थे, लेकिन आज की स्थिति देखते हुए उन्हें पांच सौ रुपये देने पड़ रहे हैं।

पहले तो ऑटो आने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं क्योंकि उन्हें मंडी में आने के लिए और वापसी के समय लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, इसलिए वे ज्यादा किराया मांग रहे हैं। गाजीपुर सब्जी मंडी में मेरठ, मुजफ्फरनगर, हापुड़, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा से भी सब्जियां बिकने के लिए आती हैं। लेकिन आने-जाने की इस परेशानी के कारण अब उनका किराया भी बढ़ जाएगा। इसका सीधा असर सब्जियों की कीमतों पर पड़ सकता है। इसी तरह हरियाणा से सिंधु बॉर्डर के जरिए सब्जियों की आवक पर असर पड़ सकता है। यहां से गोभी, मिर्च, पालक जैसी हरी सब्जियां दिल्ली में पहुंचती हैं। इसका सीधा असर कीमतों के रूप में देखने को मिल सकता है।

रतन टाटा का राइट हैंड है ये 60 साल का शख्स

मिलती है 100 करोड़ सैलरी, कंधों पर हैं ये बड़ी जिम्मेदारियां

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। देश की दिग्गज और विश्वसनीय कंपनी टाटा की कमान एन चंद्रशेखरन संभाल रहे हैं। एन चंद्रशेखरन कंपनी के साथ-साथ रतन टाटा के भी बेहद करीब हैं। आज चंद्रशेखर आज जिन कंपनी की कमान संभालते हैं, कभी उसी कंपनी में इंटर्नशिप करते थे। हालांकि यह बात ज्यादातर लोगों को पता नहीं है। रतन टाटा उनपर भरोसा करते हैं। एन चंद्रशेखरन 128 अरब डॉलर वाली टाटा कंपनी को बीते सात सालों से संभाल रहे हैं। टाटा-साइरस मिस्त्री विवाद के बाद उन्हें टाटा संस का चेयरमैन बनाया गया था। चंद्रशेखरन की पत्नी का नाम ललिता है और उनका बेटा है जिसका नाम प्रणव चंद्रशेखरन है। एन चंद्रशेखरन ने साल 2020 में 98 करोड़ रुपये में मुंबई की पेडुर रोड पर डुप्लेक्स फ्लैट खरीदा था।

100 करोड़ से ज्यादा सैलरी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चंद्रशेखरन का वेतन साल 2019 में 65 करोड़ रुपये सालाना था। साल 2021-22 में इसे बढ़ाकर 109 करोड़ रुपये कर दिया गया था। वह भारत में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले बिजनेस एक्जीक्यूटिव बने थे। चंद्रशेखरन की अगुआई में 2022 में टाटा ग्रुप का मुनाफा 64267 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। जबकि 2017 में जब उन्होंने कार्यभार संभाला था तब मुनाफा 36728 करोड़ रुपये था। चंद्रशेखरन के कार्यकाल के 5 साल में टाटा ग्रुप का राजस्व 6.37 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 9.44 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस फ्लैट का रेंट ही 20 लाख रुपये महीना है। एन. चंद्रशेखरन का जन्म 1963 में तमिलनाडु के बेहद साधारण किसान परिवार में हुआ, उनका बचपन अभावों में बीता। लेकिन उन्होंने मेहनत में कोई कमी नहीं की। एन चंद्रशेखरन फिटनेस के मामले भी आगे रहते हैं। चंद्रशेखरन कभी भी अपने रुटीन को नहीं तोड़ते हैं। ऑफिस के काम में चाहे कितनी भी देर क्यों न हो जाए वो रोज सुबह 4 बजे उठकर दौड़ते हैं। वो एक मैराथन रनर हैं। मैराथन और हाफ मैराथन में हिस्सा लेने के लिए वो दुनियाभर में घूम चुके हैं।चंद्रशेखरन पढ़ाई पूरी करने के बाद साल 1987 में एक इंटर्न के तौर पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ जुड़े थे। अगले 2 दशक से उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ीं। साल 2007 में उन्हें टीसीएस के बोर्ड में शामिल किया गया और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर बना दिया गया।

बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी से शेयर बाजार में लौटी रौनक, 480 अंकों के उछाल के साथ बंद हुआ सेंसेक्स

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले ट्रेडिंग सेशन में बड़ी गिरावट देखने को बाद मंगलवार का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए राहत लेकर आया. बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीदारी के चलते बाजार में जोरदार तेजी रही. आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारी देखने को मिली है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 483 अंकों के उछाल के साथ 71,555 अंकों पर क्लोज हुआ है जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 127 अंकों की तेजी के साथ 21,743 अंकों पर बंद हुआ है.

मार्केट कैपिटलाइजेशन में उछाल

आज के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है. आज के कारोबार में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 380.80 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले कारोबारी सत्र में 378.85 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. यानि आज के सत्र में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट वैल्यू में 2 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में

खरीदारी देखी गई जिसके चलते बैंक निफ्टी 620 अंकों के उछाल के साथ क्लोज हुआ है. इसके अलावा आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में तेजी देखने को मिली है जबकि कमोडिटी, मीडिया, मेटल्स स्टॉक्स में गिरावट रही है. आज के सत्र में मिड कैप और स्मॉल स्टॉक्स में भी खरीदारी रही जिसके दोनों ही इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 25 शेयर तेजी के साथ तो 5 गिरकर बंद हुए जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 39 शेयर तेजी के साथ और 11 गिरावट के साथ बंद हुए.

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

आज के सत्र में आईसीआईसीआई बैंक 2.46 फीसदी, एक्सिस बैंक 2.30 फीसदी, विप्रो 2.14 फीसदी, एनटीपीसी 1.85 फीसदी, कोटक महिंद्रा 1.58 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट 1.03 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.85 फीसदी, टाइटन 0.60 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

मुकेश अंबानी ने रच दिया इतिहास

रिलायंस बन गई देश की सबसे पहली 20 लाख करोड़ वाली कंपनी

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया में मुकेश अंबानी का डंका बजता ही थी अब उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का भी बजने लगा है रिलायंस इंडस्ट्रीज एशिया की उन गिनी चुनी कंपनियों में से एक हो गई है जिसकी वैल्यूएशन 20 लाख करोड़ रुपए है खास बात तो ये है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जैक मा के अलिबाबा ग्रुप को भी इस मामले में पीछे छोड दिया है रिलायंस से आगे अब टोयोटा है जिसका मार्केट कैप भारतीय रुपए में 31 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है

बाजार के खुलने के दो घंटे में ही रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया है और कंपनी के मार्केट कैप ने नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया बीते कुछ समय से ट्रेड पंडितों की ओर से कहा जा रहा था कि रिलायंस इस जादुई आंकडें को छू लेगी लेकिन किसी को इस बात का यकीन नहीं था कि वो वक्त इतनी जल्दी आ जाएगा मंगलवार को कंपनी के शेयर में करीब दो फीसदी की तेजी देखने को मिली है आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर रिलायंस इंडस्ट्रीज के आंकडें शेयर बाजार में किस तरह के देखने को मिल रहे हैं

रिकॉर्ड लेवल पर रिलायंस इंडस्ट्रीज

13 मार्च 2024 इतिहास के पन्नों पर दर्ज हो चुका है इस दिन देश की कोई सिंगल कंपनी 20 लाख करोड़ रुपए के वैल्यूएशन पर पहुंची है वैसे कंपनी के शेयर में आज 188 फीसदी की तेजी देखने को मिली और कंपनी का शेयर रिकॉर्ड 295780 रुपए पर पहुंच गया वैसे आज कंपनी का शेयर 291040

रुपए की मामूली तेजी के साथ ओपन हुआ था एक दिन पहले कंपनी का शेयर 290295 रुपए के साथ क्लोज हुआ था जानकारों की मानें तो कंपनी का शेयर जल्द ही 3000 रुपए के लेवल को क्रॉस कर जाएगा

20 लाख करोड़ रुपए की हो गई कंपनी

खास बात तो ये है कि रिलांयस इंडस्ट्रीज देश की पहली ऐसी कंपनी बन गई है, जिसकी वैल्यूएशन 20 लाख करोड़ रुपए के पार चला गया वैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज एशिया में उन कंपनियों के क्लब में भी शामिल हो गई है, जिनकी वैल्यूएशन 20 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है जैक मा की अलीबाबा ग्रुप की वैल्यूएशन 15 लाख करोड़ रुपए से भी नीचे चली गई है इसका मतलब है कि रतन टाटा की टीसीएस अब अली बाबा ग्रुप से आगे पहुंच गए हैं रिलायंस इंडस्ट्रीज से आगे अब जापानी ऑटो कंपनी टोयोटा है जिसका मार्केट कैप 31 लाख करोड़ रुपए है

सोमवार को कितना हुआ इजाफा

अगर बात आज की करें तो कंपनी की वैल्यूएशन में ठीक-ठाक इजाफा देखने को मिल चुका है आंकड़ों के अनुसार कंपनी का एक दिन पहले मार्केट कैप 1965 लाख करोड़ रुपए था आज जब कंपनी का शेयर 52 हफ्तों के हाई पर पहुंचा तो कंपनी मार्केट कैप 20,01,80157 करोड़ रुपए पर आ गया इसका मतलब है कि दो घंटे के कारोबार में 37 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला पिछले दो हफ्तों में कंपनी की वैल्यूएशन में एक लाख रुपए का इजाफा देखने को मिला है 29 जनवरी को कंपनी की वैल्यूएशन में 19 लाख करोड़ रुपए का स्तर छू गया था मौजूदा साल में कंपनी के शेयर में 14 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है मौजूदा समय में कंपनी का शेयर 120 फीसदी की तेजी के साथ 293765 रुपए पर कारोबार कर रहा है कंपनी का मार्केट कैप 1988 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है

कुछ ऐसा रहा सफर

अगर बात शेयर बाजार में रिलायंस इंडस्ट्रीज के सफर की बात करें तो अगस्त 2005 में पहली बाजार कंपनी की वैल्यूएशन 1 लाख करोड़ रुपए हो गई थी उसके बाद नवंबर 2019 यानी 15 साल के बाद कंपनी की वैल्यूएशन आंकड़ा 10 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया अब करीब सवा चार साल के बाद कंपनी की वैल्यूशन 20 लाख करोड़ रुपए के पार गई है अगर बात दूसरी कंपनियों की करें तो टीसीएस (15 लाख करोड़ रुपए), एचडीएफसी बैंक (105 लाख करोड़ रुपए), आईसीआईसीआई बैंक (7 लाख करोड़ रुपए) और इंफोसिस (7 लाख करोड़ रुपए) से काफी आगे है

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	06-45 बजे
चंद्र-	मीन में	मीन...	08-23 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	09-59 बजे
बुध-	मकर में	वृष...	11-44 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	13-44 बजे
शुक्र-	मकर में	कर्क...	15-57 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	18-09 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	20-15 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	22-21 बजे
		वृश्चिक..	00-31 बजे
		धनु.....	02-45 बजे
		मकर...	04-50 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-47**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. **-18-13**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर • धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी • **12 -09** • तक उपरान्त षष्ठी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , बुधवार **14 February**
नक्षत्र - रेवती • **10 - 43** • तक उपरान्त अश्विनी
योग - शुभ • **19 - 58** • तक उप शुक्ल
करण- बालव • **12 - 09** • तक उप- कौलव
विशेष:- बसंत पंचमी,श्रीपंचमी
व्रत -त्योहार - सरस्वति ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:30 से 13:57 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:47 - 08:11 शुभ	उत्पात	18:13 - 19:50 अशुभ
अमृत.	08:11 - 09:38 शुभ	शुभ.	19:50 - 21:23 शुभ
काल.	09:38 - 11:04 अशुभ	अमृत	21:23 - 22:57 शुभ
शुभ.	11:04 - 12:30 शुभ	चंचल.	22:57 - 24:30 शुभ
रोग	12:30 - 13:57 अशुभ	रोग	24:30 - 02:04 अशुभ
उत्पात	13:57 - 15:23 अशुभ	काल	02:04 - 03:37 अशुभ
चंचल	15:23 - 16:50 शुभ	लाभ	03:37 - 05:11 शुभ
लाभ	16:50 - 18:13 शुभ	उत्पात	05:11 - 06:47 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है ।आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें। आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कड़वा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें । आप अपनी खुद की देखभाल करने में सक्षम हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें । इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसे हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए । आज चिडचिडे और बीमार से महसूस कर रहें हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा । आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा । आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं ।अगर कहीं किसी महत्वपूर्ण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें । आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा । परिवार के साथ समय बिताएं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

महंगी दाल से राहत नहीं, जनवरी 2024 में 19.54% रही दालों की महंगाई दर, जनवरी 2023 में थी 4.27%

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। 12 फरवरी 2024 को सरकार ने खुदरा महंगाई दर के आंकड़े जारी किए और इन आंकड़ों के तह में जाएं तो भले ही खुदरा महंगाई दर जनवरी 2024 में घटकर 5.10 फीसदी पर आ गई हो लेकिन दालों की महंगाई दर 20 फीसदी के करीब है.

सांख्यिकी मंत्रालय ने जो डेटा जारी किया है उसके मुताबिक जनवरी 2024 में दालों और इससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 19.54 फीसदी रही है जबकि जनवरी 2023 में दालों की महंगाई दर 4.27 फीसदी रही थी.

35.52% महंगी हुई अरहर दाल!

सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स के प्राइस मॉनिटरिंग डिविजन के डेटा के मुताबिक 12 फरवरी 2024 को अरहर दाल की औसत कीमत 149.27 रुपये प्रति किलो रही है

जो एक साल पहले 12 फरवरी 2023 को 110.14 रुपये प्रति किलो हुआ करती थी. एक साल में अरहर दाल की औसत कीमत में 35.52 फीसदी का उछाल आ चुका है. उड़द दाल की मौजूदा औसत कीमत 123.09 रुपये प्रति किलो है जो एक साल पहले 105.1 रुपये किलो थी. यानि उड़द दाल की औसत कीमत में 17.11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. मूंग दाल अभी 116.49 रुपये प्रति किलो में मिल रहा जो बीते साल इसी तारीख को 102.95 रुपये प्रति किलो में मिल रहा था. एक साल में मूंग दाल की कीमत में 13.15 फीसदी का उछाल आया है. चना दाल एक साल पहले 70.51 रुपये में मिल रहा था जो अब 82.93 रुपये किलो में मिल रहा है यानि एक साल में 14.77 फीसदी कीमत बढ़ चुका है.

सरकार के कदम नाकाफी साबित

देश में दालों के खपत के लिए सरकार आयात पर निर्भर है. दालों की महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार ने हाल के दिनों में कई फैसले लिए हैं. सरकार ने अरहर, मसूर और उड़द दाल के ड्यूटी फ्री इंपोर्ट किए जाने की अवधि को 31 मार्च 2025 तक के लिए एक्सटेंड कर दिया है. भारत दाल ब्रांड के नाम से सरकार 60 रुपये प्रति किलो में चना दाल बेच रही है. इसके अलावा अरहर दाल, उड़द और मसूर दाल के स्टॉक लिमिट को घटा दिया गया है साथ इसकी अवधि भी बढ़ाई जा चुकी है इसके बावजूद दालों के दामों में कमी नहीं आ रही है.

नोबेल विजेता बोले- भारत ने सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाई, गो फर्स्ट मामले में ये निर्देश

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारत को सबसे अधिक संभावना वाली एक प्रमुख अर्थव्यवस्था बताते हुए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री ए माइकल स्पेन्स ने कहा है कि देश ने दुनिया में अब तक की सबसे अच्छी डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्तीय ढांचे सफलतापूर्वक विकसित किया है। वर्ष 2001 में आर्थिक विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित स्पेंस ने सोमवार को ग्रेटर नोएडा के बेनेट विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत के दौरान अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, "अभी सर्वाधिक संभावित वृद्धि दर वाली अर्थव्यवस्था भारत है। भारत ने दुनिया में अब तक की सबसे अच्छी डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्त वास्तुकला को सफलतापूर्वक विकसित किया है। यह खुला, प्रतिस्पर्धी है और एक विशाल क्षेत्र में समावेशी प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है।राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने बंद पड़ी विमानन कंपनी गो फर्स्ट की समाधान

प्रक्रिया पूरी करने के लिए समयसीमा 60 दिन के लिए बढ़ा दी है। दिल्ली स्थित एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने गो फर्स्ट के समाधान पेशेवर (आरपी) द्वारा दायर याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) को पूरा करने के लिए समयसीमा बढ़ाने की मांग की गई थी। आरपी की ओर से पेश दिवाकर माहेश्वरी ने दलील दी कि अब तक तीन पार्टियों ने गो फर्स्ट के लिए अपनी रुचि की अभिव्यक्ति सौंपी है और बयाना राशि जमा की है। इन फर्मों से गो फर्स्ट के लिए समाधान योजना प्रस्तुत करने की उम्मीद की जाती है जो 10 मई, 2023 से सीआईआरपी के दौर से गुजर रहा है।

सोने के दाम में गिरावट जारी, सोने चांदी का आज का भाव

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। फ्यूचर्स मार्केट में मंगलवार को सोने के दाम में गिरावट देखने को मिल रही है मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल 2024 सीरीज़ के कॉन्टैक्ट में डिलीवरी वाले गोल्ड में 238 रुपये यानी 038 फीसदी की गिरावट के साथ 6205600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था इससे पिछले सत्र में अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट वाले गोल्ड का रेट 6229400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा थाइसी तरह जून 2024 फ्यूचर में डिलीवरी वाला गोल्ड 157 रुपये यानी 025 फीसदी की गिरावट के साथ 6243300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था इससे पिछले सत्र में जून कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का रेट 6259000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर रहा था एमसीएक्स पर ऐसे ही मार्च 2024 में डिलीवरी वाली चांदी 221 रुपये यानी 031 फीसदी की बढ़त के साथ 7099500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था इससे पिछले सत्र में मार्च कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 7077400 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थीऐसे ही मई 2024 सीरीज़ में डिलीवरी वाली चांदी 241 रुपये यानी 033 फीसदी की बढ़त के साथ 7237300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था इससे पिछले सत्र में मई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 7213200 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थीकॉमेक्स पर फरवरी 2024 में डिलीवरी वाले गोल्ड में 001 फीसदी की गिरावट के साथ 2,03270 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार हो रहा है ऐसे ही कॉमेक्स पर चांदी 001 फीसदी की बढ़त के साथ 22770 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जब नरसिम्हा राव ने जला दी थी महिला की झोपड़ी

निजाम से लड़ने के लिए फौज बनाई, पीएम बने तो नक्सलियों ने जमीन कब्जाई

हैदराबाद, 13 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बात 1926 के दशहरे की है। हैदराबाद के वंगारा गांव में रामलीला हो रही थी। 5 साल के एक लड़के ने लंका दहन का प्रसंग देखा और खुद को हनुमान समझने लगा। लंका जलाने की धुन में उसने गांव की एक महिला की झोपड़ी में आग लगा दी। घर जल गया, तब उसे एहसास हुआ कि बड़ी गलती हो गई है। पिता डांटेंगे, ये सोचकर बच्चा जंगल की तरफ भाग गया। परिवार ने उसे ढूंढा, डांट भी पड़ी।

बच्चे का नाम था पामुलपर्थी वेंकट नरसिम्हा राव, जिसे आगे पीवी नरसिम्हा राव नाम से जाना गया। 9 फरवरी को केंद्र सरकार ने देश के 9वें प्रधानमंत्री रहे पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न सम्मान देने की घोषणा की है। इसके बाद राव के गांव वंगारा में जश्न शुरू हो गया। दूर-दूर से लोग म्यूजियम बन चुका उनका घर देखने आ रहे हैं।

हैदराबाद से करीब 156 किलोमीटर दूर वारंगल और सिद्धिपेठ के बीच वंगारा गांव है। यहां पहुंचने के लिए मेन रोड से 4 किमी अंदर जाना पड़ता है। गांव के रास्ते में आम के कई बाग हैं। पूछने पर पता चला कि ये बाग नरसिम्हा राव और उनके परिवार के हैं। यही मलैया मिले, जो 40 साल से बाग की देखरेख कर रहे हैं। मलैया बताते हैं, 'हमारा पूरा परिवार राव साहब की सेवा करता रहा है। मेरे पिता उनके खेतों में काम करते थे। मेरे भाई ने नरसिम्हा राव के सीएम, पीएम और मंत्री रहते हुए उनके लिए 30 साल तक खाना बनाया। नरसिम्हा राव फॉरेन टूर पर जाते थे, तब भी मेरे भाई को साथ ले जाते थे। उसने नरसिम्हा राव के साथ 40 से ज्यादा देशों की यात्रा की थी।

गांव में 80 साल के राज राजैय्या बताते हैं, 'नरसिम्हा राव उम्र में मुझसे काफी बड़े थे। उनके बचपन के किस्से आज भी गांव में सुनाए जाते हैं। राव बचपन में होशियार होने के साथ शरारती भी थे।'

गांव में अब भी नरसिम्हा राव के परिवार के खेत हैं। खेतों में काम करने वाले अन्ना वेंकटेश बताते हैं, 'लीडरशिप की क्वालिटी नरसिम्हा राव के अंदर कम उम्र से ही थी। वे गांव के छोटे-मोटे झगड़े अपने लेवल पर सुलझा लेते थे। हैदराबाद के निजाम ने 15 अगस्त, 1947 को हैदराबाद को आजाद देश घोषित कर दिया था। नवाब की मिलिशिया रजाकार यानी सेना गांवों पर हमले कर रही थी। नरसिम्हा राव ने रजाकारों से लड़ने के लिए वंगारा गांव के 20 लड़के चुने और अपनी छोटी सी फौज बना ली। गांव में सबसे बड़ा घर नरसिम्हा राव के परिवार का ही है। ऊंची दीवारों से घिरे इस घर के बाहर सफेद रंग की फिएट कार खड़ी है। नरसिम्हा राव के भतीजे रामुजू मुंडेय्या बताते हैं, 'ये नरसिम्हा राव की कार है। सीएम

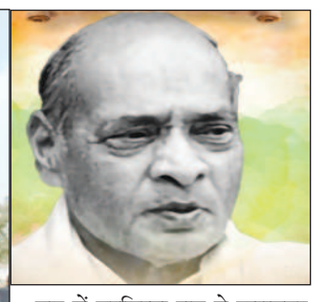

बनने के बाद उन्होंने इसी से पूरे राज्य की यात्रा की थी।'

नरसिम्हा राव के घर के एक साइकिल पडी है। पूछने पर पता चला कि ये नरसिम्हा राव के एक समर्थक की है, जो उनकी हर सभा में आता था। उसे सम्मान देने के लिए नरसिम्हा राव ने घर के मेन गेट पर ये साइकिल रखवाई थी। ड्रॉइंग रूम में नरसिम्हा राव की फोटो लगी है। ऊपर उनके कमरे में पुराना टीवी, बेड, पुराने जूते और कपड़े रखे हैं। रामुजू मुंडेय्या ने बताया कि राव साहब जब भी गांव आते थे, इसी घर में रुकते थे। कमरे के बाहरी हिस्से में समर्थकों के साथ मीटिंग करते थे। 'पीवी नरसिम्हा राव का शुरू से टेक्नोलॉजी के प्रति झुकाव था। गांव में पहला फोन और पहला डिश एंटीना उनके घर में ही लगा था। नरसिम्हा राव का कम्प्यूटर सीखने का किस्सा भी मशहूर है। तब राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे। एक दिन वे ऑफिस में एक दोस्त से बात कर रहे थे। नरसिम्हा भी वहीं थे। राजीव गांधी ने दोस्त से कहा कि मैं इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटरों के आयात की परमिशन देना चाहता हूं, लेकिन पता नहीं पार्टी के पुराने सदस्य इसे कैसे लेंगे। उस पीढ़ी को टेक्नोलॉजी के बारे में कम समझ है। नरसिम्हा राव ने ये बात सुनी और अपने बेटे प्रभाकर राव को हैदराबाद फोन किया। प्रभाकर की कंपनी कम्प्यूटर के इस्तेमाल को लेकर रिसर्च कर रही थी। राव ने प्रभाकर से एक कम्प्यूटर दिल्ली भेजने के लिए कहा। प्रभाकर राव हैदराबाद में टीवी और कम्प्यूटर की यूनिट लगाने का प्लान कर रहे थे। उन्होंने कुछ स्पेयर पार्ट्स के साथ तीन प्रोटोटाइप डेस्कटॉप बना रखे थे। इनमें से एक कम्प्यूटर उन्होंने दिल्ली भेज दिया। साथ ही पिता को कम्प्यूटर सिखाने के लिए एक टीचर भी रख दिया। 65 साल की उम्र में नरसिम्हा राव ने कम्प्यूटर चलाना सीखा था। नरसिम्हा राव के घर के बगल में ही उनके छोटे भाई पीवी मनोहर राव का घर है। 83 साल के मनोहर नरसिम्हा राव को भारत रत्न देने पर कहते हैं, 'ये सम्मान उन्हें 20 साल पहले ही मिल जाना चाहिए था। कांग्रेस के लोग नरसिम्हा राव को भारत रत्न देने के पक्ष में थे, लेकिन कुछ नेताओं के कहने पर ऐसा नहीं किया गया।' मनोहर राव भी कांग्रेस में रहे हैं। वे मनमोहन सिंह के बेहद करीब थे। घर में मनमोहन के साथ उनकी फोटो लगी हैं। मनोहर कहते हैं, 'कांग्रेस में जो भी अच्छा हुआ, उसका श्रेय गांधी परिवार को मिला और जो बुरा हुआ उसे मनमोहन सिंह के मत्थे मढ़ा गया। देश के लिए उनके योगदान को कांग्रेस ने कभी स्वीकार नहीं किया।' मनोहर राव बताते हैं, '1991 में नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने ही थे कि वंगारा गांव पर नक्सलियों ने कब्जा कर लिया। उन्होंने गांव के चौराहे से तिरंगा हटाकर लाल झंडे लगा दिए। उन्होंने हमारे खेतों में लाल झंडे गाड़ दिए और ऐलान कर दिया कि नक्सलियों ने इस गांव पर कब्जा कर लिया है।'

800 एकड़ जमीन सरकार को दान में दी

मनोहर आगे बताते हैं, 'हमारा परिवार जमींदारी करता था। इसलिए हमारे पास काफी जमीन थी। नक्सली एक जमींदार को प्रधानमंत्री बनाने का विरोध कर रहे थे। हालांकि पीएम बनने से पहले यानी 1971 में आंध्रप्रदेश का सीएम रहते हुए ही नरसिम्हा राव ने राज्य में भूमि सुधार कानून लागू कर दिया था। उन्होंने अपनी 800 एकड़ से ज्यादा जमीन सरकार को दान कर दी थी। यही वजह है कि वे नक्सलियों के सीधे निशाने पर कभी नहीं रहे, लेकिन उनके गांव पर कब्जा कर नक्सलियों ने एक बड़ा मैसेज देने की कोशिश की थी।' मनोहर राव बताते हैं कि हमारा पुश्तैनी मकान करीब 60 साल पहले बना था। प्रधानमंत्री के गांव में नक्सलियों के घुसने से देश में गलत संदेश जा सकता था। इसलिए गांव में सीआरपीएफ की एक टुकड़ी आई और कई साल तक इसी घर में कैम्प बनाकर रही। मनोहर राव कहते हैं कि सुरक्षा कारणों से हमें अपना घर भी छोड़ना पड़ा था। मनोहर राव कहते हैं, 'उस वक्त गांव के 60% से ज्यादा लोग नक्सलियों के समर्थक थे। नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्री बनने से पहले आंध्रप्रदेश में नक्सलियों के हमले में 800 से ज्यादा लोग मारे जा चुके थे। इनमें से 392 सुरक्षाकर्मी थे। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, उस वक्त वंगारा में 50 से ज्यादा नक्सली रह रहे थे। नक्सलियों के कब्जा करने के 10 साल बाद नरसिम्हा राव इस गांव में लौटे, जब उनकी मां का निधन हुआ था।'

'नरसिम्हा राव ने आंध्रप्रदेश में भूमि सुधार कानून लागू कराया था। इससे जमींदार उनके विरोध में हो गए। उन्हें राज्य को बांटने की धमकियां मिलने लगीं, इसी दौरान अलग तेलंगाना राज्य की मांग जोर पकड़ने लगी।' 'ये भी कहा जाता है कि राव की सरकार गिराने के लिए कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इस आंदोलन को बढ़ावा दिया था। केंद्र के दखल के बाद आंध्रप्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। कांग्रेस में लगातार विरोध की वजह से वे सिर्फ दो साल ही मुख्यमंत्री रहे।'

मनोहर राव बताते हैं, '1977 में इमरजेंसी खत्म होने के बाद इंदिरा गांधी चुनाव हार गई थीं। इस दौरान नरसिम्हा राव उनके करीबी हो गए थे। नरसिम्हा राव तेलुगु, कन्नड़, तमिल, संस्कृत, हिंदी, ओड़िया, बंगाली, गुजराती और उर्दू के जानकार थे। वहीं अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, लैटिन, फारसी, अरबी और ग्रीक भाषाएं भी बोल सकते थे। यही वजह थी कि वे इंदिरा गांधी के लिए ट्रांसलेटर का काम करते थे।

गांव के आर वेंकट रेड्डी बताते हैं, '1991 के चुनाव के वक्त नरसिम्हा राव 69 साल के हो गए थे। राजीव गांधी कांग्रेस में युवाओं को आगे बढ़ा रहे थे। ऐसे में नरसिम्हा राव को लगा कि राजनीति से रिटायर होने का वक्त आ गया है।' 'तभी 21 मई, 1991 को राजीव गांधी की हत्या कर दी गई। इस हादसे के बाद सहानुभूति की लहर की वजह से लोकसभा में 232 सीटें जीतकर कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनी। राहुल और प्रियंका गांधी छोटे थे और सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहती थीं। इसलिए पार्टी ने पीवी नरसिम्हा राव को प्रधानमंत्री बना दिया। तेलंगाना बीजेपी ऑफिस में नरसिम्हा राव के पोते एनवी सुभाषराव मिले। सुभाषराव राज्य में बीजेपी के प्रवक्ता हैं। वे बताते हैं, 'हम इलेक्शन के लिए मीटिंग कर रहे थे। तभी मुझे पता चला कि राव साहब को भारत रत्न दिया गया है।' चुनाव को देखते हुए पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न देने के कांग्रेस के आरोप पर सुभाषराव कहते हैं, 'देश में 2004 और 2009 में भी चुनाव था। तब कांग्रेस ने उन्हें भारत रत्न क्यों नहीं दिया। उन्हें किसने रोका था। उनके पास अच्छा मौका था, जिसे कांग्रेस ने गंवा दिया। 2020 में जब राव का 100वां जन्मदिन था, तब क्यों नहीं कांग्रेस ने कोई सेलिब्रेशन किया। उन्हें भारत रत्न मिलने के ऐलान के बाद किसी कांग्रेस नेता ने हमें बधाई तक नहीं दी है।'

रांची में ईडी की छापेमारी

हेमंत सोरेन और अभिषेक प्रसाद पिंटू के करीबियों के ठिकानों पर दबिश

रांची, 13 फरवरी (एजेंसियां)। रांची में ईडी की टीम ने हेमंत सोरेन और अभिषेक प्रसाद पिंटू के करीबियों के ठिकानों रेड मारी है। कोकर और अशोक नगर इलाके में ये कार्रवाई हो रही है। कोकर के अयोध्यापुरी में जमीन कारोबारी रमेश गोप के यहां ईडी की टीम ने छापा मारा है। इस छापेमारी के तार भी बड़गाई अंचल में हुए जमीन घोटाले से जुड़े हैं। बताया जाता है कि रमेश गोप, बड़गाईं अंचल के सीआई भानु प्रताप प्रसाद के करीबी हैं। इसके अलावा भी ईडी ने कुछ जगहों पर छापेमारी की है हालांकि जगह और लोगों के नाम अब तक स्पष्ट नहीं है।

राज्य के पूर्व मुख्यंत्री हेमंत सोरन ईडी की हिरासत में हैं। उनसे बड़गाई अंचल की जमीन के संबंध में ईडी लगातार सवाल कर रही है। सीआई भानु प्रताप से भी इस घोटाले से जुड़े सवाल किए जा रहे हैं। ईडी लगातार हेमंत सोरेन और अभिषेक प्रसाद पिंटू से जुड़े लोगों पर नजर रख रही है और कई जगहों पर छापेमारी भी जारी है। विनोद सिंह भी इसी कड़ी का हिस्सा थे।

अब ईडी इस मामले में और अहम सबूत जमा करने में लगी है। ईडी हेमंत सोरेन से 15 फरवरी तक पूछताछ करेगी। हाईकोर्ट में हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल, झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा। वहीं ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू, अधिवक्ता एके दास ने पैरवी की। जस्टिस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल क्रिमिनल रिट याचिका और संशोधन पिटीशन पर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को दो हफ्ते का समय दिया।

सदन में गूंजा कमोड में बच्चे के जन्म का मुद्दा

मंत्री लक्ष्मी बोलीं- आरोपियों पर होगी कार्रवाई

क्वांटिफायबल डाटा सार्वजनिक करने पर विचार करेगी सरकार

रायपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को बजट सत्र के दौरान जशपुर के सरकारी अस्पताल के कमोड में बच्चे के जन्म का मुद्दा उठा। बीजेपी विधायक गोमती साय ने ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। वहीं, सरकार क्वांटिफायबल डाटा को सार्वजनिक करने पर विचार करेगी। जिसके जवाब में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि यदि मेरे पास इस तरह की कभी भी कोई घटना पहुंचती है, तो उसका मैं समाधान करूंगी। इसमें जो भी आरोपी सिद्ध होंगे, उन पर कार्रवाई करने का प्रयास करूंगी। यह घटना अत्यंत ही निंदनीय है।

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि पहली बार महिला मंत्री सदन में उत्तर दे रही हैं। सभी ने मेज थपथपाकर उनका स्वागत किया। रमन सिंह ने कहा कि बेहतर तरीके से अपने पद के दायित्व का निर्वहन करेंगे। अजय चंद्राकर ने कहा कि महिला टीम का मैच हो रहा है। रमन सिंह ने मुस्कुराते हुए कहा कि आज मैं कम बोलूंगा। कांग्रेस विधायक दिलीप लहरिया ने सवाल पूछा कि कुछ आंगनबाड़ी केंद्र भवनहीन है। किराए के भवन में संचालित हो रहे हैं। 89 आंगनबाड़ी भवन अभी नहीं बन पाए हैं। क्या इस वित्तीय वर्ष में आप इसे पूर्ण करेंगे। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह

जवाब देते हुए कहा कि कब तक पूरा हो पाएगा, यह बताया जाना संभव नहीं है। अजय चंद्राकर ने कहा कि यह बड़ा दिलचस्प है कि क्वांटिफायबल डाटा आयोग बनाया गया है। उसके कथित रिपोर्ट पर 200 बिल पेश हो गए। विधानसभा में बिल पारित नहीं हुआ है और विधानसभा के रिकॉर्ड में पहली बार अशासकीय संकल्प आ गया। क्वांटिफिएबल डाटा आयोग के रिपोर्ट को या अनुशंसा या निष्कर्ष जो शब्द आपको अच्छा लगे उसे सार्वजनिक करेंगे क्या ?

मुख्यमंत्री विष्णु देव ने इसका जवाब देते हुए कहा कि क्वांटिफियबल डाटा आयोग ने निष्कर्ष दिए हैं और सदस्य का जो आग्रह है, उसे पर विचार करेंगे। सरकार इसे सार्वजनिक करने पर विचार करेगी। ये आरक्षण संबंधित डेटा रिपोर्ट है, जो कांग्रेस सरकार ने सार्वजनिक नहीं किया है।

नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत की जगह लखेश्वर बघेल ने सवाल पूछा कि इस साल 21 क्विंटल के आधार पर अवैध परिवहन धान का हुआ है। 817 प्रकरण दर्ज किए गए और 37717 धान जब्त हुआ है। सबसे बड़ा प्रकरण मुंगेली जिले का है। इसमें जांच में क्या पाया गया और क्या कार्रवाई की गई, यह बताइए।

जिस पर दयाल दास बघेल ने जवाब देते हुए कहा कि इन प्रकरणों में मंडी के नियम के तहत 253 प्रकरण का निराश्रित किया जा चुका है। 564 प्रकरण प्रक्रिया में है। इनका निराकरण किया जा रहा है।रमन सिंह ने कहा कि मुंगेली वाले केस का क्या हुआ स्पेसिफिक बता दीजिए। दयाल दास कहा कि मुंगेली में ज्यादा धान जब्त हुआ है, प्रकरण प्रक्रिया में है। लखेश्वर बघेल ने कहा कि जांच के लिए चेक पोस्ट बनाए गए थे। इसके बावजूद अवैध धन परिवहन हुआ, तो उन पर क्या कार्रवाई की गई। जवाब में दयाल दास बघेल ने कहा कि उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कुछ प्रकरण बचे हैं, उसका जल्द निराकरण किया जाएगा।

चंद्रपुर कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव ने कहा कि कहीं ना कहीं धान चोरी हो रही है, रकबा कम हो रहा है और धान की खरीदी बढ़ रही है। इसका मतलब चोरी हो रही है।

जवाब में धरमलाल कौशिक ने कहा कि अभी सोसाइटी में 25 लाख मैट्रिक टन धान रखा गया है। मौसम खराब हो रहा है। बारिश की स्थिति बन रही है। सोसाइटी वाले कितने जवाबदार हैं, आप सभी को पता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रदेश में बिजली उत्पादन को लेकर सवाल पूछा कि भविष्य में विद्युत की आपूर्ति के लिए शासन की क्या नई कार्य योजना है। जवाब में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड विद्युत संयंत्र द्वारा वित्तीय वर्ष 2023 24 में नवंबर तक कुल 1479.566 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया है। अनुज शर्मा ने सवाल किया कि बहुत छोटे लोगों को ज्यादा बिजली बिल आया है, क्या उसमें कोई समीक्षा होगी, क्या उसे आधा किया जाएगा, माफ किया जाएगा, ऐसी क्या योजना है। बहुत से लोगों को 25-25 हजार के बिल आ गए हैं, इस पर क्या कार्रवाई करेंगे? मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका परीक्षण कराया जाएगा।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़

गिधौनिया के जंगल में छिपे हैं नक्सलियों के जोनल एरिया कमांडर, सर्च अभियान जारी

बोकारो, 13 फरवरी (एजेंसियां)। बोकारो में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। ताजा जानकारी के अनुसार पुलिस सूचना के आधार पर छापेमारी के लिए पहुंची थी। मुठभेड़ जिले के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत चैयाटांड़ और दनरा के बीच गिधौनिया जंगल में हुई। बोकारो पुलिस कप्तान प्रियदर्शी आलोक ने इस बात की पुष्टि की है। बताया जाता है कि सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के जोनल कमांडर बिरसेन उर्फ काना उर्फ चंचल दा और एरिया कमांडर कुंवर मांझी दस्ते के साथ सीआरपीएफ और पुलिस के बीच ये मुठभेड़ हुई है। मंगलवार की अहले सुबह से ही दोनों के बीच मुठभेड़ में क्रॉस फायरिंग हुई है।

समाचार लिखे जाने तक सर्च ऑपरेशन जारी है, सुरक्षा बल की टीम जंगल के अंदर बढ़ रही है। नक्सली गोलीबारी के बाद पीछे हटे हैं। सूत्रों के अनुसार कोबरा बटालियन को सूचना मिली थी कि नक्सलियों के दस्ते की इसी जंगल में गतिविधि जारी है। जानकारी मिलते ही कोबरा बटालियन ने ऑपरेशन शुरू कर दिया। दोनों ओर से गोलीबारी चलली। 24 जनवरी 2022 को भी गोमिया थाना क्षेत्र के धमधरवा कुम्बा टुंगरी नाला के पास नक्सलियों के दस्ते के साथ जिला पुलिस, जगुआर और सीआरपीएफ 26 बटालियन की मुठभेड़ हुई थी।

यात्री बस में अचानक लगी आग

पलक झपकते ही जलकर खाक, घंटों में फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

गौरेला, 13 फरवरी (एजेंसियां)। जिले को मध्यप्रदेश से जोड़ने वाली मुख्यमार्ग पर देररात एक बड़ा हादसा होने से उस समय टल गया, जब एक चलती यात्री बस में अचानक आग लग गई। आग पहले बस के टायर में लगी और उसके बाद कोई कुछ समझ पाता देखते ही देखते पूरी बस जलाकर खाक हो गई। स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन फायर ब्रिगेड की मदद से आग को बुझाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी जनहानि नहीं हुई। गौरेला के बांधामुड़ा इलाके में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जिसमें मनीष ट्रेवल्स की यात्री बस, जो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से चलकर छत्तीसगढ़ जाने के लिए निकली थी। लेकिन मध्य प्रदेश के बाद जैसे ही बस गौरेला पेण्ड्रा मरवाही जिले में पहुचीं। बस के टायर में आग लग गई। जब तक बस के चालक को टायर में आग लगने का अहसास हुआ। आग काफी बढ़ गई। चालक ने बस को गौरेला थानाक्षेत्र के मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली सड़क पर बांधामुड़ा गांव के पास रोका और जिसके बाद आनन फानन में बस में सवार सभी यात्रियों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जयराम रमेश का दावा

कांग्रेस सरकार बनी तो एमएसपी को कानूनी दर्जा मिलेगा, राहुल गांधी ने की बैठक

अंबिकापुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ अंबिकापुर पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश एवं कन्हैया कुमार ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि आज किसानों की सबसे बड़ी मांग खेती की लागत स्वामी नाथन रिपोर्ट के तहत दिए जाने हैं।एमएसपी को मोदी सरकार ने कानूनी मान्यता नहीं दी जिसके चलते किसान हताश व निराशा है,आज वह सड़क पर आंदोलन कर रहे हैं और मोदी सरकार उन पर आंसू गैस के गोले छुड़वाकर कार्रवाई कर रही है। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनेगी तो सबसे पहले एमएसपी को कानूनी मान्यता दी जाएगी,स्वामीनाथ के तहत किसानों की खेती का लागत डेढ़ गुना दिया जाएगा। जयराम रमेश ने बताया कि इधर मंगलवार को राहुल गांधी सरगुजा जिला के कई किसानों से बातचीत कर उनकी

समस्याओं को सुना। 13 फरवरी किसानों का न्याय का दिन है क्योंकि दिल्ली में अन्याय हो रहा है यह मोदी सरकार की मंशा को दर्शाता है। उनका कोई इरादा नहीं कि वह किसानों का साथ दें। राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ किसानों के साथ खड़ी रहेगी। इंडिया गठबंधन कांग्रेस सरकार बनेगी तो किसानों के आर्थिक दशा को सुधारने कार्य किया जाएगा। इंडिया गठबंधन से कई दलों का साथ छोड़ने के प्रश्न पर जयराम रमेश ने कहा कि सिर्फ दो पार्टी पलटी है, इसमें से एक के खून में तो पलटी मारने का तो है ही और उनसे कोई उम्मीद भी नहीं थी। दूसरा आरएलडी ने भी साथ छोड़ा है। बाकी 28 पार्टियों में से 26 पार्टियां इंडिया गठबंधन में है। कांग्रेस मजबूत है जिसके चलते मोदी सरकार डर गई है और आनन फानन में जो कभी एनडीए को भूल गए थे उनके साथ बैठक कर जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू कर दिए हैं।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि कई अवसरवादी लोग पार्टी छोड़कर जा रहे हैं तो हजारों युवा कांग्रेस में जुड़ रहे हैं। सीट शेयरिंग को लेकर जयराम ने कहा कि इस पर लंबी बात हुई है यह कठिन काम है। 2024 इंडिया गठबंधन में राष्ट्रीय स्तर पर हमारा एक ही लक्ष्य सिर्फ भाजपा को हराना है। तकलीफ थोड़ी सी पंजाब व पश्चिम बंगाल में है बाकी कहीं नहीं,कुछ ही दिनों में अंतिम निर्णय हो जाएगा। वार्ता के दौरान जयराम रमेश ने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 12 फरवरी की शाम सरगुजा में पहुंच गई थी, शाम को ही हसदेव बचाव के लोगों ने राहुल गांधी से मुलाकात कर उन्हें अहम दस्तावेज सौंपा हैं। उनका मांग है कि जो जंगल है उसे ध्यान में रखते हुए माइंस की नई अनुमति नहीं दिया जाना चाहिए। जो विस्थापित हुए हैं उन्हें कानूनी प्रकार से मुआवजा और रोजगार मिले। ग्राम सभा के अनुमति के बिना कोई भी नई स्वीकृति नहीं दी जानी चाहिए।

जयराम रमेश ने बताया कि 2009 से ही उक्त कोल खदान खुलने और ग्राम सभा के अनुमति को लेकर मतभेद है,इसे लेकर आज तक विरोध चलते आ रहा है।

रांची विवि के कुलपति का किया घेराव

रांची, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस छात्र संगठन झारखंड एनएसयूआई के आरुषी वंदना सिंह के नेतृत्व में डोरंडा कॉलेज के विभिन्न मामलों को लेकर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा का घेराव किया। छात्र संगठन ने ज्ञापन भी सौंपा। रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत डोरंडा कॉलेज में कई मुद्दे हैं जो छात्र हित में पूरे नहीं हो पा रहे। आरुषि वंदना ने मांग की कि कॉलेज में अविलंब कैंटीन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। कॉलेज के नए बिल्डिंग में सीसीटीवी कैमरा उपलब्ध कराया जाए। कॉलेज के लाइब्रेरी में बुक्स एव कॉमन रूम की व्यवस्था की जाए। एमसीए विभाग में टीचर की नियुक्ति की जाए।

बीबीए, बीसीए, आईटी, एमबीए और एमसीए के विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट की सुविधा की जाए। सेशन 2020- 23 यूजी सेमेस्टर 4 की रिजल्ट घोषित की जाए।

आगजनी के मामले में बंद 15 को मिली जमानत

जेल से छूटते ही जगह-जगह हो रहा स्वागत

बेमेतरा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर में 10 अप्रैल 2023 को हुई आगजनी मामले में पकड़े गए 15 आरोपियों को सोमवार को हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। इससे पहले आठ आरोपियों को जिला कोर्ट ने बरी कर दिया था। इन सभी आठों आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ मिला था। जमानत के बाद सोमवार शाम को बेमेतरा उपजेल के बाहर उनके समर्थकों की भीड़ लग गई है। देर रात तक सभी आरोपी अपने अपने घर पहुंचे। इस दौरान उनका स्वागत किया गया। जेल से ही ये सभी भगवा वस्त्र धारण किए अपने घर के लिए निकले हैं।

ग्राम बिरनपुर में आठ अप्रैल 2023 को भुवनेश्वर साहू पिता ईश्वर साहू की हत्या गांव के नवाब खान समेत अन्य लोगों द्वारा कर दी गई थी। हत्या के विरोध में

10 अप्रैल को विश्व हिंद परिषद, बजरंग दल समेत भाजपा द्वारा छत्तीसगढ़ बंद बुलाया गया था। इसी बंद के दौरान गांव में हजारों की संख्या में लोग एकत्र हो गए थे। गांव के खातून बी के मकान में दोपहर 2 से 2.30 के बीच में अज्ञात लोगों द्वारा आग लगा दिया गया। खातून बी का पूरा मकान जलकर राख हो गया था व कमरे में रखे सामान सिलाई मशीन, बर्तन, सायकल, घरेलू उपयोगी सामान जलकर नुकसान हो गया। राहत की बात थी कि इस घटना के दौरान खातून बी अपने परिवार के साथ विवाद के डर से कहीं चली गई थी। बता दें कि इसी दिन ही गांव में पिता-पुत्र के शव भी मिले थे। इनके सिर पर चोट के निशान थे। मृतक के नाम रहीम मोहम्मद और ईदुल मोहम्मद हैं। इस मामले में कुछ आरोपी पकड़े गए है। वर्तमान में मामला कोर्ट में चल रहा है। वहीं भाजपा ने विधानसभा चुनाव के इसी क्षेत्र के साजा विधानसभा के लिए मृतक भुवनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को अपना प्रत्याशी बनाया।

यूएई, सऊदी और अब कतर

भारत से दोस्ती को खाड़ी के मुस्लिम देशों में क्यों लगी होड़

दोहा/अबूधाबी, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खाड़ी के दो सबसे अहम देशों संयुक्त अरब अमीरात और कतर के दौरे की शुरुआत कर रहे हैं। पीएम मोदी यूएई के अबूधाबी शहर में भव्य हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे, वहीं वह अहलान मोदी कार्यक्रम में हजारों भारतीयों को संबोधित करेंगे। यह पीएम मोदी की यूएई की सातवीं यात्रा है। इसके बाद पीएम मोदी कतर के दौरे पर जाएंगे। कतर ने भारत के पूर्व नौसैनिकों को रिहा कर दिया है और इसके ठीक बाद पीएम मोदी की यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है। इससे पहले खाड़ी के ही सबसे अहम देश सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान जी-20 बैठक के दौरान भारत के राजकीय दौरे पर आए थे। भारत से दोस्ती के लिए खाड़ी देशों में बढ़ती होड़ को विशेषज्ञ हिंदुस्तान की बढ़ती ताकत से जोड़कर देख रहे हैं।

पश्चिम एशियाई मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा ने एनबीटी ऑनलाइन के साथ बातचीत में कहा कि खाड़ी देशों की भारत में

बढ़ती दिलचस्पी की एक सबसे बड़ी वजह भारतीय हैं। खाड़ी देशों में 75 लाख के करीब भारतीय काम करते हैं और हर साल यहां से करीब 40 अरब डॉलर विदेशी मुद्रा भारत आती है। इसके अलावा भारत का खाड़ी देशों के साथ व्यापार 150 अरब डॉलर तक पहुंच गया है जो लगातार बढ़ रहा है। इनमें से एक बड़ा सेक्शन खाड़ी देशों में बिजनस करता है। इन भारतीयों के बिजनस काफी बड़े हैं। इन लोगों ने यूएई में बहुत लंबे समय से मंदिर बनाए जाने की मांग की थी। इसे अब यूएई ने पूरा कर दिया है। इसके अलावा भारत और खाड़ी देशों के बीच इस्लाम के आने से पहले हजारों साल से ही बहुत अच्छा रिश्ता रहा है। आगा ने कहा कि खाड़ी देश तेल से मालामाल हैं और भारत यूक्रेन युद्ध से पहले तक 75 फीसदी तेल इन्हीं खाड़ी देशों से खरीदता था। अब भी भारत बहुत बड़े पैमाने पर तेल खाड़ी देशों से खरीदता है।

भारत कतर के गैस का सबसे बड़ा खरीदार है। भारत ने कतर के साथ अरबों डॉलर की डील की है। खाड़ी देशों में भारत की बहुत अच्छी छवि रही है। पहले विश्वयुद्ध के बाद फलस्तीन के मुद्दे पर अरब देशों के रुख के साथ रहा। गांधी जी और नेहरू जी ने फलस्तीनी लोगों का समर्थन किया। यहूदियों के फलस्तीन में आने का भारत ने विरोध किया। गांधी जी ने कहा कि फलस्तीन अरब लोगों का है। इससे अरब जगत में भारत की बहुत अच्छी छवि बनी। भारत की नीति खाड़ी देशों के प्रति बहुत अच्छी रही।

भारतीय विशेषज्ञ ने कहा कि भारत ने खाड़ी देशों के आंतरिक मामलों में कभी भी हस्तक्षेप नहीं किया। मुस्लिम देशों के झगड़े में भारत कभी भी शामिल नहीं रहा। भारत अरब देशों के विकास के प्लान का समर्थक रहा है। कमर आगा ने कहा कि एक चीज और महत्वपूर्ण है कि भारत की अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत हो रही है और करीब 4 ट्रिलियन तक पहुंच गई है। विश्वबैंक का अनुमान है कि भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले समय में आगे भी बढ़ती रहेगी। खाड़ी देश भारत में निवेश कर रहे हैं और भारत का भी निवेश इन देशों में बढ़ रहा है। सऊदी अरब ने अमेरिका में आर्थिक मंदी के बाद पूरब की ओर देखो नीति बनाई। इसके बाद उसने भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और चीन के साथ रिश्ते मजबूत करने शुरू किए।

पाकिस्तान में इमरान खान की पीटीआई ने भी ठोकी सत्ता पर दावेदारी

राष्ट्रपति से मिले पार्टी नेता

इस्लामाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में नवाज शरीफ की पीएमएल-एन और बिलावल भुट्टो जरदारी की पीपीपी के बीच गठबंधन सरकार बनाने को लेकर बात चल रही है। अब जेल में बंद इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने भी सरकार बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। पार्टी ने कई विशेष समीतियों का गठन किया है, जो केंद्र में, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा राज्य में पीटीआई की सरकार बनाने की रणनीति बनाएंगी। चुनाव नतीजों के बाद पीटीआई की कोर कमेटी की बैठक हुई, जिसमें सरकार और संसदीय पदों पर लोगों की नामांकन प्रक्रिया को जल्द पूरा करने पर सहमति बनी। पाकिस्तान आम चुनाव में पीटीआई समर्थित 101 निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं और पीटीआई सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पीटीआई ने बयान जारी कर बताया कि उनकी पार्टी को रोकने की कोशिश की गई और अनैतिक तरीके से पार्टी पर दबाव बनाने की कोशिश की गई।

चीन के साथ तनातनी

भारत के करीब आ रहा फिलीपीन्स, ब्रह्मोस के बाद अब हो सकती है एक और बड़ी डील

वॉशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और फिलीपीन्स अपने द्विपक्षीय सहयोग को और भी मजबूत करने वाले हैं। भारत मनीला हवाई अड्डे के प्रमुख पुनर्विकास परियोजना के लिए कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के करीब पहुंच गया है। हाल के महीनों में रक्षा पर दोनों देशों ने सहयोग पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया है। ब्रह्मोस एंटी शिप मिसाइल की डील उनकी बढ़ती साझेदारी को दिखाती है, जो चीन के लिए टेंशन है। चीन के साथ बढ़ते तनाव के चलते फिलीपींस ने ब्रह्मोस खरीदा था। फिलीपींस में निनॉय एक्विनो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्तमान में यह दुनिया के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले एयरपोर्ट में से एक है। फिलीपीन्स उड़ान देरी को कम करने, भीड़भाड़ की समस्या से छुटकारा पाने और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए इसका अपग्रेड करना चाहता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलीपींस इसके डेवलपमेंट के लिए कॉन्ट्रैक्ट देने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत का जीएमआर ग्रुप चार प्राइवेट बोलीदाताओं में सबसे आगे है।

अगस्त 2023 में फिलीपींस ने एनएआईए के परिचालन मुद्दों को हल करने के लिए 3 बिलियन डॉलर के पुनर्विकास परियोजना के लिए बोली शुरू की। यह एयरपोर्ट क्षमता से 50 फीसदी ज्यादा पर संचालित हो रहा है। इसे विस्तार करने के दो असफल प्रयास का पहले सामना करना पड़ा था। मनीला एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में वार्षिक यात्री क्षमता को लगभग दोगुना कर 62 मिलियन पहुंचाना है। इस कॉन्ट्रैक्ट के लिए लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे चार अंतरराष्ट्रीय संघों में से तीन शॉर्टलिस्ट किए गए हैं।

फिलीपीन के परिवहन विभाग में योजना और परियोजना विकास के अवर सचिव टिमोथी जॉन ने कहा कि अब अगला लक्ष्य 15 फरवरी तक समझौते पर हस्ताक्षर करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के जीएमआर समूह के नेतृत्व वाला एक संघ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत सबसे आगे है। रिपोर्च के मुताबिक ग्रुप ने फिलीपीन सरकार के साथ वार्षिक राजस्व का 33.3 फीसदी तक साझा करने का प्रस्ताव दिया है।

अमेरिका पहुंचे भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे

क्यों खास माना जा रहा यह दौरा

वॉशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे तीन दिवसीय दौरे पर अमेरिका पहुंच चुके हैं। उनका अमेरिकी रक्षा मंत्रालय और सेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात का कार्यक्रम है। जनरल पांडे इस दौरे पर भारतीय सेना के आधुनिकीकरण से जुड़े कई मुद्दों पर बात करेंगे। इनमें अमेरिकी रक्षा उद्योग के साथ हथियारों और उपकरणों के संयुक्त विकास और निर्माण भी शामिल है। भारत का मेन फोकस अमेरिका से स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल के ज्वाइंट प्रोडक्शन और लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाले तोपखाने के गोले के उत्पादन पर आपसी सहमति बनाना है। सेना ने एक बयान में कहा कि जनरल पांडे अमेरिका के सेना प्रमुख (सीएसए) जनरल रैंडी जॉर्ज और अन्य वरिष्ठ सैन्य नेताओं के साथ उच्च स्तरीय चर्चा में शामिल होंगे। इस यात्रा में जनरल पांडे अमेरिकी सेना सम्मान गार्ड समारोह में शामिल होंगे।

इसके अलावा वह आर्लिंगटन नेशनल सेमेटरी में अज्ञात सैनिकों की कब्र पर श्रद्धांजलि देंगे। इसके अलावा पेंटागन का एक व्यापक दौरा भी शामिल है।

कंगाल पाकिस्तान के लोन ने तोड़े सारे रेकॉर्ड

जिन्ना के देश में हर नागरिक पर 2,71,624 रुपये पहुंचा कर्ज

इस्लामाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कंगाल पाकिस्तान पर कर्ज का पहाड़ अपने चरम पर पहुंच गया है। पाकिस्तान का कुल कर्ज और देनदारी अब 81.2 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया है। पाकिस्तान के कर्ज में पिछले साल 27 प्रतिशत की तेजी आई है। पाकिस्तान पर चढ़ा यह कर्ज का पहाड़ अब नई सरकार के सामने बड़ी मुसीबत बनने जा रहा है। पाकिस्तान में चुनाव के बाद अभी तक सरकार बनने को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने अपनी ताजा बुलेटिन में सोमवार को देश के कुल कर्ज और देनदारी के बढ़ने का खुलासा किया। पिछले एक साल में पाकिस्तान के कर्ज में 17.4 ट्रिलियन रुपये की वृद्धि हुई है। पाकिस्तानी केंद्रीय बैंक ने बताया कि कुल कर्ज और देनदारी अब 81.2 ट्रिलियन तक पहुंच गई है। इसमें 4.6 ट्रिलियन रुपये

देनदारी है। पाकिस्तान पर दसिंबर 2022 से लगभग हर दिन औसतन 48 अरब रुपये का कर्ज बढ़ता चला गया। यह पाकिस्तान में हर महीने के लिहाज से सबसे ज्यादा कर्ज बढ़ने वाले दिनों में से एक है। इन महीनों में 5 महीने केयरटेकर सरकार के रहे हैं जिसके मुखिया अनवारुल हक काकर लगातार वदिेश दौरों पर घूमते रहे और देश पर कर्ज का पहाड़ बढ़ता चला गया।

पाकिस्तान में चुनाव के बाद अब नई सरकार के गठन के लिए रस्साकसी चल रही है। बिलावल भुट्टो और नवाज शरीफ के बीच शह और मात का खेल चल रहा है। इस चुनावी खेल में असली खिलाड़ी इमरान खान हैं। 'कप्तान' इमरान खान ने जेल से ही पाकिस्तान सेना प्रमुख को अपनी ताकत से परचिय करा दिया है और अब वह असली किंग मेकर बन गए हैं। पाकिस्तान में कोई भी सरकार बने लेकिन उसके सामने कर्ज का संकट बहुत बड़ा होने जा रहा है। पाकिस्तान के वत्ति मंत्रालय ने भी खुलासा किया है कि साल 2022-23 के बीच में कर्ज का भार बहुत ज्यादा बढ़ गया है। यह वही साल है जब शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान में सरकार बनी थी। अब पाकिस्तान के हर नागरिक पर कर्ज 2,71,624 रुपये तक पहुंच गया है। इस कर्ज में 25.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अगर एक साल में बढ़ने वाले कर्ज की बात करें तो यह 54,500 रुपये बढ़ गया है। अगर केंद्रीय बैंक के आंकड़ों पर नजर डालें तो पाकिस्तान ने पिछले साल 6 महीने में कर्ज के ब्याज के रूप में 4.4 ट्रिलियन रुपये चुकाए हैं। पाकिस्तानी चुनाव में तमाम वादे करने वाले राजनीतिक दलों ने कर्ज के बोझ को कम करने के लिए चुप्पी साध रखी थी।

पाकिस्तान पर आईएमएफ का कर्ज 30 प्रतिशत बढ़ गया है जो 2.14 ट्रिलियन तक पहुंच गया है। यह कर्ज अभी और बढ़ने जा रहा है क्योंकि पाकिस्तान आईएमएफ से एक और बेलआउट पैकेज मांग रहा है।

पाकिस्तान के चुनाव नतीजों पर संयुक्त राष्ट्र की नजर

न्यूयॉर्क, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में हुए आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं, लेकिन अभी भी पाकिस्तान में तनाव बना हुआ है। दरअसल पीटीआई समेत कई पार्टियां आरोप लगा रही हैं कि चुनाव में धांधली हुई है और इसे लेकर कानूनी लड़ाई भी शुरू हो गई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी पाकिस्तान के हालात पर करीब से निगाह बनाए हुए हैं। उन्होंने पाकिस्तान की अथॉरिटीज और राजनेताओं से अपील की है कि वे हिंसा से दूर रहे और ऐसा कोई काम न करें, जिससे तनाव बढ़े।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव की प्रवक्ता स्टेफनी दुजेरिक ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पाकिस्तान के हालात पर उनकी (संयुक्त राष्ट्र महासचिव) करीब से नजर है और वे लगातार पाकिस्तान के हालात की समीक्षा कर रहे हैं। यूएन महासचिव ने सभी पक्षों से विवाद को कानूनी ढांचे के तहत निपटाने और मानवाधिकारों और कानून के शासन का पालन करने की अपील की। पाकिस्तान में बीती 8 फरवरी को आम चुनाव के लिए मतदान हुआ। इसके नतीजे जारी करने में कई दिनों की देरी हुई, जिसके चलते चुनाव में धांधली के आरोप लगे। चुनाव नतीजों में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को सबसे ज्यादा 101 सीटों पर जीत मिली। वहीं नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पार्टी को 75 और बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी को 54 सीटों पर जीत मिली। पीटीआई ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है और देशभर में विरोध प्रदर्शन का एलान किया है।

लूटपाट करके अमेरिका की नागरिकता पाने की रची साजिश

भारतीय मूल के दो लोगों पर चलेगा मुकदमा

वॉशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के दो लोगों पर वीजा पाने के लिए धोखाधड़ी करने के मामले में मुकदमा चलेगा। गौरतलब है कि दोनों ने लूटपाट का नाटक करके ये वीजा पाने की कोशिश की। हालांकि जांच में दोनों पकड़े गए। आरोपियों की पहचान रामभाई पटेल (36 वर्षीय) और बलविंदर सिंह (39 वर्षीय) के रूप में हुई है। दोनों पर मैसाचुसेट्स के बोस्टन में ये धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है।

डकैती से अमेरिकी नागरिकता पाने की रची साजिश

रामभाई पटेल को बीते साल दिसंबर में सिएटल से गिरफ्तार किया गया था। वहीं बलविंदर सिंह को क्वींस से दिसंबर में ही पकड़ा गया था। आरोप पत्र के अनुसार, मार्च 2023 में पटेल और उसके सहयोगी बलविंदर सिंह ने अमेरिका में नौ जनरल स्टोर, फास्ट फूड रेस्तरां और शराब की दुकानों पर लूटपाट का नाटक किया। दरअसल वे चाहते थे कि जिन जगहों पर लूटपाट हुई, उन स्टोर के क्लर्क ये दावा करें कि दोनों लूटपाट के पीड़ित है।

दोनों ने ये साजिश इसलिए रची क्योंकि अमेरिका में एक यू-वीजा का प्रावधान है। इस वीजा के तहत उन लोगों को अमेरिका में चार साल तक या जरूरत पड़ने पर आगे और दिनों तक रुकने की इजाजत मिलती है, जो किसी हिंसक अपराध के पीड़ित होते हैं।

नीदरलैंड के पूर्व पीएम-पत्नी की इच्छा-मृत्यु

हाथ में हाथ लेकर दम तोड़ा, वाइफ को आखिरी वक्त तक माय गर्ल कहते रहे ड्राइस वेन एग्त

द हेग, 13 फरवरी (एजेंसियां)। नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री ड्राइस वेन एग्त और पत्नी यूजीन (दोनों की उम्र 93 साल) ने सोमवार को कानूनी तौर पर इच्छा मृत्यु (एक्टिव यूथेनेसिया) के जरिए प्राण त्यागे। दोनों लंबे वक्त से बीमार थे। डॉक्टरों की मदद से दोनों ने अंतिम सांस ली और आखिरी वक्त तक ये एक दूसरे का हाथ थामे हमसफर ही बने रहे। नीदरलैंड की एक कानूनी अधिकार संस्था के मुताबिक- इन्हें बिल्कुल आसपास की कब्रों में दफना दिया गया।

वक्त और दिन खुद चुना

एग्त 1977 से 1982 के दौरान नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रहे। वो क्रिश्चियन डेमोक्रेट पार्टी के मेंबर थे। नीदरलैंड में साल 2000 में

नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री ड्राइस वेन एग्त और पत्नी यूजीन की यह तस्वीर 2018 की है।

यूथेनेसिया को कानूनी तौर पर मान्यता मिली थी। इसके तहत वो व्यक्ति इच्छा मृत्यु मांग सकता है जो 'ऐसी बीमारी से पीड़ित हो, जो लाइलाइज हो या उसकी सेहत में सुधार की कोई गुंजाइश न बची हो'। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- 68 साल साथ रहने के बाद एग्त और यूजीन ने अपनी मौत का वक्त और दिन खुद तय किया। इस दौरान डॉक्टर्स का पैनल मौजूद रहा।

हम पाकिस्तान की किसी भी सरकार के साथ काम करने को तैयार

करांची, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आम चुनाव के नतीजों की घोषणा में देरी के बाद बहुमत प्राप्त नहीं होने पर सरकार का गठन नहीं हो पाया है। इसी बीच अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया है कि वे पाकिस्तान में सत्ता में आने वाली किसी भी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने चुनावी नतीजों में देरी के लिए इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को दोषी ठहराया है। उन्होंने बताया कि इससे तुरंत परिणाम घोषित करने में बाधा उत्पन्न हुई। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि इससे किसी भी राजनीतिक पार्टी को नुकसान नहीं होगा। अमेरिका में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मीडिया को बताया, 'मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान में कोई नई सरकार बनी है। मझे लगता है कि अभी भी इसपर चर्चा हो रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन एक बात स्पष्ट करता हूं कि पाकिस्तान की जनता जिसे भी अपना सरकार चुनेगी, हम उनके साथ काम करने के लिए तैयार हैं।' चुनावी परिणामों के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी द्वारा समर्थन प्राप्त निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीटें जीतीं। वहीं एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने 75 सीटें जीतीं है। उनके अलावा पूर्व विदेश मंत्री विलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने 54 सीटें और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान ने 17 सीटें हासिल कीं। सरकार बनाने के लिए एक पार्टी को नेशनल असेंबली में लड़ी गई 265 सीटों में से 133 सीटें जीतनी होंगी। परिणामों में धोखाधड़ी के आरोपों पर अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'जहां तक धोखाधड़ी के दावों का सवाल है, हम उनकी पूरी जांच देखना चाहते हैं।' आगे कहा, 'हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करते हैं, इसलिए सरकार बनने के बाद हम उनके साथ काम करने के लिए तैयार हैं।'

इजराइल को हथियारों की सप्लाई रोके अमेरिका

राफा पर हमले के बाद नाराज हुआ यूरोपीय संघ

वॉशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राफा शहर पर हमले के बाद इजराइल पर दुनियाभर से दबाव पड़ना शुरू हो गया है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेप बोरेल ने मांग की है कि इजराइल के सहयोगी खासकर अमेरिका, इजराइल को हथियारों की सप्लाई करना बंद करे। बोरेल ने कहा कि गाजा में बड़ी संख्या में लोग मारे जा रहे हैं। बीते हफ्ते ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि इजराइल की सैन्य कार्रवाई चरम पर पहुंच चुकी है। बोरेल ने बाइडन के उस बयान का हवाला देते हुए कहा कि अगर आपको लगता है कि लोग मारे जा रहे हैं तो आपको कम मात्रा में हथियार देने चाहिए ताकि कई लोगों को मरने से बचाया जा सके।

ब्रुसेल्स में मीडिया से बात करते हुए बोरेल ने कहा कि अमेरिका का युद्ध पर चिंता जताना और इजराइल को हथियारों की सप्लाई जारी रखना लॉजिकल नहीं है। बोरेल ने कहा कि 'कितनी बार प्रमुख देशों के नेताओं और विदेश

मंत्रियों ने लोगों के मारे जाने पर चिंता जताई है। अगर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को लगता है कि नरसंहार हो रहा है और बड़ी संख्या में लोग मारे जा रहे हैं तो हमें शायद हथियारों के बारे में सोचने की जरूरत है।'

इजराइल ने गाजा के राफा में हमले शुरू कर दिए हैं। गाजा पर हमले के बाद बड़ी संख्या में लोग राफा पहुंचकर वहां शरण लिए हुए थे। अब राफा में भी इजराइल के हमले के बाद शरणार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बोरेल ने पूछा कि क्या अब इस्राइल के पीएम राफा को भी खाली कराएंगे? अब वे लोगों को कहां भेजेंगे? चांद पर? इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की यूएनआरडब्ल्यूए के प्रमुख फिलिप लाजारनी भी मौजूद थे। इजराइल ने बीते दिनों आरोप लगाया था कि यूएनआरडब्ल्यूए के लोग भी इजराइल पर बीते 7 अक्तूबर को हुए हमले में शामिल थे। इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी फॉर फलस्तीन रिफ्यूजी (यूएनआरडब्ल्यूए) पर रोक लगाने की मांग की थी। इजराइल के आरोपों के बाद कई देशों ने यूएनआरडब्ल्यूए की फंडिंग रोकने का एलान कर दिया था।

पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों की याचिकाएं अदालत से खारिज

इस्लामाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक अदालत ने पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों की तीस से ज्यादा याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। इन याचिकाओं में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज सहित पीएमएल-एन के शीर्ष नेताओं की जीत को चुनौती दी गई थी। पीटीआई पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी है। जो भ्रष्टाचार के मामले में इन दिनों रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं।

लाहौर उच्च न्यायालय ने इन याचिकाओं को खारिज किया है। अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित उम्मीदवारों से कहा कि आम चुनाव में हुई कथित धांधली की अपनी शिकायतों के समाधान के लिए चुनाव आयोग (ईसीपी) में जाएं। पीटीआई की यास्मीन राशिद ने नवाज शरीफ के खिलाफ चुनाव लड़ा था। उन्होंने लाहौर की एनए-130 सीट पर जीत का दावा किया है। उन्होंने प्रतिवादियों (पीएमएल-एन के उम्मीदवार) की जीत को 'शर्मनाक' करार दिया और आरोप लगाया कि निर्वाचन अधिकारियों ने परिणामों को एकत्र किया और फॉर्म-47 (परिणाम पत्र) तैयार किया। उन्होने आरोप लगाया कि ताकत का गलत इस्तेमाल किया गया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अली बकर नजफी ने याचिकाओं पर सुनवाई की। उन्होंने कहा, सर्वोच्च न्यायालय ने एक अन्य मामले में साफतौर पर फैसला दिया है कि उच्च न्यायालय के 'असाधारण अधिकार क्षेत्र' को उच्च न्यायालय के 'सामान्य अधिकार क्षेत्र' में नहीं बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि तथ्यो के ऐसे विवादित सवाल होंगे, जिन्हें हल नहीं किया ज सकता है। उन्होंने कहा, अगर कोई सामान्य समाधान उपलब्ध नहीं है तो संवैधानिक अधिकार क्षेतर का असाधार उपाय लागू किया जा सकता है।

विहिप अब रामराज्य के लिए पहल करेगी : आलोक

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व हिन्दू परिषद् के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट आलोक कुमार ने कहा कि लोग पूछते हैं कि अयोध्या स्थित राम मन्दिर में भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब विहिप क्या करेगी? तो जवाब यह है कि विहिप अब रामराज्य के लिए पहल करेगी।

आलोक कुमार आज यहाँ विश्व पुस्तक मेला में किताबवाले के स्टाल पर बीएचयू के भूतपूर्व डीन कौशल किशोर मिश्रा और बीकानेर विश्वविद्यालय के कुलपति मनोज मिश्र लिखित पुस्तक 'रामराज्य इन वाल्मीकि रामायण' का विमोचन करने के उपरांत उपस्थित जन समूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या के मन्दिर में तो राम लला विराजमान हो गए, अब उन्हें जन-जन के हृदय में विराजमान कराने की जरूरत है। जिस दिन यह काम हो जाएगा, उसी दिन देश में रामराज्य आ जाएगा। उन्होंने कहा कि विहिप

के अथक प्रयास से अयोध्या में राम मन्दिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह दुनिया के 55 देशों के 5 लाख मन्दिरों में प्रसारण कराया गया। ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ।

इससे पूर्व किताब के लेखकद्वय कौशल किशोर और मनोज मिश्र ने कहा कि रामराज्य दुख, दरिद्रता, हताशा, विषाद से इतर गौरव से जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि दुनिया में 365 तरह के रामायण लिखे गए हैं लेकिन वाल्मीकि का रामायण सर्वश्रेष्ठ इसलिए माना जाता है क्योंकि वह राम के समकालीन थे। उन्होंने यह भी बताया कि इस पुस्तक को अंग्रेजी में लिखने का मकसद देश के अंग्रेजी परस्त लोगों को राम के चरित्र से परिचित कराना है। लोकमानस में तो राम पहले से ही बसे हुए हैं। समारोह में अलवर विश्वविद्यालय के कुलपति शिव सिन्धु पाण्डेय समेत कई गण्यमान्य लोग मौजूद रहे।

इससे पूर्व किताबवाले प्रकाशन के प्रबंध निदेशक प्रशांत जैन ने शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर आगत अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ पत्रकार और लेखक राकेश मंजुल ने किया।

सीएम भजनलाल और केंद्रीय मंत्री गडकरी की बैठक

प्रदेश को रेलवे फाटक मुक्त बनाने को लेकर हुई चर्चा

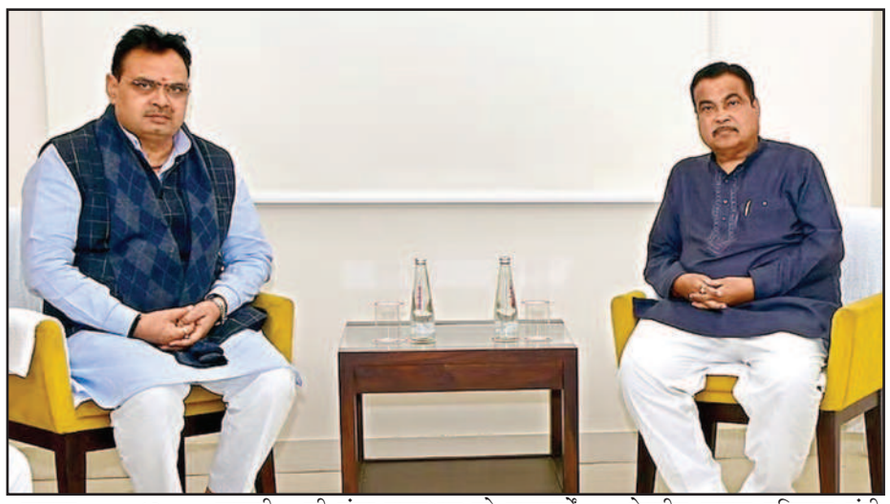

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर बैठक की। साथ ही प्रदेश में राजमार्ग एवं सड़क तंत्र को बेहतर और मजबूत बनाने के बारे में चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बैठक में कहा कि राज्य सरकार की मंशा राजस्थान को राजमार्गों और सड़कों के नेटवर्क के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में लाने की है। ताकि बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से प्रदेश की आर्थिक और औद्योगिक विकास को रफ्तार मिल सके। इस पर केन्द्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया कि केन्द्र सरकार प्रदेश में मजबूत सड़क तंत्र के विकास के लिए हर प्रकार से मदद करेगी।

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी द्वारा दिए गए सुझाव के अनुरूप रेलवे फाटकों पर आरओबी अथवा आरयूबी का निर्माण कर प्रदेश को रेलवे फाटक मुक्त बनाने का रोडमैप तैयार करने की दिशा में बैठक में विचार-विमर्श हुआ। केन्द्रीय मंत्री द्वारा जयपुर रिंग रोड के द्वितीय चरण के लिए पांच हजार करोड़ रुपये की मंजूरी के घोषणा के बाद रिंग रोड के कार्य को शीघ्र ही अमलीजामा पहनाने के बारे में भी बैठक में निर्देश प्रदान किए गए।

प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और विस्तार, इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, केन्द्रीय सड़क एवं आधारभूत ढांचा कोष (सीआरआईएफ) के अंतर्गत सड़कों के नए प्रस्ताव भिजवाने और पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से रोपवे निर्माण की संभावनाओं के बारे में भी बैठक में चर्चा हुई।

बैठक में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, सांसद सीपी जोशी, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (सार्वजनिक निर्माण) संदीप वर्मा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने गडकरी का साफा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया एवं राम मंदिर की प्रतिकृति भेंट की।

'ये सम्मान सिर्फ चुनावी लाभ के लिए हैं'

गहलोत के बयान पर एमएलए बालमुकुंद बोले- तकलीफ क्यों हो रही

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में हवामहल विधानसभा से विधायक बालमुकुंद आचार्य ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बयान पर जवाब दिया है। विधायक बालमुकुंद ने कहा, जब कांग्रेस अपने ही प्रधानमंत्री को भारत रत्न दिया करती थी, तब गहलोत ने कोई सवाल नहीं उठाया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के उन चुनिंदा लोगों को चुनकर जिन्होंने देश के विकास के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, उन्हें भारत रत्न दिया तो अशोक गहलोत को तकलीफ हो रही है।

विधायक आचार्य ने कहा, अशोक गहलोत की यह तकलीफ इसलिए भी ज्यादा बढ़ जाती है। क्योंकि उनकी पार्टी में उनका सुनने वाला कोई नहीं है। गहलोत की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खुद को गौरव बताते हैं और भारतीय जनता पार्टी को पांडव कहते हैं।

अब ऐसे में अशोक गहलोत आलोचना करें तो किसकी करें, शिकायत करें तो किसकी करें। यह मजबूरी है अशोक गहलोत की इस कारण से गहलोत इस तरीके के बयान देते हैं। वहीं, भाजपा पेनालिस्ट मदन प्रजापत ने अशोक गहलोत के भारत रत्न में राजनीतिकरण के बयान का जवाब देते हुए कहा कि जब कांग्रेस अपने प्रधानमंत्री को भारत रत्न देती थी, तब कोई दिक्कत या आपत्ति इनको नहीं होती थी। आज देश के प्रधानमंत्री जिन्होंने देश के हर वर्ग के लिए सोच हर वर्ग के लिए काम किया और हर वर्ग को फायदा पहुंचाया। अगर वह देश का प्रधानमंत्री उन चुनिंदा लोगों को भारत रत्न देता है, जिन्होंने देश का मान सम्मान सदा बढ़ाया, देश की एकता अखंडता को बनाए रखने में अपना सहयोग दिया तो कांग्रेस को बहुत तकलीफ होती है।

गहलोत ने क्या कहा था?

अशोक गहलोत ने अपने ट्वीटर हैंडल पर लिखा कि भारत सरकार द्वारा पांच विभूतियों को भारत रत्न दिए जाने का स्वागत करते हैं। इन विभूतियों के लिए हमारे दिल में अथाह सम्मान है एवं देश के लिए इनका योगदान अतुलनीय है। अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि हालांकि ऐसा लगता है कि एक वर्ष में अधिकतम तीन भारत रत्न देने के नियम को तोड़कर आनन-फानन में भारत रत्न देकर इस सम्मान का चुनावीकरण एवं राजनीतिकरण किया गया है एवं सम्मान की गरिमा कम की गई है। मुझे नहीं लगता है कि इन निर्णयों से एनडीए को बहुत बड़ा लाभ मिल सकेगा। गहलोत ने आगे कहा, यदि एनडीए सरकार सच में इनके योगदान को सम्मानित करना चाहती है तो कर्पूरी ठाकुर द्वारा पिछड़ों के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए जातिगत जनगणना करवाए, चौधरी चरण सिंह एवं एमएस स्वामीनाथन की मांग अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाए एवं पीवी नरसिम्हा राव द्वारा बनाए गए प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट की पालना सुनिश्चित करवाए जिसकी आजकल रोज अवहेलना की जा रही है। एनडीए सरकार के दौरान लालकृष्ण अडवाणी द्वारा जताई गई अघोषित आपातकाल जैसी आशंका के माहौल को सामान्य करने का प्रयास करे। अन्यथा सब यही मानेंगे कि ये सम्मान सिर्फ चुनावी लाभ के लिए हैं।

क्या राजस्थान में मनमोहन की सीट पर सवार होंगी सोनिया गांधी?

'सेफ सीट' पर जीत की मानी जा रही गारंटी

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा चुनाव में उतरने की संभावना लगभग तय मानी जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान ने सोनिया गांधी को इस बार राज्यसभा में भेजने का मन बनाया है और इसके लिए सबसे सेफ सीट राजस्थान को माना जा रहा है। इधर, प्रदेश कांग्रेस और पार्टी के विधायक दल ने भी सोनिया गांधी को राजस्थान के रास्ते राज्यसभा भेजे जाने की पैरवी की है।

डॉ मनमोहन की जगह सोनिया !

यदि सब कुछ सही दिशा में आगे बढ़ता है तो सोनिया गांधी राज्यसभा चुनाव में राजस्थान से उम्मीदवार रहेंगी। ऐसे में वे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का कार्यकाल पूर्ण होने के चलते उनकी सीट से उच्च सदन में प्रवेश करेंगी।

राजस्थान से पहुंची 'सिफारिश'

सोनिया गांधी को राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से उम्मीदवार बनाने जाने को लेकर राजस्थान कांग्रेस पार्टी और विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की ओर से केंद्रीय संगठन को आग्रह पत्र भेजा गया है। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अपने-अपने बयानों में कहा है कि सोनिया गांधी को राजस्थान से उम्मीदवार बनाये जाने की आलाकमान से गुज़ारिश की गई है।अगर केंद्रीय नेतृत्व इस आग्रह को स्वीकार करता है तो इससे ख़ुशी की बात और क्या होगी।

ऐसे समझिए 'जीत का गणित'

वर्त्तमान समय में सोनिया गांधी को राज्यसभा तक भेजने के लिए राजस्थान ही सबसे सेफ सीट मानी जा रही है। दरअसल, राज्य विधानसभा में यहां कांग्रेस उम्मीदवार को एक सीट जीतने के लिए 51 वोट की आवश्यकता है, जबकि उसके पास 70 विधायक हैं। जबकि अन्य चुनावी राज्यों में इतनी 'सुरक्षित' परिस्थिति नहीं है और क्रॉस वोटिंग की भी आशंका है। ऐसे में सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा भेजे जाने की प्रबल संभावना है।

बड़े प्लान पर हो रहा काम

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस आलाकमान गांधी परिवार की 'सेफ एडजस्टमेंट' के प्लान पर काम कर रहा है। इसके मुताबिक़ सोनिया गांधी को स्वास्थ्य कारणों से इस बार लोकसभा का उम्मीदवार नहीं बनाकर राज्यसभा भेजने की तैयारी है।

इसके अलावा उनकी परम्परागत राय्बरववेळी की लोकसभा सीट पर उनकी बेटी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को उतारे जाने की चर्चाएं हैं। गौरतलब है कि गांधी परिवार अपनी अमेठी की परंपरागत सीट को राहुल गांधी की हार के बाद गंवा चुका है।

सिकराय विधायक विक्रम बंसीवाल बोले- काम नहीं करने वाले अधिकारी-कर्मचारी जिला बदर होंगे

दौसा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। दौसा जिले के सिकराय विधानसभा से विधायक विक्रम बंसीवाल ने कहा, हाल ही में तबादले से रोक हटी है। लेकिन तबादलों में भ्रष्टाचार नहीं चलेगा। वहीं, जो अधिकारी-कर्मचारी जनता के काम नहीं करेगा, वह जिला बदर होगा।

भाजपा के सत्ता में आने के बाद विधायक पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आने लगे हैं, जिसके चलते सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल क्षेत्र के दौरे पर रहे। विधायक ने अपने फार्म हाउस पर जनसुनवाई कर पीलोडी गांव में एक सुड्डा दंगल कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र में टॉपर बालिकाओं को राम मन्दिर दर्शन करवाने की बात भी कही। इस मौके पर विक्रम बंसीवाल ने कहा कि सिकराय विधानसभा की बेटियों को जो 12वीं क्लास में टॉप परसेंटेज बनाएंगीं, उन्हें हवाई यात्रा कराई जाएगी।

वहीं, हाल ही में तबादलों से हटीं रोक पर बोलते हुए कहा कि तबादलों में भष्टाचार नहीं चलेगा। वहीं, जो अधिकारी-कर्मचारी जनता के काम नहीं करेगा, उसे जिला बदर होना पड़ेगा। इस दौरान लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पर बोलते हुए कहा कि ये राजस्थान की पहचान है।

इस दौरान पीलोडी गांव में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में दो अतिरिक्त संकाय पूर्व मंत्री गोलमा देवी की घोषणा को जल्द पूरा करने का भरोसा दिलाया। इससे पहले कार्यक्रम में पूर्व मंत्री गोलमा देवी, दौसा विधायक मुरारीलाल मीणा ने भी शिरकत की। इस अवसर पर जिला महामंत्री लाखन सिंह पांचोली, पंचायत समिति सदस्य महेंद्र पीलोडी सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव के उम्मीदवारों की घोषणा की

मदनलाल राठौड़-चुन्नीलाल गरासिया को बनाया उम्मीदवार

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ को उम्मीदवार बनाए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए राजस्थान से चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ को उम्मीदवार घोषित किया।

पार्टी की ओर से जारी एक सूची में दोनों की उम्मीदवारी की घोषणा की गई।

इसमें बताया गया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने दोनों के नामों पर मुहर लगाई है। राज्यसभा की तीन सीटों के लिए राजस्थान विधानसभा में 27 फरवरी को मतदान होना है। बीजेपी, कांग्रेस, निर्दलीय और अन्य दलों के प्रत्याशियों की संख्या के हिसाब से राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के दो और कांग्रेस के एक प्रत्याशी की जीत तय मानी जा रही है। प्रत्याशियों की संख्या तीन से ज्यादा हुई तो मतदान प्रक्रिया अपनाई जाएगी अन्यथा तीनों प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो जाएंगे।

बता दें कि मदन राठौड़ दो बार के विधायक रहे हैं। साल 2003 में पहली बार विधायक बने थे। वहीं, साल 2013 में दूसरी बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे। साल 2013 से 2018 में सरकारी उप मुख्य सचेतक रहे।

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी आतंकी गतिविधियों में शामिल

एनआईए कोर्ट ने सभी 9 आरोपियों पर तय किए चार्ज

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कन्हैयालाल हत्याकांड के मामले में एनआईए कोर्ट ने सभी 9 आरोपियों पर चार्ज फ्रेम कर दिए हैं. इन आरोपों में आतंकी गतिविधि में शामिल होने, कन्हैयालाल की हत्या करने, अन्य धर्म-जाति को अपमानित करने और नुकसान पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं.

राजस्थान के चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड के मामले में एनआईए कोर्ट ने सभी 9 आरोपियों पर आरोपी तय किए हैं. कोर्ट ने सभी पर आतंकी गतिविधियों में शामिल होने, कन्हैयालाल की हत्या करने, अन्य धर्म-जाति को अपमानित करने और क्षति पहुंचाने और षडयंत्र में शामिल होने का आरोप तय किए हैं. एनआईए कोर्ट ने एनआईए द्वारा पेश की गई चार्जशीट में दिए गए सभी आरोप आरोपियों पर तय किए गए हैं. राजस्थान के उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड में फिलहाल एनआईए कोर्ट की ओर से बड़ा अपडेट सामने आया है. कोर्ट ने फिलहाल सभी 9 आरोपियों पर आरोप तय कर दिए हैं. एनआईए ने आरोपी फरहाद मोहम्मद पर चार्जशीट में आर्म्स एक्ट की धारा लगाई थी. लेकिन, कोर्ट में आरोपों की सुनवाई के दौरान फरहाद मोहम्मद पर भी बाकी आरोपियों की तरह आरोप तय किए गए हैं. कोर्ट की इस कार्यवाही पर आरोपी पक्ष के वकील अखिल चौधरी ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील करेंगे.

बता दें कि राजस्थान के उदयपुर के मालदास स्ट्रीट में सुप्रीम टेलर्स नाम की दुकान चलाने वाले 40 साल के कन्हैयालाल की हत्या की गई थी. उनकी हत्या एक सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से की गई थी. जिस पर न सिर्फ राजस्थान बल्कि पूरे देश में बवाल मच गया था. दरअसल कन्हैयालाल के सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट किया गया था जिसमें उन्होंने बर्खास्त बीजेपी महिला नेता नुपुर शर्मा के एक विवादित पोस्ट का समर्थन किया था. इसके बाद दो शख्स मोहम्मद गौस और मोहम्मद रियाज उनकी दुकान पर पहुंचे और जान से मारने की धमकी देते हुए उनका पोस्ट भी डिलीट कर दिया. इस दौरान कन्हैयालाल ने उन्हें यह भी बताया था कि वह मोबाइल ठीक से नहीं चला पाते हैं. बावजूद इसके आरोपियों ने उनकी नहीं सुनी. इसके बाद 28 जून 2022 को उनकी दुकान पर फिर से यही दोनों शख्स पहुंचे और उन पर तेजधार चाकू से हमला कर दिया और उनकी हत्या कर दी. इसके बाद आरोपियों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी करके उनकी हत्या की जिम्मेदारी भी ली थी. इस हत्याकांड के मामले में फिलहाल 9 लोगों के खिलाफ एनआईए कोर्ट में सुनवाई चल रही है.

बता दें कि कन्हैयालाल की हत्या के बाद उनके परिवार में उनकी पत्नी और उनके दो बेटे हैं. उनके दोनों बेटे पढ़ाई कर रहे हैं और मां हाउसवाइफ हैं. घर का जैसे-तैसे गुजारा चल रहा है. उनका परिवार पिछले करीब दो साल से कन्हैयालाल की हत्या के मामले में न्याय का इंतजार कर रहा है.

जल जीवन मिशन घोटाले में मंत्री कन्हैयालाल ने लिया एक्शन

जलदाय विभाग के पांच अधिकारी निलंबित

दौसा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री दौसा जिले के महवा में एक कार्यक्रम में पहुंचे। जल जीवन मिशन योजना में महवा उपखंड की शिकायत पिछले लंबे समय से मिल रही थी और ईडी भी दौसा में जल जीवन मिशन के तहत हुए घोटाले की जांच में जुटी है।

अब अधिकारियों की लापरवाही सामने आई। तब खुद पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने विभाग की टीम को साथ लेकर महवा क्षेत्र में जल जीवन मिशन योजना के कार्यों का निरीक्षण किए तो घटिया गुणवत्ता वाली पाइप लाइन और घटिया मोटर पंप मिले। ऐसे में मंत्री चौधरी एक्शन में नजर आए। मंत्री महवा ईसरदा पेयजल योजना का शिलान्यास करने के लिए आए थे।

मंत्री चौधरी ने एक्सईएन सिद्धार्थ मीणा, एक्सईएन हेमन्त मीना, एईएन नानग राम बैरवा, जेईएन दारा सिंह मीणा और जेईएन महाराज सिंह गुर्जर को निलंबित किया।

ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में जा घुसी तेज रफ्तार कार

दो युवकों की मौत

जैसलमेर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के बड़ाबाग गांव के पास एक कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई। रफ्तार तेज होने के कारण कार ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराने के बाद हवा में उछलकर 100 मीटर दूर जा गिरी। हादसे में कार में सवार दिगपाल (19) पुत्र गोपाराम निवासी काठोड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायल नागेश (19) पुत्र किशनाराम निवासी रूपसी को जवाहर हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने नागेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल अशोक मेघवाल निवासी सम का इलाज चल रहा है।

लॉरेंस के शूटर समेत 22 बालअपचारी भागे,10 घंटे बाद 4 दबोचे, 19 की तलाश

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। ट्रांसपोर्ट नगर थाना अंतर्गत सेठी कॉलोनी में बाल (किशोर) सम्प्रेक्षण गृह से कटर मशीन से लोहे की खिड़की काटकर 23 नाबालिग भाग गए। सभी नाबालिग मनोचिकित्सालय में पीडब्ल्यूडी चौकी की तरफ खिड़की से कूदकर अलग-अलग दिशा में भाग गए। भागने वालों में लॉरेंस का गुर्गा व जी क्लब पर अंधाधुंध फायरिंग करे वाला नाबालिग भी शामिल है और आशंका जताई गई कि इसी ने बाल सम्प्रेक्षण गृह में अपनी गैंग बना ली थी और लॉरेंस गैंग के बाहर रहने वाले गुर्गों ने कटर मशीन व अन्य संसाधन उपलब्ध करवाए। भागने के कुछ घंटे बाद ही गुर्जर की थड़ी के पास रहने वाले व हत्या के मामले में बंद नाबालिग को उसके परिजन पकड़कर वापस ले आए। वहीं दोपहर करीब 2 बजे हरमाड़ा क्षेत्र में दूसरे नाबालिग को पकड़ा गया। जबकि लॉरेंस के गुर्गे सहित 21 नाबालिग की तलाश में अलग-अलग पुलिस टीम जुटी थी।

करीब दो घंटे पड़ताल करने के बाद पुलिस कमिश्नर जोसफ ने कहा कि करीब एक माह से साजिश रची जा रही थी।

114 सरकारी विद्यालय पेयजल सुविधा से वंचित

केंद्रीय प्रभारी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

करौली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। करौली के 114 सरकारी विद्यालय पेयजल सुविधा से वंचित हैं। इन विद्यालयों में शीघ्र ही पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के आशान्वित जिले के केन्द्रीय प्रभारी व अपर शासन सचिव वन, पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार नरेश पाल गंगवार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने शिक्षा, पीएचईडी, ग्रामीण विकास पंचायत विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य योजना बनाकर शत-प्रतिशत स्कूलों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही नीति आयोग के तहत जिले में कुल 49 इंडीकेटरों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए भी कार्य योजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

केन्द्रीय प्रभारी गंगवार यहां कलेक्ट्रेट सभागार में आशान्वित जिले की बैठक को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए संबंधित अधिकारी कार्य योजना बनाकर धरातल पर रहते हुए गांव व ढाणी में अंतिम छोर पर रह रहे आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलवाना सुनिश्चित करें।

समस्त कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा के प्रति एसबीआई हमेशा प्रतिबद्ध : देबाशीष मित्रा

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग चेयरमैन एम वेंकटेशन ने किया एसबीआई के हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ वार्तालाप

हैदराबाद, 13 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग केल चेयरमैन एम वेंकटेशन ने एसबीआई में तैनात हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ वार्तालाप किया।

इस संदर्भ में, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन एम वेंकटेशन, ने अपनी यात्रा के दौरान तेलंगाना के अतिथि गृह, बेगमपेट में एसबीआई के एससी/एसटी कल्याण संघ और आउटसोर्सिंग एजेंसियों के प्रतिनिधियों सहित एसबीआई में तैनात हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ भी बातचीत की। जिसमें आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने अपनी कार्य स्थितियों पर संतुष्टि व्यक्त की। इस दौरान चेयरमैन ने प्राथमिक तौर पर सामाजिक लाभ और वेतन और सभी मानदंडों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया तथा ऐसे कर्मचारियों के लिए प्रमुख नियोक्ता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने तत्संबंधित कर्मचारियो में जागरूकता पैदा करने पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होने उक्त कर्मचारियों को उनके अधिकारों के बारे में बताया।

इस अवसर पर, एसबीआई हैदराबाद सर्कल के महाप्रबंधक देबाशीष मित्रा ने दोहराया कि, स्वच्छ हवादार कार्यस्थल और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा के लिए मानदंड एवं सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के प्रति एसबीआई की हमेशा प्रतिबद्धता रही है।

एसबीआई हैदराबाद सर्कल डीजीएम एवं सीडीओ, जीतेन्द्र शर्मा ने बैंक द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत समाज के कमजोर वर्गों के लाभ के लिए कार्यान्वित की जा रही विभिन्न पहलुओं का उल्लेख किया।

डी.जोएल डेविस ने मंगलवार को संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, साइबराबाद का पदभार ग्रहण किया।

बसंत पंचमी के अवसर पर एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीमान हरिराम दाधीच द्वारा संचालित घाँसी बाजार मुरलीधर मंदिर में स्थित शारदा किड्स द स्कूल में बसंत पंचमी के अवसर पर एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन रखा गया। जिसमें विभिन्न वेशभूषा में विद्या की महारानी माता सरस्वती, श्री राम जी के जीवन के सभी कलाकृतियाँ, शिव- पार्वती, राधा कृष्ण के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक वैज्ञानिक व आधुनिक परिचालक व खानपान व्यवस्था की झांकियाँ थी। इस प्रदर्शनी को भव्यता प्रदान करने में स्टूडेंट हाई स्कूल की प्राध्यापिका श्रीमती वीणा जी, मोनिका टीचर ,ममता परिहार ,ममता ओझा, मेघा ओझा ,नलिनी, पद्मावती ,संध्या रानी, नीतू, ललिता , स्वाति, शोभना व अन्य सभी शिक्षकों की कड़ी मेहनत रही। दिनभर चलने वाली इस प्रदर्शनी में बालकों के अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया और सराहा। साथ ही इस कार्यक्रम पर सामाजिक कार्यकर्ता श्री रामदेव नगला, बीजेपी के नेता श्री पवन मिश्रा व भाजपा गोली गुड़ा डिविजन मंत्री श्री उमेश सिंघानिया ने भी प्रदर्शनी देखकर उसकी भूरी भूरी प्रशंसा की । कार्य की सराहना की तथा सभी ने घाँसी बाजार क्षेत्र में बसने वाले भाइयों से अपील की कि वे अच्छी शिक्षा व संस्कार प्राप्त करने हेतु अपने परिवार के बच्चों को शारदा किड्स द स्कूल में भेजें।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ उठाना चाहिए : कलेक्टर

आसिफाबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि पारंपरिक शिल्प और कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधान मंत्री विश्वकर्मा योजना का लोगों को लाभ उठाना चाहिए। मंगलवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन परिसर में समाहरणालय कक्ष में जिला पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि योजना के माध्यम से हस्तशिल्प एवं जातीय शिल्प पर निर्भर लोगों की दक्षता में सुधार एवं उत्पादन की उत्पादकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योजना से जुड़ने वालों को प्रमाणपत्र, पहचान पत्र, प्रशिक्षण, ऋण सुविधा, डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन, विपणन में सरकारी सहायता प्रदान की जाएगी और इस योजना में 18 जातीय व्यवसायों को शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है, परिवार में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका एक ही व्यक्ति पात्र है, शैक्षणिक योग्यता चाहे जो भी हो, वे कॉमन सर्विस सेंटर पर आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर के साथ पंजीकरण करा सकते हैं। चयनित लोगों को 5 से 7 दिनों का बुनियादी कौशल प्रशिक्षण और 15 दिनों का उन्नत कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा और प्रति दिन 500 रुपये का वजीफा और 15,000 रुपये का टूल किट दिया जाएगा और प्रशिक्षण पूरा होने के बाद एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को इसकी जानकारी हो इसके लिए जिले में व्यापक अभियान चलाया जायेगा। कार्यक्रम में जिला उद्योग केन्द्र जी.एम. रघु, जिला पंचायत अधिकारी उमर हुसैन, एमईपीएमए परियोजना अधिकारी मोतीराम, अग्रणी जिला प्रबंधक हनुमंत राव, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रमा देवी, कॉमन सर्विस सेंटर जिला समन्वयक रोहित और अन्य उपस्थित थे।

सरस्वती पूजा का आयोजन आज

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन के सहयोग से मां सरस्वती यूथ एसोसिएशन मल्लापुर द्वारा 14 से 16 जनवरी तक मां सरस्वती पूजा का आयोजन किया जा रहा है। महासचिव प्रभास कुमार एवं मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया की पूजा शुभारंभ पर गणमान्यों सहित स्थानीय प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। बसंत पंचमी पर आयोजित सरस्वती पूजा के प्रथम दिन पूजा अर्चना एवं विद्या दान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा एवं दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम व भोज का आयोजन है। अध्यक्ष हरे राम सिंह ने बताया पूजा के दूसरे दिन दुगोला सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल आज बैठक कर कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जिसमें उपाध्यक्ष उत्तम यादव, अशोक प्रसाद सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, राजू राय, मां सरस्वती यूथ एसोसिएशन मल्लापुर के शत्रुघन, रविंदर, धर्मेंद्र, एसके तिवारी, अवनीश पांडे, मनजीत, मंजेश, श्रीराम एवं हरेराम इत्यादि सम्मिलित हुए।

थडी हिपरगा गांव में गंदगी का साम्राज्य

मदनूर, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल थड़ी हिपरगा गांव के लोगों ने बताया कि यहां गली-गली में गंदगी का साम्राज्य है। शासन व प्रशासन की लापरवाही के कारण थड़ी हिपरगा गांव की हालत आज भी नहीं बदली है। गांव की नाली का गंदा पानी सडकों पर बह रहा है। इससे जहां राहगीरों को आनेजाने में समस्याओं का सामना करना पड रहा है वहीं गंदे पानी के कारण मच्छरों का आतंक है। गांव में मलेरिया डेंगू जैसी बीमारी भी फालने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मॉक पोल

निर्मल, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत जिला समाहरणालय कार्यालय के समीप स्थापित ईवीएम गोदाम परिसर में इलेक्ट्रॉनिक मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच के समापन के अवसर पर मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मॉक पोल को परिभाषित किया गया।

आगामी संसदीय चुनाव को लेकर चुनाव आयोग के निर्देशानुसार कुल 4134 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं ईवीएम लगाए गये हैं। मतपत्र इकाइयां, (1596) नियंत्रण इकाइयां, (1199) वीवी पैट्स ने कहा कि 1339 ने प्रथम स्तर की जांच पूरी कर ली और 181 को खारिज कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि ईसीआईएल के 10 इंजीनियरों की टीम के निर्देशन में प्रथम स्तर की जांच प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के प्रदर्शन का परीक्षण करने के लिए एक यादृच्छिक मॉक पोल आयोजित किया जाएगा।

अतिरिक्त कलेक्टर राजस्व किशोर कुमार, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि टीडीपी जिला अध्यक्ष सिरिकोंडा रमेश, कांग्रेस युवा अध्यक्ष गजुला रवि, भाजपा जिला सचिव श्रवण रेड्डी, एमआईएम महासचिव प्रमुख चुनाव तकनीकी इंजीनियरिंग साहो, चुनाव अधीक्षक श्रीनिवास, चुनाव कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

विधायक ने बेमौसम बारिश से खराब हुई फसलों का निरीक्षण किया

मुधोल, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय विधायिका पवार रामा राव पटेल ने मंडल के कोलुरु, मोगली, मसलगा और एलवी गांवों में क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण किया। किसानों ने कहा कि उन्हें प्रति एकड़ 30 हजार से एक लाख रुपये तक का नुकसान हुआ क्योंकि ज्वार और मक्का की फसलें पूरी तरह से तैयार हो गई थीं, तम्बाकू की फसलें ओलावृष्टि के कारण पूरी तरह से नष्ट हो गईं, चना, धनिया और तरबूज की फसलें खराब हो गईं। विधायक रामाराव पटेल ने सभी प्रभावित इलाकों का दौरा किया और किसानों को आश्वस्त किया। इस मौके पर विधायक पटेल ने कहा कि किसानों को मुआवजा देने की मांग को लेकर कल विधानसभा में कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के साथ बैठक हुई थी। उन्होंने कहा कि चिंता न करें, वह सरकार की ओर से मदद करेंगे।

बोईनपल्ली भरवा कॉलोनी स्थित श्री गणेश मन्दिर संस्थान में तीन दिवसिय वार्षिक भ्रमोत्सव के अंतिम दिन गणेश मंदिर सेवा समिती के सदस्यों ने हवन कार्यक्रम में उपस्थित जी. विनय सिंह जैन, गौरव जैन, राजीव सरीन, दिपेश पंसारी, राजकुमार असारी, राखी लोढा, सुरभि जैन, स्वीता अंसारी, आशु सरीन एवं मीना असति आदि ने भाग लिया।

श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) शमशाबाद में सीरवी समाज, शमशाबाद, शिक्षा समिति एवं महिला मण्डल के तत्वावधान में आयोजित माही सुदी बीज महोत्सव में भाग लेते हुए समाज बन्धु एवं महिलाए।

युवक ने की आत्महत्या

निर्मल, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को भैंसा मंडल गुंडे गांव में बने नए पुल के नीचे एक शव मिला । भैंसा ग्रामीण पुलिस के अनुसार कुबीर मंडल पार्डी-बि गांव के निवासी कोंगल राजू (27) ने सोमवार को अपने भाई अविनाश को फोन किया और उसने कहा की उसे जीने की कोई इच्छा नहीं वह मरने जा रहा है। मंगलवार को उसका शव पानी में तैरता गुंडेगांव पुल के नीचे पाया गया। पुलिस ने बताया कि राजू को उसकी पत्नी आपसी झगड़ों के कारण 4 वर्षो से उसे छोड़ मायके चली गई और वह शराब की लत से घिर गया। पुलिस ने बताया कि उसने इससे पहले 2 बार आत्महत्या का असफल प्रयास किया था।

सिरपुर कागजनगर का अस्तित्व मिटाने को जुटें रेत माफिया

सिरपुर कागजनगर, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर कागजनगर शहर वासियों के लिए जीवनदायिनी और तेलंगाना को उर्जा पहुंचाने के लिए सहायक पेद्दावागु नदी का अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा है। यहां नदी में बड़े पैमाने पर रेत की चोरी हो रही है। यदि पेद्दावागु नदी से ऐसे ही रेत चोरी होती रही तो वह दिन दूर नहीं जब शहर वासियों को पेयजल मिल पाना कठिन हो जाएगा। इसके बावजूद प्रशासन इस मामले में आंखें मूंदे हुए है।

सिरपुर कागजनगर के आसपास के कुछ ट्रैक्टर मालिक और शहर के कुछ रेत माफिया यहां अवैध तरह से रेत का उत्खनन कर रहे हैं। वही अवैध रेत के खनन से इस नदी का जल भी दूषित हो रहा है। यहां प्रतिदिन रात के समय लाखों की रेत घड़ल्ले से चोरी कर बेचा जा रहा है। राजनैतिक संरक्षण प्राप्त रेती चोर जेसीबी और हाइवा के माध्यम से रात दस बजे से सुबह छः बजे तक रेत का उत्खनन कर खरीददारों तक पहुंचाने के साथ ही उसी स्थान के आसपास अलग अलग जगहों पर भण्डारण कर रहे हैं। यदि समय रहते यहां हो रही रेत तस्करी को नहीं रोका गया तो कभी भी जान माल का नुकसान हो सकता है।

सट्टा मटका खेल रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

आसिफाबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले के एसपी के सुरेश कुमार के आदेश के अनुसार टास्क फोर्स के अधिकारियों ने कागजनगर मंडल के चिंतागुडा गांव में सट्टा मटका खेल रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। सीआई राणा प्रताप और एसएस संदीप कुमार की देखरेख में टास्क फोर्स ने मंगलवार को चिंतागुड़ा में निरीक्षण किया और अब्दुल महमूद के पास से मटका से संबंधित नोट मिले। टास्क फोर्स सीआई ने कहा कि उसके पास से 4320 रुपये की नकदी जब्त की गई और कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन ले जाया गया जहां उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप ने चेतावनी दी कि जिले के सुदूरवर्ती इलाकों में कहीं भी मटका, ऑनलाइन पोस्टिंग, जुआ और पोकर खेलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्य में एसआई संदीप कुमार, टास्क फोर्स स्टाफ पीसी मधु, रमेश, संजीव ने भाग लिया।

चुनाव संचालन के लिए राजनीतिक दल सहयोग करें : कलेक्टर

आसिफाबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि जिले में अगले संसदीय चुनाव को सुचारू रूप से चलाने के लिए राजनीतिक दलों को सहयोग करना चाहिए। जिले के समाहरणालय भवन सभाकक्ष में मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। अंतिम मतदाता सूची के अनुसार जिले में 4 लाख 55 हजार 437 मतदाता हैं, जिनमें 2 लाख 26 हजार 991 पुरुष, 2 लाख 28 हजार 416 महिलाएं और 30 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

चूंकि चुनाव प्रबंधन के हिस्से के रूप में किए गए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के पहले चरण के निरीक्षण कार्यक्रम के तहत इस महीने की 14 तारीख को ईवीएम गोदाम में मतदान कार्यक्रम है, इसलिए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सुबह 8.30 बजे भाग लेना चाहिए।

इस महीने की 14 तारीख को और किसी भी संदेह को दूर करें। उन्होंने कहा कि आगामी संसदीय चुनाव के लिए सहायक मतदान केंद्रों के साथ-साथ सभी उपाय किये जायेंगे। इस कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के पदाधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, संबंधित पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'पीएम की अध्यक्षता ...

अदालत में आज सुनवाई के दौरान जब प्रशांत भूषण ने अंतरिम रोक पर जोर दिया तो पीठ ने कहा, हम आपको इस मामले में अंतरिम राहत नहीं दे सकते। संवैधानिक वैधता का मामला कभी भी निरर्थक नहीं होता। हम अंतरिम राहत देने के लिए अपने मापदंडों को जानते हैं।

बता दें कि नए कानून के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाएगी। इस पैनल की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करेंगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री इस पैनल के सदस्य होंगे।

इस याचिका में कहा गया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(2) के तहत शून्य को भरने के लिए 2023 में कानून बनाया गया था। हालांकि, विवादित धारा कानून की पिछली स्थिति को बहाल करती है। यानी मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पूरी तरह से कार्यपालिका द्वारा की जाएगी। चयन समिति में कार्यपालिका के सदस्यों का वर्चस्व होता है यानी प्रधानमंत्री और केंद्रीय कैबिनेट मंत्री द्वारा ही चुनाव आयुक्तों को नियुक्त कर लिया जाएगा।

राहुल गांधी का ...

बताते चलें कि शंभू बॉर्डर के बाद जींद बॉर्डर पर पंजाब के किसानों की हरियाणा पुलिस से झड़प हुई है। यहां आंसू गैस के गोले भी दागे गए हैं। सामने आया है कि, पुलिस ड्रोन द्वारा आंसू गैस के गोले दाग रही है। वहीं दिल्ली कूच को अड़े किसानों के ऊपर शंभू बॉर्डर पर लगातार आंसू गैस के गोले दागे जा रहे हैं, वहीं किसान भी उग्र हो चुके हैं। उन्होंने बॉर्डर पर बने एक ओवरब्रिज की रेलिंग भी तोड़ दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल की तैयारी में जुटे खिलाड़ियों को बीसीसीआई की वॉर्निंग

कहा- सीनियर प्लेयर्स को रणजी ट्रॉफी खेलनी होगी, वरना हम एक्शन लेंगे

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सीनियर प्लेयर्स को रणजी ट्रॉफी में शामिल नहीं होने के बाद वॉर्निंग दी है। बड़ौदा के क्रुणाल पंड्या और राजस्थान के दीपक चाहर जैसे खिलाड़ी स्टेट टीम से मैच खेलने के बजाय आईपीएल की तैयारी करने को प्राथमिकता दे रखी है।

बीसीसीआई ने नेशनल सिलेक्टर्स से चर्चा के बाद सभी खिलाड़ियों को ईमेल किया। बोर्ड ने खिलाड़ियों को अपनी स्टेट टीम से रणजी ट्रॉफी में अगले राउंड का मैच खेलने के लिए कहा है।

बीसीसीआई ने ईमेल किया

क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, बीसीसीआई ने ईमेल के जरिए खिलाड़ियों को वॉर्निंग दी। बोर्ड ने कहा कि जो खिलाड़ी नेशनल स्क्वॉड और एनसीए में नहीं हैं, उन्हें स्टेट टीम के साथ मैच खेलना ही होगा। रणजी ट्रॉफी का अगला राउंड 16 फरवरी से शुरू होगा। सभी खिलाड़ियों को इस राउंड में स्टेट टीम के साथ शामिल होने की वॉर्निंग दी गई है। अगर खिलाड़ी फिट होने के बावजूद रणजी खेलने नहीं उतरे तो उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

क्रुणाल और चाहर नहीं खेल रहे रणजी मैच

बड़ोदा के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और राजस्थान के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने अभी से आईपीएल की तैयारी करना शुरू कर दिया है। उन्हें अब अपनी घरेलू टीम से रणजी मैच खेलना ही होगा।

क्रुणाल ने घरेलू क्रिकेट में लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट खेला था, लेकिन वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट के लिए अवेलेबल नहीं रहे। दूसरी ओर, चाहर ने पारिवारिक कारणों से दिसंबर-जनवरी में ब्रेक लिया था। वह अब फिट हैं लेकिन फिर भी फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेल रहे।

इतना ही नहीं सीनियर टीम से बाहर हुए श्रेयस अय्यर और मेंटल ब्रेक के बाद वापसी कर चुके ईशान किशन को भी अपने स्टेट की टीम से खेलना ही होगा। ईशान झारखंड और श्रेयस मुंबई से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

डीवाई पाटिल टूर्नामेंट से वापसी करेंगे ईशान

भास्कर के सूत्रों ने बताया कि ईशान ने अपनी फैमिली को टाइम देने के लिए क्रिकेट से ब्रेक लिया था, क्योंकि वह लंबे समय से टीम के साथ थे और अपने परिवार को बिल्कुल भी समय नहीं दे सके। ऐसे में ब्रेक के दौरान ईशान ने परिवार के साथ समय बिताया।

सूत्र ने बताया कि तैयारी नहीं होने के कारण वह रणजी ट्रॉफी नहीं खेल सके। वह मुंबई में होने वाले डीवाई पाटिल टूर्नामेंट से क्रिकेट में वापसी करेंगे।

पुरुष एकल के शीर्ष-100 खिलाड़ियों में सुमित नागल की एंट्री; ऐसा करने वाले 10वें भारतीय

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पुरुष एकल में भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एटीपी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है और करियर बेस्ट रैंकिंग हासिल की है। जारी हुई ताजा एटीपी रैंकिंग में नागल 23 स्थान की छलांग के साथ अपने करियर में पहली बार शीर्ष 100 में पहुंच गए। रविवार को चेन्नई ओपन चैलेंजर टूर्नामेंट में जीत के साथ ही नागल एटीपी रैंकिंग में पुरुष एकल में 98वें पायदान पर पहुंच गए। शीर्ष पर सर्बिया के नोवाक जोकोविच काबिज हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में रचा था इतिहास

पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन में सुमित नागल ने इतिहास रचा था। वह 1989 के बाद से ऑस्ट्रेलियन ओपन में किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए थे। नागल ने पहले दौर में दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुबलिक को 6-4, 6-2, 7-6 (7-5) से हराया था। हालांकि, दूसरे दौर में उन्हें चीन के जनचेंग शैंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

शीर्ष-100 में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय

सुमित नागल पुरुष एकल में 2019 में बाएं हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद शीर्ष 100 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय हैं। वहीं, 1973 में कंप्यूटरीकृत एटीपी रैंकिंग आने के बाद से वह शीर्ष 100 में पहुंचने वाले ओवरऑल 10वें भारतीय और नौवें पुरुष (एकल में) खिलाड़ी हैं। महिलाओं ने सिर्फ सानिया मिर्जा ही एटीपी रैंकिंग में शीर्ष-100 में पहुंच पाई थीं। वह 2007 में महिला एकल में करियर बेस्ट 27वें रैंक पर पहुंची थीं।

चेन्नई ओपन जीतने के बाद भावुक हुए थे नागल

नागल ने रविवार को चेन्नई में मिली जीत के बाद कहा, 'मैं बहुत भावुक हूं। हर टेनिस खिलाड़ी का सपना कम से कम शीर्ष 100 में पहुंचना होता है। जैसा कि मैंने पहले कहा कि अपने देश के घरेलू दर्शकों के सामने यह मैच जीतना शानदार है। इसके लिए इससे बेहतर जगह नहीं हो सकती थी।'

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसे बयां करने के लिए शब्द थे। हर कोई रो रहा था। शब्द कम थे, आंसू ज्यादा। मैं अब भी बहुत भावुक हूं। पिछले साल मेरी रैंकिंग 500 थी, जिसके बाद मेरी सर्जरी हुई और वित्तीय सहयोग भी नहीं था तो पिछला साल काफी मुश्किल रहा। काफी उतार चढ़ाव हुए। मैं खुश हूं कि हर दिन आगे बढ़ने के लिए मुझे एक तरीका मिल गया।'

यहां उन भारतीय खिलाड़ियों की पूरी सूची दी गई है, जो अपने करियर के किसी चरण में (करियर बेस्ट रैंकिंग के साथ) शीर्ष 100 (एकल) में शामिल रहे हैं:

नाम	करियर बेस्ट रैंकिंग (साल जिसमें हासिल किया)
विजय अमृतराज	18 (1980)
आनंद अमृतराज	74 (1974)
सानिया मिर्जा	27 (2007)
जसजीत सिंह	89 (1974)
शशि मेनन	71 (1975)
रमेश कृष्णन	23 (1985)
सोमदेव देववर्मन	62 (2011)
यूकी भांबरी	83 (2018)
प्रजनेश गुणेश्वरन	75 (2019)
सुमित नागल	98* (2024)

एशियाड और राष्ट्रमंडल खेल की पदक विजेता पहलवान दिव्या डोप में फंसीं

लग सकता है चार साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली देश की नामी पहलवान दिव्या काकरान डोप में फंस गई हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) की ओर से लिए गए उनके सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरायड मिथाइल टेस्टोस्टोरॉन और उसके मेटाबोलाइट्स पाए गए हैं। यूपी की अर्जुन अवॉर्डी इस पहलवान को नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। अगर वह नाडा के सुनवाई पैनल के समक्ष अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाईं तो उन पर अधिकतम चार साल का प्रतिबंध लग सकता है।

आउट ऑफ कंपटीशन सैंपलिंग हुई

नाडा ने बीते वर्ष 15 दिसंबर को दिव्या का आउट ऑफ कंपटीशन सैंपल मुजफ्फरनगर (यूपी) स्थित उनके आवास से लिया था, जिसकी टेस्टिंग वाडा से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय डोप टेस्ट लैबोरेटरी (एनडीटीएल) में की गई थी। इसी लैब की टेस्टिंग में एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरायड पाया गया है। नाडा ने 10 जनवरी से से दिव्या पर अस्थाई प्रतिबंध लगाया है, जिसके चलते वह राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी नहीं खेल सकीं। सूत्र बताते हैं कि दिव्या ने बी सैंपल भी टेस्ट करा लिया है।

दो बार की हैं एशियाई चैंपियन

दिव्या ने 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों में 68 भार वर्ग में कांस्य जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2018 और 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में भी कांस्य पदक जीता। वह दो बार एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं और 2017 में उन्होंने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप का भी स्वर्ण जीता। उन्हें 2020 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय खेल में सिमरन फंसीं थीं

गोवा में हुए राष्ट्रीय खेलों के दौरान 57 किलो में कांस्य पदक जीतने वाली दिल्ली की पहलवान सिमरन इससे डोप पॉजिटिव पाई जा चुकी हैं। उनके सैंपल में भी स्टेरायड नॉरएंड्रोस्टोरॉन पाया गया था।

कुलवंत खेजरोलिया ने 4 गेंद पर 4 विकेट लिए

रणजी में ऐसा करने वाले तीसरे गेंदबाज; जलज सक्सेना ने झटके 9 विकेट

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी में छठे राउंड के नतीजे आए। मध्यप्रदेश के लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया 4 गेंद में 4 विकेट लेने का कारनामा किया। वह रणजी में ऐसा करने वाले तीसरे ही बॉलर बने। उनके प्रदर्शन के दम पर मध्यप्रदेश ने बड़ोदा को पारी के अंतर से हराया।

दूसरी ओर, केरल के स्पिनर जलज सक्सेना ने पारी में महज 68 रन देकर 9 विकेट झटक लिए। वह ऐसा करने वाले छठे बॉलर बने। उनके दम पर टीम ने बंगाल को 109 रन से हराया।

खेजरोलिया के प्रदर्शन से जीता मध्य प्रदेश

कुलवंत खेजरोलिया ने दूसरी पारी में 4 बॉल पर 4 विकेट लेकर बड़ोदा की पारी समेट दी। उन्होंने पारी में 34 रन देकर कुल 5 विकेट लिए। बड़ोदा 270 रन ही बना सका, टीम ने पहली पारी में 132 रन बनाए थे। मध्य प्रदेश ने पहली पारी में 454 रन का स्कोर खड़ा किया था, इसलिए टीम को पारी और 52 रन से जीत मिली।

4 बॉल में 4 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज

खेजरोलिया से पहले 2 ही गेंदबाज रणजी में 4 बॉल पर 4 विकेट ले सके थे। जम्मू-कश्मीर के मोहम्मद मुदस्सिर और दिल्ली के शंकर सैनी रणजी ट्रॉफी में 4 बॉल पर 4 विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं। सैनी ने 1995 और मुदस्सिर ने 2015 में ऐसा किया था। 37 साल के ऑलराउंडर जलज सक्सेना ने बंगाल के खिलाफ पहली पारी में 9 विकेट झटके। उन्होंने महज 68 रन दिए। वह रणजी ट्रॉफी की एक पारी में 9 विकेट लेने वाले छठे बॉलर बने, वहीं केरल की ओर से ऐसा करने वाले वह पहले ही बॉलर बने।

रणजी में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड मुंबई के अंकित चव्हाण ने 2012 में बनाया था। उन्होंने पंजाब के खिलाफ महज 23 रन देकर 9 विकेट झटके थे। बंगाल की टीम पहली पारी में 180 रन ही बना सकी थी। दूसरी ओर केरल ने पहली पारी में 363 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी 265/6 के स्कोर पर डिक्लेयर की। जलज ने दूसरी पारी में भी 4 विकेट लिए। बंगाल की टीम दूसरी पारी में 339 रन ही बना सकी, जिस कारण उन्हें 109 रन से मुकाबला गंवाना पड़ा।

मुंबई और त्रिपुरा ने ड्रॉ मुकाबले में बनाई बढ़त

मुंबई और छत्तीसगढ़ के बीच मैच ड्रॉ रहा। मुंबई ने पहली पारी में बढ़त बनाई, इसलिए उन्हें एक्स्ट्रा पॉइंट मिला। चंडीगढ़ और त्रिपुरा के बीच मैच ड्रॉ रहा। यहां त्रिपुरा ने पहली पारी में बढ़त बनाई।

हैदराबाद-मेघालय में होगा प्लेट ग्रुप का फाइनल

एलिट ग्रुप में 7वें राउंड के मुकाबले 16 फरवरी से शुरू होंगे। जबकि प्लेट ग्रुप में सेमीफाइनल खेले जा चुके हैं। हैदराबाद ने नगालैंड को पारी और 68 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। जबकि मेघालय ने मिजोरम को 6 विकेट से हराया। मुकाबला 17 फरवरी से खेला जाएगा।

एलिट स्टेज में 4 ग्रुप हैं। हर ग्रुप की 2-2 टॉप टीमों के बीच 23 फरवरी से क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। रणजी ट्रॉफी का फाइनल 10 से 14 मार्च तक होगा। रणजी में लीग स्टेज के मुकाबले 4 दिन और नॉकआउट स्टेज के मुकाबले 5 दिन तक चलते हैं।

रणजी ट्रॉफी में राउंड-6 के बाकी नतीजे इस प्रकार रहे।

हरियाणा ने झारखंड को पारी और 205 रन से हराया। सर्विसेज ने मणिपुर को पारी और 196 रन से हराया। विदर्भ ने महाराष्ट्र को 10 विकेट से हराया। असम ने बिहार को 9 विकेट से हराया। सौराष्ट्र ने राजस्थान को 218 रन से हराया। उत्तराखंड ने ओडिशा को 162 रन से हराया। दिल्ली ने हिमाचल प्रदेश को 76 रन से हराया। रेलवे ने गोवा को 63 रन से हराया।

क्या साल 2024 रहेगा पीवी सिंधू के नाम?

चोट से उबरने के बाद एशिया टीम चैंपियनशिप में करेंगी वापसी

शाह आलम, 13 फरवरी (एजेंसियां)। थॉमस कप चैंपियन भारत अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बूते बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) का खिताब जीतने की कोशिश करेगा, जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू की चोट से वापसी होगी। भारतीय पुरुष टीम ने 2022 में थॉमस कप जीता और पिछले साल के एशियाई खेलों में पहला रजत पदक हासिल किया था।

टीम की कोशिश इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचने की होगी जिसमें उसने 2016 और 2018 में कांस्य पदक जीता था। सिंधू के लिए यह टूर्नामेंट ज्यादा अहमियत रखता है क्योंकि वह पिछले साल अक्तूबर से खेल से बाहर हैं जिससे वह अपनी मैच फिटनेस देखना चाहेंगी और जरूरी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगी।

पहले नॉकआउट में पहुंचने का लक्ष्य

भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप ए के लीग मैच में मजबूत चीन और हांगकांग का सामना करना होगा जिससे यह उसके लिए इतना आसान नहीं होगा। एचएस प्रणय की अगुआई में भारत लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी के साथ शीर्ष दो में जगह बनाकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने की कोशिश करेगा।

सिंधू के नेतृत्व वाली महिला टीम को ग्रुप 'डब्ल्यू' में सिर्फ चीन से भिड़ना है जो ग्रुप की दूसरी टीम है जिससे भारत ने नॉकआउट में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। महिला टीम के लिए सफर मुश्किल भरा होगा जिसमें सिंधू और दो युगल जोड़ियां त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद तथा अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो शामिल हैं। 28 साल की सिंधू को फ्रेंच ओपन में घुटने में चोट लग गई थी। फिटनेस हासिल करने के बाद वह बेंगलुरु में 'मेंटोर' प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग में जुटी थीं।

ओलंपिक के लिए मिलेंगे जरूरी क्वालिफिकेशन अंक

यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इससे 'रेस टूर द 2024 पेरिस ओलंपिक' के लिए महत्वपूर्ण क्वालिफिकेशन अंक मिलेंगे। ध्यान युवा और दूसरे दर्जे के भारतीय खिलाड़ियों पर भी लगा होगा जिसमें अस्मिता चालिहा, अनमोल खरब और तन्वी शर्मा शामिल हैं। भारत बुधवार से अपने अभियान की शुरुआत करेगा जिसमें पुरुष टीम का सामना हांगकांग से होगा जबकि सिंधू एंड कंपनी की भिड़ंत चीन से होगी जिसमें ओलंपिक चैंपियन चेन यु फेई अनुपस्थित होंगी।

बीसीसीआई अफसर बोले- गलत सिग्नल दे रहे राहुल

फिट नहीं तो बैटिंग का वीडियो क्यों पोस्ट किया

चोट के कारण तीसरे टेस्ट से बाहर हैं केएल

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। केएल राहुल के तीसरे टेस्ट से बाहर होने पर बीसीसीआई ने सवाल उठाए। बोर्ड अधिकारी ने कहा कि राहुल अगर फिट नहीं हैं तो वह इंस्टाग्राम पर अपनी बैटिंग की वीडियो पोस्ट क्यों कर रहे हैं। ऐसा करने से वह बोर्ड को गलत सिग्नल भेज रहे हैं।

टीम इंडिया के बैटर राहुल इंजरी के कारण इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए थे। उन्हें आखिरी 3 टेस्ट के स्क्वॉड में शामिल किया गया, लेकिन ही बीसीसीआई ने बताया कि राहुल फिट नहीं हैं और वह तीसरा टेस्ट नहीं खेल सकेंगे।

राहुल को संभालने में मेडिकल टीम की भी गलती

बीसीसीआई ऑफिशियल ने पीटीआई से कहा, 'अगर बीसीसीआई मेडिकल टीम को पता था कि राहुल की चोट गंभीर है तो उन्होंने राहुल को स्क्वॉड में शामिल करने की छूट दी ही क्यों? और खिलाड़ी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी बैटिंग की वीडियो पोस्ट कर गलत सिग्नल क्यों भेज रहे हैं?'

राहुल ने पिछले दिनों इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी बैटिंग की वीडियो शेयर की थी। बीसीसीआई अधिकारी का कहना है कि राहुल ने वीडियो शेयर की, इसीलिए उन्हें लगा कि वह खेलने के लिए फिट हैं।

राहुल 90% ही फिट हो सके इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी 3 टेस्ट के लिए टीम इंडिया का ऐलान शनिवार को हुआ। राहुल के साथ दूसरा टेस्ट नहीं खेल सके रवींद्र जडेजा को भी स्क्वॉड में जगह मिली। हालांकि, बीसीसीआई ने कहा कि दोनों की फिटनेस रिपोर्ट आने के बाद ही उन्हें मैच खेलने दिया जाएगा।

अब बीसीसीआई ने ही बताया कि राहुल तीसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। राहुल 90% ही फिट हैं और वह बेंगलुरु में रहकर एनसीए की निगरानी में रिकवरी करेंगे। ताकि वह चौथे और पांचवें टेस्ट के लिए फिट हो सकें।

राहुल की जगह पड्डिकल शामिल

राहुल की जगह कर्नाटक के ही लेफ्ट हैंड बैटर देवदत्त पड्डिकल को स्क्वॉड में शामिल किया गया। पड्डिकल इस वक्त रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह 2024 के सीजन में 4 ही मुकाबलों में 556 रन बना चुके हैं। उन्होंने 3 शतक लगाए। पिछले दिनों तमिलनाडु के खिलाफ 151 रन की पारी के दौरान टीम इंडिया के चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर स्टेडियम में बैठकर उनका प्रदर्शन भी देख रहे थे।

जडेजा टीम के साथ जुड़े

बीसीसीआई स्टेटमेंट के बाद राहुल एनसीए में ही रुक गए, जबकि रवींद्र जडेजा राजकोट में टेस्ट खेलने के लिए टीम के साथ जुड़ गए हैं। राजकोट उनका होमग्राउंड है, जहां 15 फरवरी को मुकाबला शुरू होने से पहले उन्हें सम्मानित किया जाएगा। उनके साथ भारत के लिए 100 से ज्यादा टेस्ट खेल चुके चेतेश्वर पुजारा को भी बोर्ड सम्मानित करेगा।

हालांकि, जडेजा तीसरा टेस्ट तभी खेलेंगे जब वह पूरी तरह फिट होंगे। अगर वह खेले तो अक्षर पटेल या कुलदीप यादव में से किसी एक को बाहर बैठना पड़ सकता है। दूसरे टेस्ट में कुलदीप ने अपनी बॉलिंग से इंग्लिश बैटर्स को परेशान किया था। वहीं अक्षर दोनों टेस्ट में अपनी बैटिंग से प्रभावित कर चुके हैं। टीम के तीसरे स्पिनर रविचंद्रन अश्विन रहेंगे।

नजमुल हुसैन शांतो तीनों फॉर्मेट में बांग्लादेश के कप्तान बने

ढाका, 13 फरवरी (एजेंसियां)। नजमुल हुसैन शांतो को तीनों फॉर्मेट में में बांग्लादेश का कप्तान नियुक्त किया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अध्यक्ष नजमुल हसन के मुताबिक शांतो को एक साल के लिए कमान सौंपी गई है। यह खबर टी20 फॉर्मट में आश्चर्य के रूप में आती है, जिसमें शाकिब अल हसन जून में आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए कप्तानी करने वाले थे। अब शांतो उनकी जगह कप्तानी करेंगे।

शांतो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल के टेस्ट मैचों में और बाद में न्यूजीलैंड के वनडे और टी-20 टूर के दौरान टीम का प्रभावशाली तरीके से नेतृत्व किया। वहीं, वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी शाकिब के चोटिल होने के बाद उन्हें कप्तान बनाया गया था।

शाकिब ने पिछले साल वर्ल्ड कप से पहले घोषणा की थी कि वह टूर्नामेंट के बाद वनडे कप्तानी छोड़ देंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया था कि उनके टेस्ट में बने रहने की संभावना नहीं है, लेकिन उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान टीम को लीड करने की इच्छा जताई थी। शाकिब की कप्तानी में बांग्लादेश ने इंग्लैंड को 2023 में 3-0 से टी-20 सीरीज हराई थी।

नजमुल हुसैन शांतो को 95 इंटरनेशनल मैचों का अनुभव हैं। उन्होंने साल 2017 में टेस्ट, 2018 में वनडे और 2019 में टी-20 में बांग्लादेश के लिए डेब्यू किया था।

न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका दूसरा टेस्ट

स्वार्ट अर्धशतक बनाकर नाबाद; स्टंप्स तक साउथ अफ्रीका का स्कोर 220/6

खेल डेस्क,13 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला हैमिल्टन में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन मंगलवार को साउथ अफ्रीका ने दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट के नुकसान 220 रन बना लिए हैं।

मेहमान टीम साउथ अफ्रीका से रुआन डे स्वार्ट 55 और शॉन वॉन बर्ग 34 रन बनाकर नाबाद लौटे। स्वार्ट ने टेस्ट करियर का पहला अर्धशतक लगाया। कीवी टीम से रचिन रवींद्र ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीका की खराब शुरुआत रही। विकेटकीपर-बैटर क्लाइड फोर्च्यून बिना खाता खोले ही आउट हो गए। इसके बाद टीम को दूसरा झटका कप्तान नील ब्रांड के रूप में लगा। ब्रांड 25 रन बनाकर आउट हुए। रेनार्ड वान टोंडर 32 रन बनाकर आउट हुए। जुबैर हमजा ने 20 और डेविड बेडिंघम ने 39 रन बनाए। कीगन पीटरसन 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

लोगों को 'मेडिगड्डा' के बारे में तथ्य जानना चाहिए : सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि बुजुर्गों ने कहा है कि सिंचाई परियोजनाएं आधुनिक मंदिरों की तरह हैं। उन्होंने कहा कि जितने पवित्र मंदिर हैं, उतनी ही किसानों के लिए परियोजनाएं भी पवित्र होती हैं। तेलंगाना में पीने और सिंचाई के पानी के दो मुख्य स्रोत हैं। वे कृष्णा और गोदावरी जल हैं। कृष्णा जल पर विधान सभा में कुछ हद तक चर्चा हो चुकी है। हम राज्य की जनता को तथ्य समझाने में सफल रहे और दूसरा है गोदावरी का जल।

अतीत में, शासकों ने तेलंगाना को हरा-भरा बनाने के लिए प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना शुरू करने का निर्णय लिया था। यह प्रोजेक्ट लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया था। टेंडर प्रक्रिया 2008 में 38,500 करोड़ रुपये के अनुमान के साथ शुरू की गई थी। जब तेलंगाना अलग राज्य बना तब भी हजारों करोड़ रुपये के काम हुए। जब बीआरएस सरकार सत्ता में आई, तो उन्होंने प्रोजेक्ट रीडिज़ाइन करने की घोषणा की। तुम्मीडीहट्टी में बनने वाली परियोजना में बदलाव किये गये और मेडिगड्डा, अन्नाराम, सुंदिल्लाला आदि बांध बनाये गये। आखिरकार 38,500 करोड़ रुपये के अनुमान के साथ शुरू की गई प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना को बढ़ाकर 1.47 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। भविष्य में इसके और बढ़ने की संभावना है। उम्मीदें कैसे जगाई जाती हैं? रीडिजाइन कैसे किया गया? इसके तकनीकी पहलू क्या हैं? रि-डिजाइनिंग को लेकर विशेषज्ञों ने जो डीपीआर दी थी, वह कहां है? उसके बाद जो निर्माण और मेंटेनेंस हुआ, वह सब आज भी सवाल बनकर रह गया है। पिछली सरकार के नेताओं ने कहा था कि रेत की आवाजाही के कारण मेडिगड्डा बैराज ढह गया। हजारों करोड़ खर्च हो चुके हैं। पुलिस का पहरा बिठा दिया है, ताकि कोई बैराज पर न जा सके। रेवंत रेड्डी ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत-पाक सीमा पर भी उस स्तर की सुरक्षा होगी। शिकायतें मिलने के बाद केंद्र सरकार ने कदम उठाया। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने परियोजना की स्थिति का विवरण देते हुए एक रिपोर्ट दी है। अंततः उस रिपोर्ट को भी पिछली सरकार ने गलत ठहराया।

कुछ अधिकारियों ने मेडीगड्डा की स्थिति के संदर्भ में अपने कार्यालयों से फाइलें नष्ट कर दी थीं। हमने तुरंत मेडीगड्डा और अन्नाराम बैराज में अनियमितताओं की जांच का आदेश दिया। सतर्कता समिति ने प्रारंभिक रिपोर्ट दी। इसमें बैराज निर्माण में लिए गए फैसले और रखरखाव में लापरवाही समेत कई बातों का जिक्र था। अभी भी किसी को नहीं पता कि बैराज पर क्या हुआ। इसीलिए, हमने सभी विधायकों और विधान पार्षदों से बैराज का दौरा करने का अनुरोध किया है। अगर ऐसा हुआ तो वहां की वास्तविक स्थिति सभी को पता चल जायेगा। कालेश्वरम परियोजना बहुत बढ़िया है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि कालेश्वरम परियोजना भारतीय नेताओं के लिए एटीएम की तरह बन गयी है। तेलंगाना के लोगों को तथ्य जानना चाहिए। यही हमारा इरादा है। रेवंत रेड्डी ने बताया कि हम परियोजनाओं की वास्तविक स्थितियों की जांच के बाद दो या तीन दिनों में श्वेत पत्र जारी करेंगे।

भक्तों के घर पर पहुंचेगा मेडारम सम्मक्का सरलम्मा प्रसाद

टीएसआरटीसी ने शुरू किया पवित्र कार्य

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने उन भक्तों के लिए एक पवित्र समारोह शुरू किया है जो मेडारम सम्मक्का सरलाम्मा जतारा में नहीं जा सकते हैं, जिसे तेलंगाना कुंभ मेले के रूप में जाना जाता है। पिछले मेले की तरह इस बार भी सम्मक्का सरलम्मा अम्मावरला का प्रसाद भक्तों के घर तक पहुंचाने की सेवा दे रही है। इस हद तक, टीएसआरटीसी रसद विभाग ने ऋण विभाग के साथ एक समझौता किया है। देवस्थानम से अम्मावरला प्रसाद के साथ, संगठन भक्तों को हल्दी और केसर प्रदान करेगा।जबकि मेदाराम महाजातरा इस महीने की 21 से 24 तारीख तक आयोजित किया जाएगा, टीएसआरटीसी ने भक्तों को इस महीने की 14 से 25 तारीख तक अम्मावरला प्रसाद को ऑनलाइन/ऑफ़लाइन बुक करने की सुविधा प्रदान की है। भक्त

299 रुपये का भुगतान करके निकटतम टीएसआरटीसी लॉजिस्टिक्स (कार्गो) काउंटरों, पीसीसी एजेंटों और विपणन अधिकारियों से मेडारम प्रसाद बुक कर सकते हैं। आप अम्मावरला प्रसाद को https://rb.gy/q5rj68 लिंक पर क्लिक करके या पेटीएम इनसाइडर ऐप पर ऑर्डर कर सकते हैं। "परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के निर्देशों के अनुसार, टीएसआरटीसी प्रबंधन ने उन भक्तों को प्रसादम (सोना) देने का फैसला किया है जो मेडाराम सम्मक्का सरलाम्मा अम्मावर नहीं जा सकते। प्रसाद के साथ-साथ अम्मावर की हल्दी और केसर भी उन भक्तों को दिया जाएगा बुक करें। यह बुकिंग सुविधा केवल तेलंगाना में उपलब्ध है। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने स्पष्ट किया कि यह सेवा राज्य के सभी लॉजिस्टिक्स (कार्गो) काउंटरों पर उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि पीसीसी एजेंटों के साथ-साथ डिपो में काम करने वाले विपणन अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है और प्रसाद का ऑर्डर दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, जो भक्त लॉजिस्टिक्स केंद्रों पर जाने में असमर्थ हैं, वे पेटीएम इनसाइडर पोर्टल या ऐप के माध्यम से आसानी से ऑनलाइन प्रसाद बुक कर सकते हैं। ऑनलाइन बुकिंग के समय श्रद्धालुओं को अपना सही पता, पिन कोड और फोन नंबर दर्ज करना होगा।

मेडिगड्डा बैराज के लिए रवाना होने से पहले सीएम रेवंत ने केसीआर को फिर से दौरे में शामिल होने का आमंत्रण दिया

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदिगड्डा बैराज के लिए पार्टी के सभी विधायकों और एमएलसी की आधिकारिक यात्रा से पहले, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से दौरे में शामिल होने की अपील की। मंगलवार को मेदिगड्डा बैराज की आधिकारिक यात्रा पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी के बाद राज्य विधानसभा को अचानक स्थगित कर दिया गया।

विधानसभा को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने 2008 में 38,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली प्राणहिता चेवेल्ला परियोजना के निर्माण के लिए निविदाएं बुलाई थीं और बाद में कांग्रेस नेता वेंकटस्वामी के सुझाव पर इस परियोजना का नाम डॉ. बीआर अंबेडकर के नाम पर रखा गया था। हालाँकि, तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, बीआरएस सरकार ने रीडिज़ाइन के नाम पर परियोजना के डिज़ाइन को बदल दिया था और इसका अनुमान 1,4%,000 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया था। उन्होंने कहा, आखिरकार, इसने खराब गुणवत्ता वाली परियोजना का निर्माण किया, जिसके कारण मेडीगड्डा बैराज और अन्नाराम, सुंडीला बैराज के घाट डूब गए और विकास में भी दरारें आ गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतर्कता टीम ने कालेश्वरम परियोजना की अनियमितताओं की जांच की है और इसकी पूरी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है।

उन्होंने कहा, ''यह जानना विधायिका के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है कि मेडिगड्डा बैराज पर क्या हुआ है। मैं पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव से मेदिगड्डा बैराज आने के लिए कह रहा हूं।''अगर केसीआर को बसों में आना मुश्किल लगता है, तो मेदिगड्डा बैराज तक पहुंचने के लिए उनके लिए एक हेलीकॉप्टर भी तैयार रखा जाता है।उन्होंने बताया कि सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी बुधवार या गुरुवार को सिंचाई परियोजनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करेंगे।

बीआरएस को बदनाम करने के लिए ही मेडिगड्डा यात्रा : हरीश राव

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री हरीशराव ने आरोप लगाया है कि सीएम और विधायक राजनीतिक लाभ के लिए मेडिगड्डा बैराज के दौरे पर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में मुख्य विपक्ष को बोलने का मौका दिये बिना ही सदन स्थगित कर दिया गया। हम इसकी निंदा करते हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों का अवमूल्यन है। उन्होंने विधानसभा मीडिया पॉइंट पर ये बात कही। सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने उन मुद्दों पर लापरवाही से बात की जो एजेंडे में नहीं थे। मेडिगड्डा मामले में बीआरएस के खिलाफ कीचड़ उछालने की कोशिश की जा रही है। बैराज दौरे के रास्ते में रंगनायक सागर, मल्लन्ना सागर, कुडवेल्ली और हरे-भरे मैदान भी देखें। कालेश्वरम परियोजना सिर्फ मेडिगड्डा नहीं है। वे लोकसभा चुनाव में लाभ लेने के लिए बिना सच बताए एक घटना को उठाकर आरोप लगा रहे हैं। हरीश राव ने कहा कि सरकार को तुरंत बैराज की खामियों को दूर करना चाहिए।

नलगोंडा में बीआरएस के तत्वावधान में होने वाली बैठक में हैदराबाद के नेता यह कहते हुए पहुंचे कि राज्य सरकार परियोजनाओं को कृष्णा नदी

प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) को सौंप रही है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के नेतृत्व में नेता और कार्यकर्ता गाड़ियों में सवार होकर तेलंगाना भवन से निकले। चुनाव के बाद इसमें काफी दिलचस्पी थी क्योंकि ये एक बैठक थी जिसमें बीआरएस अध्यक्ष केसीआर हिस्सा ले रहे थे।

बिजली के तार लगाने पर सख्त कार्रवाई

आसिफाबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वांकिडी के एसएसआई सागर ने चेतावनी दी है कि फसलों की सुरक्षा और वन जानवरों के शिकार के लिए कृषि क्षेत्रों में बिजली के तार लगाए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। आदिलाबाद जिले के नारनूर मंडल के ग्रेहाउंड्स कांस्टेबल प्रवीण की मौत पर मंगलवार को पुलिस कार्यालय में शोक संवेदना व्यक्त की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, एसएसआई सागर ने कहा कि ग्रेहाउंड्स कांस्टेबल प्रवीण की भूपालपल्ली जिले के कटाराम में तलाशी अभियान के दौरान मौत हो गई, वहीं जयशंकर की बिजली के तार की चपेट में आने से मौत हो गई। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कृत्य करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि अगर कोई वानकिडी मंडल में बिजली के तार लगाए तो पुलिस को सूचित करें। उनका विवरण गोपनीय रखा जाएगा। वानकिडी मंडल में, इससे पहले टोक्कीगुडा गांव में, बिजली के तारों से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

एसीबी की गिरफ्त में फंसे शमीरपेट तहसीलदार

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल मल्काजगिरी जिले के शमीरपेट मंडल के तहसीलदार थोडेटी सत्यनारायण और उनके ड्राइवर पी. भद्री को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने तहसीलदार के कार्यालय, शमीरपेट मंडल में रंगे हाथों पकड़ लिया।

उन्होंने शिकायतकर्ता के पक्ष में एक रिपोर्ट लिखने और शिकायतकर्ता की भूमि से संबंधित पट्टादार पासबुक जारी करने के लिए कलेक्टर को फाइल अग्रेषित करने के लिए, माई होम भूजा, गाचीबोवली के शिकायतकर्ता मोव्वा रामसेशागिरी राव से दस लाख रुपये की रिश्वत की मांग की और स्वीकार की।

10 लाख रुपये की राशि तहसीलदार के ड्राइवर भद्री ने स्वीकार की और उसके कब्जे से बरामद की गई। भद्री ने कबूल किया कि उसे रिश्वत की रकम तहसीलदार थोडेटी सत्यनारायण की निर्देश पर मिली थी।

प्रत्येक पुलिस स्टेशन में एक समर्पित "साइबर योद्धा" होगा

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में साइबर अपराध से निपटने में पुलिस की क्षमता को मजबूत करने के अपने प्रयास में टीएससीएसबी ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए राज्य के प्रत्येक पुलिस स्टेशन से पुलिस कर्मियों की पहचान की है और उन्हें प्रशिक्षित किया है। इन साइबर योद्धाओं को विशेष रूप से उनके संबंधित पुलिस स्टेशनों में रिपोर्ट की गई साइबर अपराध की घटनाओं की देखभाल करने के लिए नियुक्त किया गया है। निदेशक, टीएस साइबर सुरक्षा ब्यूरो, हैदराबाद शिखा गोयल ने बताया कि 1फरवरी से 13 फरवरी तक टीएससीएसबी ने राज्य भर में पुलिस कांस्टेबल/हेड कांस्टेबल रैंक के (858) पुलिस कर्मियों को विभिन्न विषयों राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल,1930 हेल्पलाइन, संदिग्ध पहचानकर्ताओं का विश्लेषण सोशल मीडिया/वित्तीय धोखाधड़ी, सीवाईसीएपीएस एप्लिकेशन का उपयोग, पीटी वारंट निष्पादन, साइबर सुरक्षा, साइबर योद्धाओं की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ को कवर करते हुए प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि साइबर योद्धा टीएससीएसबी, डी4सी और पुलिस स्टेशन के बीच समन्वयक के रूप में भी काम करेगा। वह अपने पुलिस स्टेशनों में रिपोर्ट किए गए साइबर अपराध मामलों की सभी अपडेट और स्थिति को रिले करने के लिए जिम्मेदार होंगे। इसके अतिरिक्त, वे जांच अधिकारी को सहायता की पेशकश करेंगे। इसके अलावा, ये साइबर योद्धा उभरते साइबर अपराध रुझानों पर पीएस अधिकारियों, डी4सी/सीसीपीएस द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

करवाडी-सुरेरेड्डीपालेम स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन विद्युतीकरण के साथ शुरू

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) में दोहरीकरण और तिहरीकरण परियोजनाएं अच्छी तरह से प्रगति कर रही हैं, जिससे जोन के बुनियादी ढांचे के विकास को बड़ा बढ़ावा मिल रहा है। तदनुसार, करावाडी-सुरेरेड्डीपलेम के बीच 20.3 किलोमीटर की दूरी का एक और खंड सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और चालू कर दिया गया है। यह खंड विजयवाड़ा - गुडुर ट्रिपलिंग और विद्युतीकरण परियोजना का हिस्सा है, जो आंध्र प्रदेश राज्य में चल रही प्रमुख परियोजनाओं में से एक है और रेलवे लाइन का यह खंड प्रकाशम जिले के अंतर्गत आता है। इस खंड के तीनीकरण से अब बापटला-सुरेरेड्डीपालेम के बीच 81 किलोमीटर के निरंतर खंड में विद्युतीकरण के साथ-साथ तीसरी लाइन की सुविधा भी मिलेगी। आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र के साथ ग्रैंड ट्रंक मार्ग पर स्थित, एससीआर पर विजयवाड़ा - गुडूर के बीच का खंड देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों को दक्षिणी राज्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यात्री और मालगाड़ियों दोनों की संख्या में लगातार वृद्धि के कारण यह मार्ग अत्यधिक भीड़भाड़ वाला हो गया है।

इस महत्वपूर्ण खंड पर भीड़भाड़ कम करने के लिए, वर्ष 2015-16 में 288 किलोमीटर की दूरी के लिए 3246 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर विजयवाड़ा-गुदुर तीसरी लाइन परियोजना को मंजूरी दी गई थी। यह कार्य रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है। सभी हिस्सों में एक साथ काम शुरू किया गया है। अब तक, गुडूर-सिंगारायाकोंडा के बीच 127 किलोमीटर की दूरी और बापटला-करावडी के बीच 62 किलोमीटर का खंड पूरा हो चुका है और सफलतापूर्वक चालू हो गया है। अब, करावाडी - ओंगोल - सुरारेड्डीपलेम के बीच 20 किलोमीटर खंड के पूरा होने के साथ, जो विजयवाड़ा - गुडूर के मध्य में स्थित है, कुल 209 किलोमीटर खंड तीसरी लाइन के साथ विद्युतीकृत हो गया है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने विजयवाड़ा डिवीजन और आरवीएनएल दोनों अधिकारियों की पूरी टीम की सराहना की है, जिन्होंने करावाडी - सुरारेड्डीपालेम खंड के बीच ट्रिपलिंग और विद्युतीकरण कार्य पूरा किया है। उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा-गुदुर के बीच तीसरी लाइन के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लिया जा रहा है और सभी हिस्सों में एक साथ काम तेजी से प्रगति पर है। उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से मौजूदा संतृप्त ग्रैंड ट्रंक मार्ग पर भीड़ कम करने में मदद मिलेगी और ट्रेन संचालन आसान हो जाएगा।

मेडिगड्डा बैराज मुद्दे पर बंडी ने बीआरएस और कांग्रेस दोनों की आलोचना की

करीमनगर, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद बंडी संजय कुमार ने आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनकी पार्टी के विधायकों द्वारा मेदिगड्डा बैराज के हालिया निरीक्षण पर जमकर निशाना साधा। आज यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बंडी संजय ने पूछा कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को कालेश्वरम का दोबारा दौरा करने की क्या जरूरत थी, जब मंत्री और इंजीनियर पहले ही परियोजना का दौरा कर चुके हैं और एक रिपोर्ट सौंप चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार से सवाल किया कि वह कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग क्यों नहीं कर रही है। उन्होंने बीआरएस पार्टी पर कृष्णा वाटर्स के नाम पर नाटक करने और सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर कालेश्वरम अनियमितताओं के नाम पर नाटक करने का आरोप लगाया।

यह मांग करते हुए कि बीआरएस नेता जमीन पर अपनी नाक रगड़ें और कालेस्वरम परियोजना में अनियमितताओं के लिए माफी मांगें, उन्होंने कांग्रेस सरकार से राज्य के लोगों से चुनावी पूर्व संध्या पर किए गए वादों को हवा में फेंकने के लिए माफी मांगने को कहा। उन्होंने विधानमंडल का पिछला समय बर्बाद करने के लिए भी सत्ता पक्ष को आड़े हाथों लिया।

भाजपा सांसद ने यह भी कहा कि जब उनकी पार्टी के नेता लड़ रहे थे और धन जारी कर रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी ने लोगों से झूठे वादे करके वोट हासिल किए।

बंडलागुडा स्थित सिंह क्रिकेट ग्राउंड में तेलंगाना वैष्णव नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रीमियर लीग-9 प्रतियोगिता में दीप प्रज्वलितकर, अतिथियों का सम्मान व विजेता टीम वैष्णव परमो को ट्रॉफी प्रदान कर उपस्थित अध्यक्ष विष्णु रामावत, रामकिशन, किशनगोपाल, किशोरदास, बाबुलाल, संतोष टीलावत, ओमप्रकाश, राजुदास, प्रवीणकुमार, प्रकाश, महिला अध्यक्षा किरणलता, रेखा रामावत व समाज बन्धु।

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय : 10-3-311/ए, खनिज भवन, कैसल हिल्स, मासाब टैंक, हैदराबाद-- 500 028
टेली: 040-23538713 ईमेल : ims@nmdc.co.in वेबसाइट : www.nmdc.co.in
सीआईएन : L13100TG1958GOI001674

अदत्त लाभांशों का हस्तांतरण/ निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि के प्रति इक्विटी शेयर्स हेतु सूचना

यह नोटिस कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा अधिसूचित व निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखांकन, लेखापरीक्षा, स्थानांतरण और धनवापसी) नियम 2016, (नियम) के प्रावधानों के अनुसार प्रकाशित किया गया है, जो कोई भी संशोधन युक्त है।

तत्संबंधित नियमों में, अन्य विषयों के अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा स्थापित, उन सभी शेयरों को निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (ईपीएफ) में स्थानांतरित करने का प्रावधान है, तत्संबंधित में शेयरधारक द्वारा लगातार सात वर्षों तक लाभांश का भुगतान या दावा नहीं किया गया है।

तदनुसार, संबंधित शेयरधारकों को व्यक्तिगत संचार भेजकर उनसे लाभांश राशि का दावा करने का अनुरोध किया गया है, जो निम्न दिए गए विवरण के अनुसार लगातार % वर्षों की अवधि के लिए अदत्त /दावाहीन बनी हुई है:--

विवरण	घोषणा की तिथि	आईईपीएफ में स्थानांतरण की नियत तिथि
अंतरिम लाभांश 2016-17	07.03.2017	13.04.2024
अंतिम लाभांश 2016-17	22.09.2017	29.10.2024

एमसीए ने यह भी अधिसूचित किया है कि, कंपनियों द्वारा फंड में शेयरों के हस्तांतरण को शेयरों का हस्तांतरण माना जाएगा और शेयरों के हस्तांतरण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का पालन कंपनियों द्वारा आईईपीएफ को शेयर हस्तांतरित करते समय किया जाएगा। अतः शेयरधारकों को नोटिस दी जाती है कि, कंपनी उपरोक्त नियमों के अनुसार बिना किसी अन्य सूचना के उपरोक्त नियत तिथियों से 30 दिनों के भीतर ट्रांसफर/ट्रांसमिशन के लिए कार्रवाई शुरू करेगी।

कंपनी ने आईईपीएफ सस्पेंस खाते में स्थानांतरण के लिए ऐसे शेयरधारकों और शेयरों का पूरा विवरण अपनी वेबसाइट https://www.nmdc.co.in/investors/dividend-and-shares/unclaimed-and-unpaid-dividends पर, आईईपीएफ सस्पेंस खाते में हस्तांतरित किए जाने वाले शेयरों के विवरण को सत्यापित करने हेतु अपलोड कर दिया है।

उपरोक्त के मद्देनजर, शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे कंपनी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट, मेसर्स आरती कंसल्टेंट्स (प्रा.) लिमिटेड,पंजीकृत कार्यालयः 1-2-285, दोमलगुडा हैदराबाद - 500029, फोनः 040-27638111, ईमेल:info@aarthiconsultants.com को आवश्यक दस्तावेज भेजकर तत्संबंधित अपनी अवैतनिक/दावा रहित लाभांश राशि का दावा कर सकते हैं।

कृपया ध्यान दें कि यदि उपर्युक्त नियत तिथियों पर या उससे पहले निवेशक से कोई जवाब प्राप्त नहीं होता है, तो कंपनी बिना किसी अन्य सूचना के, बिना दावा किए गए लाभांशों/शेयरों की राशि आईईपीएफ को हस्तांतरित करने के लिए बाध्य होगी और कंपनी के खिलाफ, दावा न किए गए लाभांश और आईईपीएफ को हस्तांतरित शेयरों के संबंध में, कोई दावा नहीं किया जाएगा। कृपया ध्यान दें कि ऐसे शेयरों पर होने वाले सभी भविष्य के लाभ, लाभांश भी आईईपीएफ को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे।यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आईईपीएफ को हस्तांतरित शेयर, ऐसे शेयरों पर अर्जित सभी लाभों सहित, यदि कोई हो, को नियमों के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आईईपीएफ प्राधिकरण से वापस दावा किया जा सकता है।

तिथिः 13.02.2024
स्थानः हैदराबाद

एनएमडीसी लिमिटेड के वास्ते
हस्ता./-
ए एस पार्थसारथी
कार्यकारी निदेशक व कंपनी सचिव

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.